Daily THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Saturday, 20 January 2024 ● Year : 02 ● Issue : 04 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

बुद्धिमान मनुष्य का एक दिन मूर्ख के जीवन भर के बराबर होता है।

26 साल बाद रवीना ने खोला राज, क्यों...

SHARE

सेंसेक्स	:	71,683.23
निफ्टी	:	21,622.40

SARAFA

सोना	:	5,930
चांदी	:	77.02

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

21 जनवरी तक सरेंडर करें दोषी : सुप्रीम कोर्ट

NEW DELHI : बिलकिस बानो केस में सुप्रीम कोर्ट से आरोपियों को एक और झटका मिला है। दोषियों ने सरेंडर करने के लिए चार हफ्ते की मांग वाली एक अर्जी दाखिल की थी जिस पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने उसे खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने सभी आरोपियों को 21 जनवरी तक सरेंडर करने के लिए कहा है। इसी के साथ उनकी मोहलत वाली अर्जी को खारिज कर दिया गया। कोर्ट ने आदेश जारी करते हुए कहा कि सभी चार दोषी 21 जनवरी तक किसी भी स्थिति में सरेंडर करें।

मणिपुर में पिता-पुत्र समेत 4 लोगों की हत्या

IMPHAL : मणिपुर में पिछले 24 घंटों के दौरान अलग-अलग घटनाओं में एक व्यक्ति और उसके बेटे समेत 4 लोगों की हत्या कर दी गई। मणिपुर पुलिस ने गुरुवार 18 जनवरी को बताया उग्रवादियों ने बिष्णुपुर जिले में ओइनम बमोलजाओ (61) और उनके बेटे ओइनम मैनिटोम्बा (35) को मार डाला। साथ ही उसी जिले के स्वयंसेवक थियाम सोमेन (54) की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके अलावा, बुधवार 17 जनवरी की रात कांगपोकपी जिले की सीमा से लगे इम्फाल पश्चिम जिले के कांगचुप में एक गांव के स्वयंसेवक ताखेललंबम मनोरंजन (26) की मौत हो गई।

चार मंजिला बिल्डिंग में आग लगने से 6 की मौत

NEW DELHI : दिल्ली के पीतमपुरा इलाके में गुरुवार (18 जनवरी) को एक चार मंजिला इमारत में आग लग गई। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। एक घायल है। मृतकों में 4 महिलाएं हैं। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की 8 गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया गया।

लालू प्रसाद व तेजस्वी को फिर से ईडी का समन

PATNA : शुक्रवार को ईडी के एक अधिकारी लालू प्रसाद यादव के आवास पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि राजद प्रमुख लालू प्रसाद और उनके बेटे और बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को ईडी अपने पटना कार्यालय में पूछताछ के लिए पेश होने को लेकर समन देने पहुंची थी। समन देने के बाद ईडी वापस चली गई। यह समन रेलवे में जमीन के बदले नौकरी के मामले से जुड़ा हुआ है। बता दें कि लालू यादव फिलहाल पूर्व मुख्यमंत्री और उनकी पत्नी राबड़ी देवी के 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास में रहते हैं। सूत्रों के अनुसार लालू यादव को 29 जनवरी को पेश होने के लिए कहा गया है, वहीं तेजस्वी को 30 जनवरी को बुलाया गया है। दोनों इस मामले में जारी किए गए पूर्व समन पर पेश नहीं हुए थे।

आज सीएम हेमंत सोरेन से ईडी करेगी पूछताछ, एक दिन पहले आदिवासी संगठनों का राजभवन मार्च

आदिवासी नेताओं ने दी चेतावनी- हेमंत को छुआ तो झारखंड में आग लगा देंगे

आक्रोश

PHOTON NEWS RANCHI : जमीन घोटाला मामले में सीएम हेमंत सोरेन से 20 जनवरी को ईडी पूछताछ करेगी। पूछताछ से एक दिन पहले शुक्रवार को ईडी की करवाई, केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ प्रमुख आदिवासी संगठनों ने राजभवन मार्च किया। मोरहाबादी मैदान से पैदल मार्च का आयोजन किया गया जो रेडियम रोड, कचहरी रोड होते हुए राजभवन तक पहुंचा। इस मार्च में भारी संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग पारंपरिक हरवे-हथियार के, पारंपरिक वेष-भूषा में शामिल हुए। आदिवासी संगठनों ने केंद्रीय जांच एजेसी ईडी के समन को राजनीति से प्रेरित और आदिवासी सीएम के खिलाफ षडयंत्र करार देते हुए चेतावनी दी कि अगर हेमंत सोरेन को छुआ भी गया तो झारखंड में आग लगा देंगे। प्रदर्शन के दौरान अजय तिर्की ने शुक्रवार को कहा कि हम लोगों ने अपना रोष राजभवन के सामने प्रदर्शित कर दिया है। शनिवार को सीएम से पूछताछ होनी है। वहां भी समाज के अगुआ लोग मौजूद रहेंगे और पैनी निगाह रखेंगे। अजय तिर्की से जब सवाल किया गया कि क्या आज जिस तरह से जुटान हुआ वैसा सीएम हाउस के बाहर होगा क्या? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इस तरह का प्रदर्शन नहीं होगा, लेकिन पार्टी के शीर्ष नेताओं की नजर सीएम हाउस पर रहेगी। उन्होंने कहा कि अगर सरकार के प्रति ईडी का रवैया ठीक नहीं रहा तो आने वाले दिनों में ईडी की कार्रवाई और केंद्र के खिलाफ झारखंड बंद किया जाएगा। झारखंड कब बंद किया जाएगा, इसका निर्णय बाद में होगा।

- मार्च में भारी संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग पारंपरिक हर-वे-हथियार, पारंपरिक वेष-भूषा में हुए शामिल
- संगठनों ने ईडी के समन को राजनीति से प्रेरित और आदिवासी सीएम के खिलाफ षडयंत्र करार दिया
- सरना समिति के अध्यक्ष बोले- सीएम हाउस पर रहेगी पैनी नजर, सीएम हाउस के बाहर अगुआ लोग मौजूद रहेंगे
- सरकार के प्रति ईडी का रवैया ठीक नहीं रहा तो ईडी की कार्रवाई और केंद्र के खिलाफ झारखंड बंद किया जाएगा
- यह सीधे आदिवासी समुदाय पर है हमला, सरकार को गिराने, अस्थिर करने का प्रयास कर रही भाजपा

जरूरत पड़ी तो झारखंड में चलेगा तीर-धनुष

जमीन घोटाले में 20 जनवरी को सीएम से पूछताछ से पहले प्रदर्शन के सवाल के जवाब में केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने कहा कि बंगाल में ईंट-पत्थर चला है। अगर जरूरत पड़ी तो झारखंड में तीर-धनुष चलेगा। केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने कहा कि ईडी इस तरह से काम कर रही है, जैसे केंद्र सरकार का ठेका ले रखी है। ईडी वहीं काम करती है जहां भाजपा की सरकार नहीं है। जहां भाजपा की सरकार है वहां काम नहीं करती है। उन्होंने कहा कि अगर ईडी स्वतंत्र एजेंसी है तो उन जगहों पर भी छापेमारी करिए जहां भाजपा की सरकार है। केंद्रीय सरना समिति के नारायण उरांव ने कहा कि येन-केन प्रकरेण एक आदिवासी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भाजपा परेशान कर रही है। अगर भाजपा में हिम्मत है तो वह हेमंत सोरेन से राजनीतिक मुकाबला करे। पीछे से वार करना छोड़ दे, नहीं तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। केंद्रीय सरना समिति के बैनर तले आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समिति के केंद्रीय अध्यक्ष अजय तिर्की ने कहा कि एक आदिवासी मुख्यमंत्री को परेशान किया जा रहा है। उन पर दबाव बनाया जा रहा है। सरकार गठन के बाद से हेमंत सोरेन सरकार को गिराने, अस्थिर करने का प्रयास किया जा रहा है। जब इसमें भाजपा के लोग सफल नहीं हो रहे हैं तो अब हेमंत सोरेन को केंद्रीय जांच एजेसियों के माध्यम से परेशान और तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

आज 12 बजे हेमंत से पूछताछ कर सकती ईडी, कार्यालय के बाहर बढ़ाई गई सुरक्षा

मिली जानकारी के मुताबिक ईडी के अधिकारियों को 20 जनवरी की दोपहर सीएम से पूछताछ के लिए दिन के 12 बजे सीएम आवास पहुंचना है। गौरतलब है कि सीएम ने आठवें समन के बाद ईडी को पत्र भेजा और यह बताया कि ईडी की टीम 20 जनवरी को सीएम आवास आकर उनका बयान दर्ज कर सकती है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर रांची एयरपोर्ट रोड स्थित ईडी के जोनल कार्यालय में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सुरक्षा जांच के बिना अब कोई भी ईडी दफ्तर में प्रवेश नहीं कर पाएगा। ईडी ऑफिस को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। बता दें कि जमीन घोटाला में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से 20 जनवरी को पूछताछ होनी है। पूछताछ के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर ईडी ने मुख्य सचिव, डीजीपी और रांची एसएसपी को भी पत्र लिखा था। ईडी के पत्र मिलने के बाद रांची पुलिस के द्वारा सीएम हाउस, ईडी के रांची जोनल ऑफिस के बाहर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि ईडी के अफसर जो सीएम हाउस में पूछताछ के लिए जाएंगे, उनके लिए भी ईडी कार्यालय से सीएम हाउस तक विशेष तौर पर स्कॉट की व्यवस्था की गई है।

राज्यपाल केंद्र का एजेंट बनना बंद करें नहीं तो तमिलनाडु वापस भेज देंगे

आदिवासी सेना के अध्यक्ष अजय कच्छप ने कहा कि केंद्र सरकार अपने जांच एजेसियों के माध्यम से एक आदिवासी सीएम को परेशान कर रही है। उन्होंने राजभवन, राज्यपाल और भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा कि वह साजिश करना बंद करें। राज्यपाल केंद्र के एजेंट बनकर काम करना बंद करें नहीं तो उन्हें तमिलनाडु वापस भेज दिया जाएगा। मोरहाबादी से जुलूस की शक्ल में निकले प्रदर्शनकारी राजभवन के पास जाकिर हुसैन पार्क के पास बने धरना स्थल में पहुंच गए और नारेबाजी करने लगे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जानबूझकर सरकार को परेशान किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जो सरकार जनता के लिए काम कर रही है।

अवैध खनन मामले में सीबीआई जांच पर रोक

एजेंसी को जवाब दाखिल करने का निर्देश

SPECIAL REPORTER RANCHI : नींबू पहाड़ पर हुए अवैध खनन मामले में बिना राज्य सरकार की सहमति और बगैर हाईकोर्ट के आदेश के सीबीआई द्वारा एफआईआर दर्ज करने को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में शुक्रवार को हुई। मामले में हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति राजेश कुमार की कोर्ट ने नींबू पहाड़ पर अवैध खनन को लेकर सीबीआई द्वारा की जा रही जांच पर रोक लगाते हुए सीबीआई को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। इस मामले में अगली सुनवाई अब 9 फरवरी को होगी।

दरअसल, विजय हासदा ने पूर्व में पंकज मिश्रा एवं अन्य के द्वारा नींबू पहाड़ पर अवैध खनन किए जाने को लेकर जो शिकायत की थी, उसकी सीबीआई जांच करने का आग्रह हाईकोर्ट से किया था, बाद में विजय हांसदा ने अपने उस याचिका को वापस लेने का अनुरोध कोर्ट से किया था।

- सरकार की सहमति और बगैर हाईकोर्ट के अनुमति के ही सीबीआई ने दर्ज की थी प्राथमिकी
- अगली सुनवाई अब 9 फरवरी को होगी

दूसरे समन पर भी हाजिर नहीं हुए साहिबगंज डीसी

RANCHI : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन के बावजूद साहिबगंज डीसी रामनिवास यादव ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय दूसरी बार भी नहीं पहुंचे। अवैध खनन मामले में ईडी ने 17 जनवरी को समन कर उन्हें 19 जनवरी को पूछताछ के लिए ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय में उपस्थित होने को कहा था। इससे पहले डीसी रामनिवास यादव को बीते छह जनवरी को समन भेजकर 11 जनवरी को पूछताछ के लिए ईडी ने बुलाया था लेकिन वह ईडी के समन के बावजूद भी उपस्थित नहीं हुए थे। उल्लेखनीय है कि ईडी ने अवैध खनन मामले में 12 ठिकानों पर एक साथ तीन जनवरी को छापेमारी की थी। इस दौरान ईडी ने विभिन्न आपत्तिजनक डिजिटल उपकरण, दस्तावेज, रिकॉर्ड और रुपये की नकदी बरामद की। साहिबगंज के डीसी राम निवास यादव के कैंप कार्यालय से 7.25 लाख रुपये सहित 36.99 लाख रुपये बरामद किये गये थे। इसके अतिरिक्त साहिबगंज के डीसी राम निवास यादव के आवासीय परिसर से 9 एमएम बोर के 19 कारतूस, .380 एमएम के 2 कारतूस और 45 पिस्टल के 5 खाली खोखे भी बरामद किये गये।

एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर का फाइनल मुकाबला

जर्मनी ने मारी बाजी, यूएसए को 2-0 से हराया, पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाइ

PHOTON NEWS RANCHI : एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर का आखिरी मुकाबला पहले और दूसरे स्थान के लिए खेला गया। एक तरह पूरी प्रतियोगिता में अपराजित यूएसए थी और दूसरी तरफ अनुभव से भरी जर्मनी की टीम। जर्मनी ने इस मुकाबले को 2-0 से जीतकर पहले स्थान पर रहते हुए पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। जर्मनी पूरे मुकाबले में यूएसए पर हावी रही। मैच के तीसरे मिनट में जीते फ्लेसचुट्स ने फील्ड गोल कर 1-0 की लीड ली। वहीं दूसरा गोल जर्मनी के लिए 20वें मिनट में सोंजा जिमरमेन ने किया। उन्होंने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया।

जीत के बाद जश्न मनाती जर्मनी की खिलाड़ी व मौजूद सीएम हेमंत सोरेन।

- जर्मनी पूरे मुकाबले में यूएसए पर हावी रही
- पूरे मैच में जर्मनी ने 12 पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किये
- समापन समारोह में पत्नी संग शामिल हुए सीएम हेमंत सोरेन

भारत का पेरिस ओलंपिक का सपना टूटा, जापान से हारा

रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्टोटर्फ हॉकी स्टेडियम में चल रहे एफआईएच महिला हॉकी ओलिंपक क्वालीफायर 2024 के ब्रांज मेडल के लिए हुए मुकाबले में भारत जापान से 1-0 से हार गया। इससे पहले गुरुवार को सेमीफाइनल में भारत को जर्मनी से हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन भारत के पास आज का मुकाबला जीतकर ओलिंपिक मे क्वालीफाई करने का मौका था। लेकिन भारतीय महिला हॉकी टीम जापान से पार नहीं पा सकी। मैच के शुरूआत में ही जापान को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला और उसने उसे गोल में बदलकर जीत हासिल की। आठ देशों के बीच हुए मुकाबले में तीन देश जर्मनी, संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान ने ओलिंपिक का टिकट कटा लिया है। जापान के लिए काना उराता ने छठे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। जापान की यही बढ़त अंत तक बरकरार रही।

सामने आई रामलला की पूरी तस्वीर, औषधि, केसर, घी और अनाज में कराया गया वास

माथे पर तिलक, चेहरे पर मुस्कान, रामलला विराजमान

AGENCY AYODHYA : अयोध्या में 16 जनवरी से शुरू हुए प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान का शुक्रवार 19 जनवरी को चौथा दिन था। रामलला की पूरी तस्वीर सामने आई है। इसमें रामलला का पूरा चेहरा दिख रहा है। शुक्रवार शाम से अस्थाई मंदिर में रामलला के दर्शन बंद हो गए। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के बाद नए मंदिर में 23 जनवरी से श्रद्धालुओं को दर्शन मिलेंगे। इससे पहले गुरुवार को रामलला की मूर्ति को गर्भगृह में बने आसन पर रख दिया गया था। कारीगरों ने मूर्ति को आसन पर खड़ा किया। इस प्रोसेस में 4 घंटे लगे। बताया गया है कि अब मूर्ति को गंध वास के लिए सुगंधित जल में रखा जाएगा। फिर अनाज, फल और घी में भी रखा जाएगा। आज श्रीरामलला का वैदिक मंत्रों के साथ औषधाधिवास, केसराधिवास, घृताधिवास कराया गया। फिर आरणी मंथन से कुंड में अग्नि प्रकट की गई। श्रीरामलला 20 जनवरी को वास्तु शांति के बाद सिंहासन पर विराजेंगे। इस बीच, जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि गर्भगृह में नई प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा में कोई दिक्कत नहीं है। ऐसा लोगों के दर्शन के लिए किया गया है। शाम 7 बजे से अस्थाई राम मंदिर में दर्शन बंद हो गए। तिरुपति बालाजी से 3 टन लड्डू की खेप शनिवार को अयोध्या एयरपोर्ट पर सुबह 9.30 पर पहुंचेगी। महावीर ट्रस्ट पटना 20 जनवरी की शाम या 21 जनवरी की सुबह राम मंदिर ट्रस्ट को सोने के धनुष बाण सौंपेगा। यह जानकारी महावीर ट्रस्ट के आचार्य किशोर कुणाल ने दी है।

एक नहीं... रामलला के दो विग्रह की होगी प्राण प्रतिष्ठा

22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। देश में हर कोई रामलला की पहली झलक पाने के लिए आतुर है। गर्भगृह में कर्नाटक के श्याम-वर्ण के पत्थर से बनी प्रतिमा रखी जा चुकी है। साथ ही, 2 दिन पहले चांदी की रामलला की 10 किलो की प्रतिमा का भ्रमण रामजन्मभूमि पर कराया गया। इस तरह से अयोध्या में पूजन के लिए रामलला की 2 प्रतिमाएं राम भक्तों के सामने होंगी। इस वक्त, दोनों ही प्रतिमाएं राम मंदिर के गर्भगृह में रखी गई हैं। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सूत्रों के मुताबिक, चूंकि मुख्य प्रतिमा 200 किलो की है। इसलिए पूजन के सभी संस्कार इतनी भारी प्रतिमा के साथ संभव नहीं हैं। यही वजह है कि जल, औषधि, फल, अन्न, घी आदि के साथ अधिवास के संस्कार चांदी की प्रतिमा के साथ करवाए जा रहे हैं। ये संस्कार मूर्ति गढ़ने के दौरान होने वाले दोषों को दूर करने के लिए किए जाते हैं। बता दें कि अस्थाई मंदिर में पहले से स्थापित 6 इंच की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा नहीं होगी। क्योंकि, उनकी प्राण प्रतिष्ठा पहले ही हो चुकी है।

बेंगलुरु आकांक्षाओं को नवाचार और उपलब्धि से जोड़ता है : प्रधानमंत्री

NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कर्नाटक के बेंगलुरु में नए अत्याधुनिक बोइंग इंडिया इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी सेंटर (बीआईईटीसी) परिसर का उद्घाटन किया। 1,600 करोड़ रुपये के निवेश से निर्मित, 43 एकड़ का यह परिसर अमेरिका के बाहर बोइंग का सबसे बड़ा निवेश है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि यह नया सेंटर भारत और दुनिया भर में विमानन क्षेत्र को मजबूत करेगा। यह सेंटर नवाचार के केंद्र के रूप में काम करेगा और विमानन में प्रगति को आगे बढ़ाएगा। एक दिन भारत इस सुविधा में भविष्य के विमान डिजाइन करेगा। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु एक ऐसा शहर है, जो आकांक्षाओं को नवाचारों और उपलब्धियों से जोड़ता है। बेंगलुरु भारत की तकनीकी क्षमता को वैश्विक मांग से जोड़ता है।

कोयला कारोबारियों के ठिकानों पर दबिश

धनबाद में तीसरे दिन भी आईटी की छापेमारी जारी

CRIME REPORTER RANCHI : धनबाद में आईटी की टीम बुधवार से कोयला अनिल गोयल और दीपक पोद्दार के कई ठिकानों पर छापेमारी तीसरे दिन भी जारी है। आईटी रेड दीपक पोद्दार के जोड़ाफाटक आवास में जारी है। दीपक पोद्दार के आवास और होटल वेडलोक गोविंदपुर, हार्डकोक भट्ठा में रेड जारी है। इस दौरान 300 करोड़ का अवैध निवेश का हाथ लगा है। जिसमे 200 करोड़ दीपक पोद्दार और 100 करोड़ अनिल गोयल ने किया है। बुधवार को आईटी को 3 करोड़ नगद मिले थे। जबकि गुरुवार की छापेमारी के दौरान आईटी टीम को कुल 5 करोड़ नगद और 18 से 20 करोड़ के जेवरात हाथ लगे थे। यह आईटी की रेड 41 करोड़ टैक्स को लेकर की गई थी। इसके अलावा नगद, जेवर और अहम कागजात जब्त किए गये है।

- अबतक 5 करोड़ नकद, 20 करोड़ के जेवरात व 300 करोड़ के अवैध निवेश के दस्तावेज मिले

BRIEF NEWS

गिरिडीह में दो वाहनों से 104 पेटी अवैध शराब जब्त, तीन गिरफ्तार

GIRIDIH : जिले की पचम्बा थाना पुलिस ने डाक पार्सल और स्कार्पियो में लोड 104 पेटी अवैध शराब जब्त किया है। इस बाबत शुक्रवार को पचम्बा थाना प्रभारी मुकेश दयाल सिंह बताया कि गुरुवार देर रात हुई छापेमारी के दौरान जब्त दोनों गाड़ियों के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों में बिहार के बेगूसराय के भगवानपुर थाना इलाके के राजन कुमार, बोकारो के गांधीनगर थाना इलाके के जरीडीह सूरज सोनी और चंद्रपुरा निवासी आशीष रंजन शामिल हैं। पूछताछ में तीनों ने बताया कि डाक पार्सल और स्कार्पियो में लोड शराब के सारे स्टॉक को बिहार भेजा जा रहा था।

बिरसा कॉलेज में सड़क सुरक्षा सप्ताह का समापन

KHUNTI : बिरसा कॉलेज खूंटी में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा सप्ताह का समापन समारोह मनाया गया। इसके तहत सप्ताह भर कॉलेज में सड़क सुरक्षा विषय पर आयोजित प्रतियोगिताओं डिक्लामेशन, निबंध, पेंटिंग, स्लोगन, भाषण तथा क्विज के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नेहरू युवा केंद्र रांची के उपनिदेशक सर्वेंद्र प्रताप सिंह और विशिष्ट अतिथि रांची विवि के अंग्रेजी विभाग के प्रो ओम प्रकाश उपस्थित थे। सर्वेंद्र सिंह ने छात्रों की सराहना करते हुए कहा कि बिरसा की धरती के युवाओं में अपार संभावनाएं हैं जिससे ये आसमान छू लेंगे। ओम प्रकाश ने कहा की बिरसा कॉलेज का परचम ऊंचे में लहराएगा, क्योंकि प्रतिभा और जोश का अद्भुत मिश्रण छात्रों में देखने को मिला, जिससे वे अभिभूत हैं। भविष्य के लिए उन्होंने पूरे कॉलेज को शुभकामनाएं दीं।

पोक्सो एक्ट, बाल संरक्षण व बाल विवाह को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

RAMGARH : डीसी चंदन कुमार के निर्देश पर जिला अंतर्गत सरकारी विद्यालयों में बच्चों और शिक्षकों आदि के बीच पोक्सो एक्ट, बाल विवाह, बाल संरक्षण आदि से संबंधित जागरूकता का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार को रामगढ़ जिला अंतर्गत डीएवी पब्लिक स्कूल रजरप्पा एवं सरस्वती शिशु विद्या मंदिर रजरप्पा में बच्चों को पोक्सो एक्ट, बाल विवाह, जे जे एक्ट, बाल संरक्षण सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई। बच्चों ने काफी ध्यान पूर्वक विभिन्न नियमों एवं अपने अधिकारों के बारे में जानकारी प्राप्त की। वही, उनके द्वारा कई सवाल जवाब भी किए गए। कार्यक्रम के दौरान जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी शांति बागे, बाल कल्याण समिति के सदस्य आरती, संरक्षण पदाधिकारी दुख हरण महतो, बाल संरक्षण पदाधिकारी अनिल कुमार मेहता, विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों सहित अन्य उपस्थित थे।

भाजपा एसी मोर्चा ने नीलकंठ सिंह मुंडा को दी बधाई

KHUNTI : भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष योगेंद्र नायक के नेतृत्व में मोर्चा के कार्यकताओं ने शुक्रवार को विधायक नीलकंठ मुंडा के आवास पहुंचकर मुंडा को दूसरी बार भाजपा का वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष बनाये जाने पर उन्हें बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने नीलकंठ सिंह मुंडा को पुष्प गुच्छ देकर और माला पहनाकर उन्हें शुभकामनाएं दी। मौके पर जिलाध्यक्ष योगेंद्र नायक ने कहा कि नीलकंठ सिंह मुंडा नेतृत्व में पूरे राज्य में भाजपा और मजबूत होगी।

लेवी वसूलने आए JJMP के चार उग्रवादी गिरफ्तार

दो देशी कट्टा, तीन मोबाईल, दो बाइक व पाच हजार नकद बरामद

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू जिले के पांकी में विकास योजनाओं को बाधित कर लेवी वसूलने वाले उग्रवादी संगठन जेजेएमपी के चार उग्रवादियों को पुलिस ने पांकी के बिहरा गांव से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार उग्रवादियों में पांकी थाना क्षेत्र के नावागढ निवासी धर्मेन्द्र कुमार, सूरजीन गांव का रहने वाला सतन उरांव, जगन उरांव और राधाडीह के राजू साव शामिल है। सभी लेवी वसूलने एक निमार्णाधीन आंगनबाड़ी केन्द्र भवन में पहुंचे थे।

मीडिया को जानकारी देतीं एसपी रीष्मा रमेशन। ● फोटोन न्यूज

गिरफ्तार उग्रवादियों के पास से पुलिस ने दो देशी कट्टा, लेवी संबंधित एक पर्चा, सादा पर्चा, तीन मोबाईल फोन, दो मोटरसाईकिल और पाँच हजार रुपए लेवी के बरामद किये हैं। पुलिस गिरफ्त में आए उग्रवादी छोटे-बड़े ठिकेदार और राशन डीलर को धमका कर लेवी वसूलते थे और अपने एरिया कमांडर को वसूली गई राशि देते थे। इसमें इनका हिस्सा भी होता था।

एसपी रीष्मा रमेशन ने शुक्रवार की शाम बताया कि कुछ दिनों से जेजेएमपी के दस्ता द्वारा पांकी थाना क्षेत्र में बन रहे आंगनबाड़ी केन्द्र भवन और संचालित अन्य विकास योजनाओं में लेवी की मांग ठेकेदारों से की जा रही थी। ठेकेदारों को परेशान करने के लिए निमार्णाधीन भवन पर पर्चा साट कर कार्य बाधित कर रहे थे। उग्रवादियों ने पुलिस को बताया कि एरिया कमांडर ध्रूव जी उर्फ राजू राम और उसकी पत्नी अनिता के द्वारा संगठन के सदस्यों के माध्यम पर्चा सटवाकर लेवी की मांग की जा रही थी।

हजारीबाग के डेली मार्केट में लगी भीषण आग, 20 दुकानें जलकर खाक

संकरी गली होने से ज्यादा नुकसान, पांच घंटे बाद पाया आग पर काबू

PHOTON NEWS HAZARIBAGH : हजारीबाग के डेली मार्केट में आग लग गई। शहर के मेन रोड स्थित डेली मार्केट में शुक्रवार की सुबह भीषण आग लगी। जिसमें 20 से अधिक दुकानें जलकर खाक हो गई हैं। इनमें कपड़ा, जूता, पूजा के सामान और दूसरी चीजों की दुकान शामिल हैं। करीब 5 घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है। दमकल की 3 गाड़ियां आग बुझाने में जुटी थी। आग बुझाने की कोशिश में हजारीबाग पुलिस, फायर ब्रिगेड, डेली मार्केट के दुकान संचालक और स्थानीय लोग शामिल रहे। संकरी गलियां होने के कारण ज्यादा परेशानी हुई। आग से 50 लाख के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

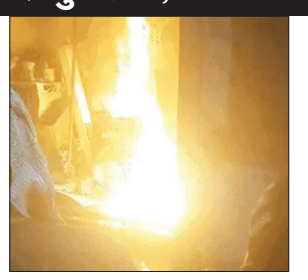

लगभग 4:30 बजे सुबह लोगों की नजर पड़ी कि एक दुकान से धुआं उठ रहा है। जब तक आग बुझाने की कोशिश शुरू होती, तब तक आग ने दूसरी दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते मार्केट ही धधकने लगा। आग कैसे लगी इसका खुलासा नहीं हो पाया है। सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर ललित कुमार दलबल के साथ मौके पर पहुंचे।

एक के बाद एक 20 दुकानों में लगी आग : दुकान संचालक और स्थानीय लोगों ने भी पुलिस और फायर ब्रिगेड को जानकारी दी। फिर सदर एसडीपीओ महेश प्रजापति दल बल के साथ पहुंचे। पहले दो दमकल आग पर काबू पाने के लिए पहुंचे लेकिन दो दमकल के लिए आग पर काबू पाना संभव नहीं हो सका। धीरे-धीरे एक के बाद एक 20 से अधिक दुकानें चपेट में आ गई।

संकरी गली और दुकानें पास-पास होने से ज्यादा नुकसान : डेली मार्केट में संकरी गली होने के साथ-साथ हर दुकान एक-दूसरे से सटे हुए हैं। जिसके कारण कई दुकानें चपेट में आई हैं। प्रशासन , स्थानीय लोग और फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझाने में जुटी रही।

SBI के CSP से 4.40 लाख की लूट तीन लुटेरों ने दिया वारदात को अंजाम

PHOTON NEWS PALAMU : जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र के खजुरी नौडीहा पुलिस पिकेट के समीप एसबीआई के एक ग्राहक सेवा केन्द्र (सीएसपी) में शुक्रवार को दिनदहाड़े 4.40 लाख की लूट हो गयी। इस घटना को तीन अपराधियों ने अंजाम दिया। सूचना के बाद पुलिस अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी में जुट गयी है। 24 घंटे पहले गुरुवार को छतरपुर बाजार में थाना के समीप बाइक सवार तीन अपराधियों ने हरिहरगंज के व्यवसायी शुभम गुप्ता पिता शंकर गुप्ता की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना के तुरंत बाद लूट की वारदात से पुलिस की सक्रियता पर प्रश्नचिन्ह लगने लगा है।

पिस्टल सटाकर लूट की वारदात : खजुरी पुलिस पिकेट से सटे और हाईस्कूल के सामने नागेन्द्र कुमार यादव के सीएसपी में पिस्टल का भय दिखाकर लूट की घटना हुई। सीएसपी में आते ही अपराधियों ने संचालक को पिस्टल सटाया और फिर बैग से 3.35 लाख रूपए लूट लिए एवं पांच हजार रुपए संचालक के पैकेट से लूटे। जिस समय घटना हुई, उस वक्त केन्द्र पर एक व्यक्ति पैसे निकालने आया था। लूट की घटना के बाद अपराधियों ने संचालक एवं ग्राहक को केन्द्र में बंद करके फरार हो गए। भागने से पहले ग्राहक का मोबाइल लूटकर बाहर फेंक दिया था, जबकि संचालक का मोबाइल घटनास्थल से 600 मीटर दूर फेंका मिला। लोकेशन ट्रेस कर पुलिस ने मोबाइल ढूंढा।

भागने के क्रम में उठायी गिरी हुई नोट की गड्डी : ग्रामीणों के अनुसार लूटपाट के बाद अपराधी नोटों का बंडल लेकर भाग रहे थे। छतरपुर-पांडू मार्ग पर छतरपुर की ओर भागने के दौरान इमली के पास नोट का एक बंडल गिर गया था। अपराधी उसे उठाने के लिए दोबारा लौटे। वहां पर कुछ ग्रामीण थे। ग्रामीणों ने जब गिरे हुए बंडल के बारे में पूछा तो अपराधियों ने बताया कि भट्ठे पर मजदूरों को पेमेंट देने जा रहे हैं। ग्रामीणों को झांसे में लेकर अपराधी भाग निकले। हालांकि पीछे से शोर मचाते हुए सीएसपी संचालक भी आया, लेकिन तबतक काफी देर हो गयी थी। ग्रामीणों के बताये लोकेशन के आधार पर माइंस जाने वाली सड़क की ओर अपराधियों को ढूंढा गया, लेकिन कोई अता पता नहीं चला।

सूचना मिलने पर नौडीहा-खजुरी के मुखिया हरेन्द्र सिंह मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। मुखिया ने बताया कि घटना 12.30 बजे हुई। घटनास्थल से सटे खजुरी पुलिस पिकेट है। सूचना देने के बाद पुलिस मौके पर तत्काल नहीं पहुंची। उन्होंने आरोप लगाया कि पिकेट की पुलिस को सूचना देने के बाद भी छतरपुर थाना से जबतक मैसेज नहीं मिलता, कार्रवाई के लिए नहीं निकलती है। पिकेट की पुलिस निष्क्रिय है।

व्यवसायी हत्याकांड के विरोध में तीन घंटे तक थाना घेरकर किया प्रदर्शन, बाजार बंद

कारोबारियों ने पुलिस प्रशासन को दिया 24 घंटे का अल्टीमेटम

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू में थाने के 100 मीटर के अंदर ही कारोबारी शुभम कुमार की हत्या के बाद अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। अपराधी अब भी फरार है। कारोबारियों ने पुलिस प्रशासन को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। कारोबारियों का कहना है कि अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो पूरे पलामू प्रमंडल में चक्का जाम होगा।

सुनसान पड़े बाजार। ● फोटोन न्यूज

हत्यारों की गिरफ्तारी और घटना को स्पष्ट करने की मांग को लेकर परिजन, व्यवसायी एवं स्थानीय लोगों ने तीन घंटे तक थाने का घेराव किया। इस क्रम में थाना प्रभारी को बर्खास्त करो, डीएसपी मुदार्बाद के नारे लगाये गए। हालांकि बाद में प्रशासनिक हस्तक्षेप से धरना प्रदर्शन समाप्त किया गया, लेकिन दुकानें अभी भी बंद हैं। छतरपुर की तरह हरिहरगंज और नौडीहा बाजार और पिपरा में भी बंद का असर रहा। व्यवसायियों ने अपनी अपनी दुकानें बंद रखी। हरिहरगंज में एनएच 98 पुराना बस स्टैंड के समीप सुबह 8 से 10 बजे तक शव के साथ दो घंटे तक सड़क जाम किया गया। अररूआ खुर्द कॉलेज मोड़ के पास भी सड़क जाम रखा गया था।

बताते चलें कि गुरूवार की दोपहर अपने पिता शंकर गुप्ता के साथ छतरपुर बाजार में कलेक्शन के लिए आए हरिहरगंज के युवा व्यवसायी शुभम गुप्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। बाइक सवार तीन अपराधियों ने कार का शीशा उतरवा कर ड्राइवर सीट के बगल में बैठे शुभम को करीब 9 गोलियां मारी थी। छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल के बाद मेदिनीनगर के निजी अस्पताल और फिर रांची रिम्स ले जाने के क्रम में उनकी मौत हो गयी थी। मौत की सूचना के बाद परिजन, व्यवसायी एवं स्थानीय लोगों ने छतरपुर में मुख्य सड़क को जाम कर दिया था। गुरूवार की देर रात शुभम के शव का एमआरएमसीएच में पोस्टमार्टम किया गया था। उसके शरीर में 9 जगह गोली लगने के निशान पाये गए थे, जबकि तीन बुलेट फंसी हुई मिली।

आन्दोलन का यह सिलसिला शुक्रवार को भी देखने को मिला। बड़ी संख्या में लोग सुबह सुबह सड़क पर उतर आए और थाना के गेट पर धरना प्रदर्शन किया। एसडीपीओ अजय कुमार ने बताया कि मामले में छानबीन तेज है। लीड मिली है, जल्द नतीजे पर पहुंचेंगे।

इधर जिले की एसपी रीष्मा रमेशन ने घटना की जांच के लिए एसआइटी का गठन किया है, जिसमें एसडीपीओ अजय कुमार के अलावा इंस्पेक्टर वीर सिंह मुंडा, हरिहरगंज थाना प्रभारी सुदामा कुमार दास, छतरपुर थाना प्रभारी शेखर कुमार, नौडीहा बाजार थाना प्रभारी अमन कुमार, पिपरा थाना प्रभारी अमित कुमार, एसआई रंजीत कुमार और प्रियरंजन कुमार शामिल हैं।

दंगल की लड़ाई में कांग्रेस को बड़ा झटका सेल समिति ने आंदोलनकारियों को नकारा

PHOTON NEWS RAMGARH : कोयलांचल के सिरका कोलियरी में दंगल की लड़ाई में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। शुक्रवार को वार्ता के दौरान लोकल सेल समिति ने आंदोलनकारियों को पूरी तरीके से नकार दिया। लोकल सेल समिति में शामिल लोगों ने कहा कि कांग्रेस अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए एक गलत तरीका अपना रही है।

बैठक में शामिल सेल समिति, कांग्रेस प्रतिनिधि व जिला प्रशासन। ● फोटोन न्यूज

जिला प्रशासन, लोकल सेल समिति और कांग्रेस के प्रतिनिधियों के बीच की वार्ता पूरी तरीके से विफल रही। इस बैठक में जिला प्रशासन की ओर से रामगढ़ अंचल अधिकारी सत्येंद्र पासवान, मजिस्ट्रेट पंकज कुमार, रामगढ़ थाना की ओर से सब इंस्पेक्टर प्यारे हसन, सेल समिति के अध्यक्ष बैजनाथ मिस्त्री, भुवनेश्वर बेदिया, तिवारी महतो, जगन्नाथ बेदिया लिफ्टर की ओर से छोटू मास्टर, रणधीर गुप्ता, बलदेव महतो, धनेश्वर महतो, राजू यादव, कांग्रेस की ओर से जिला अध्यक्ष मुन्ना पासवान, सीपीएस संतन, समसूद खान, अनु विश्वकर्मा, अमर मुंडा, सिकंदर मुंडा, राहुल सिंह आदि मौजूद थे।

दंगल पर है शक तो प्रशासन कर ले इसकी जांच : बैजनाथ मिस्त्री

बैठक में शामिल हुए लोकल सेल समिति के अध्यक्ष बैजनाथ मिस्त्री ने कहा कि लोकल सेल कई दशकों से चलता आ रहा है। इसमें विस्थापितों और मजदूरों को शामिल किया गया था। आंदोलन करने वाले नेता समसूद खान ने वर्ष 2009 में भी लोकल सेल को बंद किया था। उस वक्त उन्होंने 100 मजदूरों की सूची सौंपी थी। प्रशासनिक अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद उन्हें पांच दंगल बनाकर दिया गया था। लेकिन अब व्यक्तिगत लाभ के लिए इस पूरे मामले में एक बड़ी राजनीति की जा रही है। बैजनाथ मिस्त्री ने कहा कि लोकल सेल के गठन और उसके कार्यान्वयन को लेकर पूरी बात जिला प्रशासन को बताई गई है। अगर किसी को दंगल में शामिल मजदूरों के नाम और उनकी वास्तविकता पर शक है तो इसका पूरा सत्यापन भी होना जरूरी है।

सिरका कोलियरी में कांग्रेस के द्वारा आंदोलन के ऐलान में पूर्व विधायक ममता देवी के शामिल होने पर लोकल सेल समिति के अध्यक्ष बैजनाथ मिस्त्री ने टिप्पणी की है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस ने सेल समिति को ना तो कोई आवेदन दिया और ना ही उनके समक्ष कोई बात रखी। उन लोगों ने सीसीएल प्रबंधन को पत्र लिखा और उसके बाद कोलियरी को बंद कर दिया। बैजनाथ मिस्त्री ने कहा कि कांग्रेस एक राजनीतिक मुद्दा बनाकर एक व्यक्ति को लाभ पहुंचाने की कोशिश कर रही है। इसमें पूर्व विधायक ममता देवी भी उनके पीछे खड़ी नजर आ रही हैं, जो किसी भी स्तर पर उचित प्रतीत नहीं होता है।

मजदूरों को हक देकर शुरू हो सेल, नहीं तो आंदोलन : कांग्रेस

कांग्रेस ने कहा कि अगर मजदूरों को उनका हक देकर लोकल सेल समिति काम करती है तो ही कोलियरी में काम सुचारू रूप से चलेगा। अन्यथा हजारों मजदूरों के साथ कोलियरी का चक्का जाम करेंगे। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे पार्टी के जिला महासचिव समसूद खान ने कहा कि सेल समिति एक गाड़ी पर 2400 रुपए से अधिक का पेमेंट नहीं देना चाहती है।

विधायक ने कुंजला में कार सेवकों को किया सम्मानित

KHUNTI : अयोध्या नगरी में चल रहे प्राण प्रतिष्ठा सामरोह को लेकर खूंटी के विधायक और भाजपा के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा ने शुक्रवार को ग्रामीणों के साथ मुरहू प्रखंड के राजा कुंजला स्थित त्रिदेव मंदिर की साफ-सफाई की। मौके पर विधायक ने कहा कि स्वच्छता सब जगह जरूरी है, चाहे मंदिर हो रसोई। उन्होंने कहा कि स्वच्छता में ही ईश्वर का वास होता है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य सिर्फ मंदिर की सफाई करना नहीं, बल्कि लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरुकता लाना है। मौके पर भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष काशीनाथ महतो ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सबसे बड़ा सपना देश का साफ-सुथरा रखना। इसको लेकर घर-घर शौचालय बनाये गये। उन्होंने कहा कि हमारा भी दायित्व है कि हम अपने इलाके को स्वच्छ रखें। विधायक प्रतिनिधि ग्राम अध्यक्ष काशीनाथ महतो ने कहा कि कुंजला से भी कई कारसेवक अयोध्या गये थे। विधायक ने कारसेवकों तेजू महतो, भादया प्रधान, श्याम तांती शामिए को अंगवस्त्र देकर उन्हें सम्मानित किया। गांव के मगरू पाहन और घूरा महतो भी अयोध्या पहुंचे थे।

डीडीसी ने किया प्रखंड का दौरा विकास कार्यों की ली जानकारी

निरीक्षण करते उप विकास आयुक्त। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RAMGARH : उप विकास आयुक्त रॉबिन टोप्पो ने शुक्रवार को गोला प्रखंड का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने रकुवा सहित अन्य क्षेत्रों में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं यथा बिरसा कूप संवर्धन योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, ट्रेंच कम बंड सहित अन्य योजनाओं के तहत हो रहे कार्यों का स्थल निरीक्षण कर जायजा लिया। मौके पर उप विकास आयुक्त ने लाभुकों से भी योजनाओं के माध्यम से मिल रहे लाभ की जानकारी ली एवं अधिकारियों को योजनाओं के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभान्वित करने का निर्देश दिया ।

साथ ही उप विकास आयुक्त ने लाभुकों को भी अपने-अपने क्षेत्र में अन्य लोगों को सरकार की योजनाओं के प्रति जागरूक कर लाभ लेने हेतु प्रेरित करने की अपील की। योजनाओं के निरीक्षण के क्रम में उप विकास आयुक्त के द्वारा एरिया ऑफिसर एप के माध्यम से कई योजनाओं से संबंधित जानकारियां सत्यापित करते हुए पोर्टल पर अपलोड किया गया। इन सब के अलावा उप विकास आयुक्त ने विभिन्न योजनाओं को पूरा करने एवं लाभुकों को लाभान्वित करने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी गोला, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट की न्यास परिषद व प्रबंधकीय समिति की बैठक आयोजित

खनन प्रभावित गांवों की सूची करायें अधिकारी : डीसी

PHOTON NEWS KHUNTI : उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय के सभा कक्ष में शुक्रवार को जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट की न्यास परिषद और प्रबंधकीय समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा पूर्व में ली गई योजनाओं की समीक्षा की गई। साथ ही नई योजनाओं की स्वीकृति के संदर्भ में चर्चा की गई।

बैठक में शामिल उपायुक्त व अन्य। ● फोटोन न्यूज

मौके पर उपायुक्त ने जिला खनन पदाधिकारी को पूर्व में ली गई योजनाओं का उपयोगिता प्रमाण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बैठक में जिला खनन पदाधिकारी द्वारा जिले में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से खनन प्रभावित पंचायत गुटजोरा, मुरही, भंडरा, घुनसुली, लोधमा, लरता, बमरजा, डोडमा, अम्मा, सुंदारी, बिचना, हस्सा और सोदे के विभिन्न गांवों के प्रतिवेदन के आलोक में उपायुक्त ने गांवों के नाम का अनुमोदन किया। साथ ही जनप्रतिनिधियों से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से खनन प्रभावित अन्य गांवों की सूची उपलब्ध कराने को कहा।

जिले में जॉब आरिएंडटेड प्लेसमेंट प्रोगाम के तहत कोचिंग सेंटर की स्थापना एवं संचालन संबंधित योजना की स्वीकृति पर परिचर्चा के दौरान उपायुक्त ने कहा कि प्रारंभ में एक सौ विद्यार्थियों को जॉब आरिएंडटेड प्लेसमेंट प्रोगाम के तहत कोचिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उक्त सेंटर में एसएससी, सीजीएल, आईबीपीएस, रेलवे एवं एसआई की कोचिंग की व्यवस्था होगी।

पॉलिटेकनिक कॉलेज छात्रावास, एरेंडा में एक सौ छात्रों को खेल प्रशिक्षण के लिए पॉलिटेकनिक कॉलेज छात्रावास की मरम्मत सहित अन्य व्यवस्थाओं से संबंधित योजना की स्वीकृति पर चर्चा के दौरान उपायुक्त ने कहा कि उक्त कॉलेज के छात्रों को हॉकी एवं फुटबॉल का प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

बैठक में पंचायतों में स्थित आंगनबाड़ी केन्द्रों के जीर्णोद्धार के लिए योजना की स्वीकृति पर परिचर्चा के दौरान जिला खनन पदाधिकारी द्वारा चयनित आंगनबाड़ी सेंटरों के मरम्मत कराने के प्रस्ताव स्वीकृति दी गई।

जिला परिषद की बैठक स्थगित, आगामी बैठक में सचिव के नहीं पहुंचने पर आंदोलन की चेतावनी

PHOTON NEWS RANCHI : जिला परिषद की बैठक अध्यक्ष के द्वारा आहूत की गई थी। जिसमे अध्यक्ष, उपाध्यक्ष के अलावा सभी 36 जिला परिषद सदस्य उपस्थित हुए। सिर्फ जिला परिषद सचिव इस बैठक में नही पहुंचे। इसके पूर्व की बैठक में भी सचिव नहीं पहुंचे थे। सभी ने एक स्वर में कहा की जिन कर्मचारियों को यहां से ट्रांसफर कर विकास भवन में भेजा गया तो उन सारे लोगों को वापस करना है। और जिनकी सेवा जिस जगह है उनको वहां भेजा जाए। इसलिए इस बैठक को स्थगित कर दिया गया। यह बैठक जिला परिषद सदस्यो की सहमति से यह बैठक स्थगित की गई।

बैठक में शामिल परिषद के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया है कि जिला परिषद के यहां से विभागीय लेटर जाएगा। पंचायती राज सचिव को, मुख्य सचिव को, मुख्यमंत्री को, अन्य जगहों पर। अगर सचिव महोदय यहां समय नहीं दे रहे हैं तो उनको पदमुक्त किया जाए। जिला परिषद सदस्य सारे लोग की मौजूदगी में जिला परिषद कार्यालय का ताला बंदी करेंगे, नहीं हुआ तो सचिव महोदय का जो विकास भवन है उसमें भी तालाबंदी करेंगे। उससे भी नहीं हुआ तो रोड पर उतर कर आंदोलन करेंगे। मुख्यमंत्री आवास, कार्यालय का घेराव करेंगे। जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत, उपाध्यक्ष बीना चौधरी, जिला परिषद सदस्य आदिल अजीम, मंजू सिंह मुंडा, परमेश्वरी सांडिल, सरस्वती देवी, अनुराधा मुंडा, सरिता देवी, परमेश्वर भगत, आशुतोष तिवारी, विनोदिता तिग्गा, सुषमा देवी, इतवारी कुजूर, किरण देवी, पूनम देवी, रीना देवी, समेत सभी जिला परिषद सदस्य उपस्थित थे।

BRIEF NEWS

राज्यपाल रांची, मुख्यमंत्री दुमका में फहराएंगे तिरंगा

RANCHI : गणतंत्र दिवस पर 26 जनवरी को मोरहाबादी मैदान में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन उप राजधानी दुमका में और मंत्रीगण विभिन्न जिला मुख्यालयों में झंडा फहरायेंगे। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग ने इस संबंध में शुक्रवार को आदेश जारी किया है। साथ ही जिलों के उपायुक्तों, एसएसपी और एसपी को आवश्यक तैयारी का निर्देश दिया है।

तैयारियों को लेकर आयुक्त ने की समीक्षा बैठक

RANCHI : शुक्रवार को दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडलीय आयुक्त दशरथ चंद्र दास ने गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों और विधि-व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक की। मोरहाबादी मैदान की साफ- सफाई के साथ पेयजल एवं विद्युत व्यवस्था के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। कार्यक्रम स्थल पर वाटरप्रूफ पंडाल, गैलरी, कुर्सी की व्यवस्था, मैदान समतलीकरण, बैरिकेडिंग, स्टेज और साउंड बॉक्स के लिए टावर निर्माण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। मंच की साज सज्जा और मंच पर वीवीआईपी के बैठने की व्यवस्था, मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम, परेड में शामिल कैडेटों के लिए अल्पाहार एवं पुष्प सज्जा की व्यवस्था आदि से संबंधित तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश आयुक्त द्वारा दिया गया। समारोह के दौरान विधि-व्यवस्था और झांकियों को लेकर आवश्यक निर्देश दिये।

रामलीला नृत्य नाटिका 22 जनवरी को

RANCHI : अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन 22 जनवरी को श्री सरोवर महादेव मंदिर प्रांगण में राजस्थान मित्र मंडल की ओर से रामलीला नृत्य नाटिका का आयोजन किया जाएगा। राजस्थान मित्र मंडल के अध्यक्ष अशोक पुरोहित ने शुक्रवार को बताया कि श्री सरोवर महादेव का रुद्राभिषेक पंडित अरुण मिश्रा के जरिये मंत्रोच्चार पाठ किया जाएगा। प्रभु श्रीराम की महा आरती और भजन संकीर्तन होगा। इस अवसर पर विशेष भंडारा होगा। युवा नाट्य अकादमी की ओर से रामलीला नृत्य नाटिका की प्रस्तुति की जाएगी।

कपूर्री ठाकुर की शताब्दी जयंती 24 को

RANCHI : झारखंड ओबीसी आरक्षण मंच कपूर्री ठाकुर की शताब्दी जयंती 24 जनवरी को मनाएगा। मंच के अध्यक्ष कैलाश यादव ने शुक्रवार को कहा कि 24 जनवरी को हिनू चौक स्थित कपूर्री प्रतिमा के पास दिन के 11 बजे से झारखंड ओबीसी आरक्षण मंच और कपूर्री सेना द्वारा जननायक कपूर्री ठाकुर की शताब्दी जयंती समारोह आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि कपूर्री ठाकुर राजनीति के महानायक और मार्गदर्शक रहे हैं।

मुख्यमंत्री उत्कृष्ट स्कूलों के लिए कुशल और दक्ष प्रबंधक नियुक्त

RANCHI : झारखंड के मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में पठन-पाठन और शिक्षण गतिविधियों के बेहतर प्रबंधन के लिए राज्य में पहली बार राज्य शिक्षा परियोजना परिषद ने कुशल व दक्ष स्कूल प्रबंधकों की नियुक्ति की है। ये प्रबंधक बेहतर संचार कौशल, प्रबंधन में दक्षता और प्रभावशीलता से स्कूल के संचालन की सभी पहलुओं की देखरेख करेंगे। स्कूल प्रबंधक प्रशासनिक कार्यों के साथ स्कूल की सफलता के लिए स्कूल बोर्ड और समुदाय के प्रति जवाबदेह होंगे। शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों के बीच संचार और सहयोग को बेहतर बनाने में भी यह अपना योगदान सुनिश्चित करेंगे। प्रारंभिक चरण में सात मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में इन स्कूल प्रबंधकों की नियुक्ति की गयी है। अगले चरण में शेष बचे स्कूलों में भी प्रबंधकों की नियुक्ति पूरी कर ली जायेगी।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

ग्रामीण विकास सचिव ने हेमंत सरकार की गिनाई उपलब्धियां, चार वर्षों में 1.18 लाख सखी मंडलों का गठन

अबुआ आवास के आए 31 लाख आवेदन, 29.97 लाख का सत्यापन, एक लाख डूप्लिकेट : चंद्रशेखर

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के ग्रामीण विकास सचिव चंद्रशेखर ने कहा कि अबुआ आवास योजना के तहत 31 लाख से अधिक आवेदन मिले हैं। इनमें से 29.97 लाख का सत्यापन किया जा चुका है। लगभग एक लाख आवेदन डुप्लीकेट मिले हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत झारखंड में 2.89 लाख सखी मंडलों का गठन किया गया है। इससे 32.94 लाख परिवारों को जोड़ा गया है। पिछले चार वर्षों में 1.18 लाख सखी मंडलों का गठन कर 15.29 लाख परिवारों को जोड़ा गया है। 5 लाख से अधिक महिला किसानों को लखपति बनाया जा चुका है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के 97.83 प्रतिशत निर्माण पूर्ण कर लिए गए हैं। 2016-2022 तक इस योजना के तहत 15,92,171 आवासों की स्वीकृति दी गयी थी। इसमें से 15,57,730 आवास पूर्ण हो चुके हैं। ग्रामीण विकास विभाग के सचिव सूचना भवन के सभागार में पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दे रहे थे।

पत्रकारों को जानकारी देते ग्रामीण विकास सचिव चंद्रशेखर व अन्य।

सामाजिक सुरक्षा की राशि बढ़ाई

सामाजिक सुरक्षा के तहत मनरेगा अन्तर्गत सृजित पद के विरुद्ध कार्यरत प्रति कर्मी को राज्य सरकार द्वारा दो वर्ष के लिए 05 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिए जाने तथा दुर्घटना से मृत्यु के उपरांत उनके वैध उत्तराधिकारी को 20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जा रही है। दुर्घटना में मृत्यु अथवा अप्राकृतिक मृत्यु (हत्या सहित) होने अथवा स्थायी रूप से दिव्यांग/अंगभंग हो जाने पर पहले राशि 75 हजार रुपये दिये जाते थे, जिसे बढ़ाकर 02 लाख रुपये कर दिया गया है। दुर्घटना में आंशिक रूप से दिव्यांग होने पर पहले 37,500 रुपये दिये जाते थे, जिसे बढ़ाकर 75 हजार रुपये कर दिया गया है। सामान्य मृत्यु होने पर पहले 30 हजार रुपये दिये जाते थे, जिसे बढ़ाकर 01 लाख रुपये कर दिये गये हैं। मनरेगा योजना अन्तर्गत निर्मित डोभा, कुएं में डूबने से मनरेगा वाले मृतकों के आश्रितों को अनुग्रह अनुदान पहले 50 हजार रुपये दिये जाते थे, जिसे बढ़ाकर 01 लाख रुपये कर दिया गया है।

4184 खेल मैदान हो चुके तैयार

बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन मिशन के तहत मनरेगा एवं राज्य योजना मद की राशि से बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन मिशन अन्तर्गत एक लाख सिंचाई कूप निर्माण किया जा रहा है। वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना के माध्यम से इस वित्तीय वर्ष में 10 हजार अतिरिक्त वीर शहीद पोटो हो खेल मैदान निर्माण का लक्ष्य है। 4 वर्षों में ग्रामीण युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अब तक कुल 4184 खेल मैदान तैयार हो चुके हैं तथा 5071 योजनाओं पर कार्य जारी है। पूर्व में पंचायत स्तर पर योजना का क्रियान्वयन किया जाता था, अब ग्राम स्तर पर क्रियान्वित की जा रही है। मनरेगा से अभिसरण के माध्यम से मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के लाभुकों को पशु शेड दिए जाने का प्रावधान है। इसके तहत 27786 योजनाओं की स्वीकृति दी गई है। अब तक 13309 योजनाओं में शेड निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। मनरेगा तथा महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के साथ अभिसरण कर पिछले 4 वर्षों में कुल 1731 आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है तथा 1571 आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण जारी है।

चालू वित्तीय वर्ष में 911.49 लाख मानव दिवस का सृजन

4 वर्ष के भीतर मनरेगा के तहत अब तक 4135 लाख मानव दिवस का सृजन किया गया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में 900 लाख अनुमोदित मानव दिवस के विरुद्ध अब तक कुल 911.49 लाख मानव दिवस सृजन करते हुए कुल 2962.40 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। शत-प्रतिशत मजदूरी का भुगतान किया गया है। इस वित्तीय वर्ष में 1100 लाख से अधिक मानव दिवस सृजन का लक्ष्य लेकर कार्य किया जा रहा है। 4 वर्षों में मनरेगा की 23.73 लाख योजनाओं को पूर्ण किया जा चुका है तथा 6.85 लाख योजनाओं पर कार्य जारी है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में भी अब तक कुल 6.26 लाख योजना पूर्ण की जा चुकी है। मानव दिवस सृजन में महिलाओ की भागीदारी का प्रतिशत 47.87 है। दूसरी ओर बिरसा हरित ग्राम योजना अंतर्गत ग्रामीणों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से पिछले 4 वर्षों में कुल 1,31,850 एकड़ भूमि पर बागवानी के लक्ष्य के विरुद्ध कुल 1,10,665 एकड़ भूमि पर बागवानी के माध्यम से अब तक कुल 1,27,381 परिवारों को लाभान्वित किया गया है। नीलाम्बर-पीताम्बर जल समृद्धि योजना के तहत 4 वर्षों में जल संचयन एवं मृदा संरक्षण के उद्देश्य से पूरे राज्य में अब तक कुल 5,84,511 योजनाओं को पूर्ण किया गया है तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष में कुल 1,10,903 योजनाओं पर कार्य

बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन मिशन

मनरेगा अन्तर्गत बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन मिशन के माध्यम से राज्य भर में कुल 01 लाख कूपों का निर्माण 15 नवम्बर, 2024 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है, इसके तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 में 50 हजार एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 (15 नवम्बर, 2024 तक) में 50 हजार कूप का निर्माण कार्य पूर्ण किया जाना है। विद्यालय जाने वाले बच्चों पर विशेष ध्यान देने के साथ ही उनकी पोषण आवश्यकता को पूरा करने के साथ रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से मनरेगा एवं स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अभिसरण से विद्यालयों में पोषण वाटिका का निर्माण किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत 4960 चिह्नित विद्यालयों के विरुद्ध 3971 विद्यालयों में पोषण वाटिका का निर्माण कार्य प्रारम्भ है। मनरेगा के सामाजिक अंकेक्षण रिर्पोट के आधार पर गत 04 वर्षों में 803 मामलों में कुल 40,43,136 रुपये की रिकवरी की गई है। इसके साथ कार्रवाई के रूप में 04 मामलों में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। 4570 कर्मियों पर अर्थदण्ड एवं 02 कर्मियों को सेवामुक्त किया गया है।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन

दीनदयाल अंत्योदय-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत झारखंड में 2.89 लाख सखी मंडलों का गठन किया गया है। इससे 32.94 लाख परिवारों को जोड़ा गया है। पिछले चार वर्षों में 1.18 लाख सखी मंडलों का गठन कर 15.29 लाख परिवारों को जोड़ा गया है। 5 लाख से अधिक महिला किसानों को लखपति बनाया जा चुका है। इसके अतिरिक्त ग्रामीण विकास विभाग के सचिव ने महिला उत्पादक संगठन, जोहार परियोजना, झारखंड सूक्ष्म टपक सिंचाई परियोजना, महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना, पलाश ब्रांड, फूलो झानो आशीर्वाद अभियान, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, बिरसा विशिष्ट जनजातीय विकास योजना एवं उड़ान परियोजना, प्रखंड भवन निर्माण कार्य आदि से जुड़ी जानकारी पत्रकार वार्ता में साझा की। झारखंड के ग्रामीण विकास विभाग के सचिव चंद्रशेखर ने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग अबुआ आवास निर्माण से जुड़ी गतिविधियों में लगातार तेजी ला रहा है।

धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम : प्राथी की हस्तक्षेप याचिका स्वीकृत, अगली सुनवाई बुधवार को

पलामू डीसी ने रद्द किया था कार्यक्रम, आदेश को हाईकोर्ट में दी गई थी चुनौती

SPECIAL REPORTER RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में पलामू में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री (बाबा बागेश्वर धाम) के 10 से 15 फरवरी तक प्रस्तावित कार्यक्रम के संबंध में दाखिल हनुमंत कथा आयोजन समिति की रिट याचिका की सुनवाई शुक्रवार को हुई। मामले में जस्टिस आनंदा सेन की कोर्ट ने याचिकाकर्ता के उस हस्तक्षेप याचिका (आईए) को स्वीकार कर लिया, जिसमें उसने 10 दिसंबर के पलामू उपायुक्त के आदेश को चुनौती दी है।

इसी आदेश में उपायुक्त पलामू ने तीन जनवरी को हनुमंत कथा आयोजन समिति द्वारा कार्यक्रम के

संबंध में दिए गए वृहत एक्शन प्लान को 10 जनवरी को रद्द कर दिया था। कोर्ट ने याचिकाकर्ता की आईए को स्वीकार करते हुए उसे सोमवार तक फ्रेश पिटीशन दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले की फाइनल सुनवाई के लिए बुधवार की तिथि निर्धारित की है। पलामू उपायुक्त ने 10 जनवरी को कानून व्यवस्था की समस्या बताकर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के कार्यक्रम को रद्द करने का आदेश दिया था। पूर्व की सुनवाई में याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि पलामू उपायुक्त द्वारा कई कारणों से पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के कार्यक्रम को रद्द किए जाने के बाद प्रस्तावित कार्यक्रम अब फरवरी 10 से 15 फरवरी निर्धारित किया गया है। यह कार्यक्रम अब रैयती भूमि पर होगा। इसके लिए ग्राम सभा से अनुमति भी मिल गई है। अब नया कार्यक्रम स्थल के लिए रैयती भूमि पर चयनित किया गया है।

हाईकोर्ट में वीरेंद्र राम की पत्नी व पिता की अग्रिम जमानत याचिका पर दो फरवरी को होगी सुनवाई

वीरेंद्र राम की 39.28 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति जप्त कर चुकी है ईडी

SPECIAL REPORTER RANCHI : मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ग्रामीण कार्य विभाग के निलंबित मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम की पत्नी एवं वीरेंद्र राम के पिता गेंदा राम की अग्रिम जमानत याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में शुक्रवार को हुई। मामले में हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की कोर्ट में प्रार्थी की ओर से बहस की गई, जो अभी भी जारी है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 2 फरवरी की तिथि निर्धारित की है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता शुभाशीष रसिक सोरेन ने पैरवी की। यहां बता दे की पूर्व

में ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की कोर्ट ने गेंदा राम और राजकुमारी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद इन दोनों की ओर से हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की गई है। 21 अप्रैल को वीरेंद्र राम, उनके भाई आलोक रंजन, वीरेंद्र राम की पत्नी राजकुमारी देवी एवं पिता गेंदा राम के खिलाफ ईडी की अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया था। ईडी की टीम ने वीरेंद्र राम की 39.28 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति जब्त की थी। जब्त की गई संपत्ति वीरेंद्र द्वारा टेंडर में कमीशन से उगाही अर्जित की गई है। बीते साल 22 फरवरी को वीरेंद्र राम के आवास पर छापेमारी के दौरान उसके रांची के अशोक नगर स्थित आवास से ईडी ने गिरफ्तार किया था। वीरेंद्र राम के ठिकानों में छापेमारी के दौरान ईडी को करीब 40 लाख से अधिक के कैश एवं डेढ़ करोड़ के जेवरात मिले थे।

सीए मुकेश मित्तल की भी अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई दो को

RANCHI : मनी लॉन्ड्रिंग में ग्रामीण कार्य विभाग के निलंबित मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम केस से जुड़े सीए मुकेश मित्तल की अग्रिम जमानत याचिका की आंशिक सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। मामले में प्रार्थी की ओर से बताया गया की याचिका की त्रुटि दूर कर ली गई है। इसके बाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की कोर्ट ने मामले के चार्जशीटेड आरोपी मुकेश मित्तल की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए 2 फरवरी की तिथि निर्धारित की है। दरअसल, मुकेश मित्तल पर वीरेंद्र राम की काली कमाई के लगभग 14 करोड़ रुपए को सफेद करने का आरोप है इसकी एवज में उसे मोटी रकम कमीशन के रूप में मिलती थी इसके लिए उसने अपने कर्मचारियों के बैंक खातों का इस्तेमाल किया था।

आयकर रिटर्न नहीं भरने के मामले में गीता कोड़ा की मिली अग्रिम बेल

SPECIAL REPORTER RANCHI : आयकर रिटर्न नहीं भरने से जुड़े एक मामले में आरोपी सिंहभूम सांसद गीता कोड़ा की अग्रिम जमानत पर कॉमर्शियल कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एमसी झा की अदालत ने अपना फैसला सुनाया है। कोर्ट ने मामले में गीता कोड़ा की अग्रिम जमानत अर्जी मंजूर कर ली। प्रार्थी की ओर से हाई कोर्ट के अधिवक्ता जयशंकर तिवारी ने पैरवी की। आयकर विभाग की ओर से आर्थिक अपराध के तहत गीता कोड़ा के खिलाफ 2009 -10 में आयकर रिटर्न नहीं भरने को लेकर और उसका सही जानकारी नहीं देने के आरोप में चार जनवरी 2012 में अदालत में केस दर्ज किया गया है। इसी मामले में गीता कोड़ा ने 20 दिसंबर को राहत के लिए अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की थी। बता दें कि आयकर विभाग के द्वारा केस दर्ज होने के बाद गीता कोड़ा ने झारखंड हाई कोर्ट गई थी। जहां लगभग 5 साल तक स्टे रहने के कारण सुनवाई प्रभावित रही। स्टे खत्म होने के बाद गिरफ्तारी को देखते हुए अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की है। उसी याचिका पर सुनवाई हो रही है।

अवैध भवनों की नियमितिकरण योजना का फाइनल ड्राफ्ट तैयार, विधि विभाग को भेजी गई फाइल

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के शहरी निकायों में अवैध नक्शे पर बने 7 लाख से अधिक मकानों को नियमित करने की योजना का फाइनल ड्राफ्ट तैयार हो गया है। ड्राफ्ट तैयार करने के लिए बनी कमेटी ने ओडिशा, मध्यप्रदेश और तेलंगाना राज्य के मॉडल का अध्ययन कर और राज्य के स्टेक होल्डर्स से मिले सुझावों के आधार पर योजना का फाइनल ड्राफ्ट तैयार कर विधि परामर्श के लिए फाइल विधि विभाग को भेजी है। वहां से फाइल लौटने के बाद से कैबिनेट को भेजा जाएगा। उम्मीद है जल्द ही इसे कैबिनेट से भी मंजूरी मिल जाएगी। इसके बाद राज्य के विभिन्न शहरी निकायों में बने अवैध मकानों के नियमित होने का रास्ता साफ हो जाएगा।

31 दिसंबर 2019 के पहले बने अवैध भवन होंगे नियमित

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नवंबर 2022 में ही शहरी निकायों में 31 दिसंबर 2019 के पहले बने अवैध भवनों को नियमित करने की योजना के ड्राफ्ट को मंजूरी दे दी थी। इसके बाद नगर विकास विभाग ने इस ड्राफ्ट और बेहतर बनाने के लिए एक कमेटी बनाई। इस कमेटी ने प्रारूप पर स्टेक होल्डर्स और आम लोगों की राय और आपत्ति मांगी थी। योजना को लेकर कमिटी ने चैंबर ऑफ कॉमर्स समेत कई स्टेक होल्डर्स के प्रतिनिधियों के साथ बैठक भी की गई थी। नये ड्राफ्ट का स्वरूप क्या होगा, यह अभी साफ नहीं है। समिति के एक सदस्य ने बताया कि सभी सुझावों और दूसरे राज्यों के ड्राफ्ट का स्टडी करने के बाद ड्राफ्ट बनाया गया है। सभी कमियों को दूर करने की कोशिश की गई है। गौरतलब है कि स्टेक होल्डर्स ने समिति को सीएनटी एक्ट का उल्लंघन कर बने 75 फीसदी भवनों को नियमित करने का सुझाव दिया है। साथ ही सिंगल विंडो सिस्टम से योजना को लागू करने को कहा है। कुछ लोगों ने यह भी सुझाव दिया गया है कि मकानों को नियमित करने के लिए मिनिमल लैंड पेपर लिया जाए। जिन भवनों की ऊंचाई 15 मीटर से अधिक और 500 स्क्वायर मीटर प्लिंथ एरिया से ज्यादा है, उसका भी शुल्क के साथ नियमितिकरण का प्रावधान किया जाना चाहिए।

बेस्ट ग्रीन बिल्डिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 'रांची स्मार्ट सिटी' को 'स्मार्ट सिटी इंडिया' अवार्ड

दिल्ली के प्रगति मैदान में पुरस्कार ग्रहण करते रांची स्मार्ट सिटी के पदाधिकारी।

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में बन रही रांची स्मार्ट सिटी को बेस्ट ग्रीन बिल्डिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए स्मार्ट सिटी इंडिया अवार्ड मिला है। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित 31वें कन्वर्जेंस इंडिया और 9वें स्मार्ट सिटी इंडिया एक्सपो में रांची को सम्मानित किया गया। 19 जनवरी को कन्वर्जेंस इंडिया कार्यक्रम में रूस के मास्को शहर के मंत्री सर्गेई चेरेमिन ने झारखंड के अधिकारियों को यह सम्मान प्रदान किया। रांची स्मार्ट सिटी की ओर से सीईओ अमित कुमार और जीएम (टेक्निकल) राकेश कुमार नंदक्योलियार ने सम्मान ग्रहण किया। यह अवार्ड स्टेट ऑफ आर्ट ग्रीनफील्ड टाउनशिप के लिए दिया गया है।

भारतीय व्यापार संवर्धन एवं एग्जीबिशन इंडिया ने किया सम्मानित : यह अवार्ड भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन और एग्जीविशन इंडिया की ओर से रांची को दिया गया है। वहीं दूसरी कैटेगरी में कुछ अन्य शहरों को भी सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह से पहले 19 जनवरी 2024 को ही सुबह 10:15 से 11:00 बजे के बीच स्मार्ट सिटी से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर परिचर्चा हुई। इसमें सफल स्मार्ट सिटी के लिए परियोजना का चयन और उसके क्रियान्वयन, स्मार्ट सिटी की परियोजनाओं की सफलता और सफलता से सीखने, शहरों की विभिन्न योजनाओं से दूसरे शहरों की ओर से सीखने की प्रक्रिया इत्यादि विषय पर चर्चा हुई। इसमें मुख्य वक्ता रांची स्मार्ट सिटी के सीईओ अमित कुमार थे।

656 एकड़ में विकसित हो रहा एबीडी क्षेत्र

रांची स्मार्ट सिटी का मैंडेट है कि 656 एकड़ जमीन पर विकसित हो रहे एबीडी क्षेत्र में निर्मित होनेवाली हर बिल्डिंग में कम से कम ग्रिहा 2 रेटिंग का होना चाहिए। डेवलपर चाहे तो ग्रिहा 5 रेटिंग तक बिल्डिंग का निर्माण कर सकते हैं। इसके साथ ही कई और पहल भी की गई है। बताया गया है कि पूरे क्षेत्र में कुल 3 लाख अलग-अलग किस्म के पौधे लगाए गए हैं। मास्टर प्लान के हिसाब से 37 प्रतिशत क्षेत्र को ओपन स्पेस और ग्रीन एरिया रखा गया है। सभी मुख्य मार्गों के दोनों ओर सेफ और डेडिकेटेड साईकिल लेन और फुटपाथ बनाए गए हैं। इससे नन-मोटर ट्रांसपोर्ट को प्रोत्साहन मिलेगा। इतना ही नहीं, वेस्ट वाटर को री-साइकिल करके फिर से सेकेंड्री वाटर के रूप में आपूर्ति करने की भी व्यवस्था की गई है।

एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर : न्यूजीलैंड ने 2-1 से जीत हासिल की

इटली को परास्त कर पांचवें पोजिशन पर पहुंचा न्यूजीलैंड

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची के मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में चल रहे एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर-2024 में शुक्रवार को दूसरा मुकाबला न्यूजीलैंड और इटली के बीच हुआ। मोरहाबादी में खेले गए इस मैच में 2-1 से जीत हासिल कर न्यूजीलैंड ने पांचवां पोजीशन भी हासिल किया। आठ देशों की इस प्रतियोगिता में इटली को छठा स्थान नसीब हुआ।

मैच में न्यूजीलैंड की ओर से पहले ही क्वार्टर में कप्तान ओलिविया मेरी और रोज टिनान ने एक- एक गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। हालांकि, दूसरे क्वार्टर में इवाना पेसिना ने एक गोल कर

जीत के बाद जश्न मनाती न्यूजीलैंड की खिलाड़ी।

अंतर 2-1 कर दिया। इसके बाद तीसरे क्वार्टर में ही न्यूजीलैंड के लिए हन्ना कोटर ने एक गोल कर अपनी टीम की बढ़त 3-1 कर दी।

इससे पहले शुक्रवार को पहला मुकाबला चिली और चेक रिपब्लिक के बीच हुआ। क्वालिफायर मुकाबले में शामिल आठ देशों के बीच सातवें और आठवें स्थान के लिए हुए इस मैच में जीत हासिल कर चिली ने इस प्रतियोगिता में सातवां जबकि चेक गणराज्य की टीम को आठवां स्थान मिला।

चेक रिपब्लिक को हराकर चिली ने हासिल किया सातवां स्थान

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची के मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में चल रहे एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर-2024 में शुक्रवार को आखिरी दिन पहला मुकाबला चिली और चेक रिपब्लिक के बीच हुआ। क्वालिफायर मुकाबले में शामिल आठ देशों के बीच सातवें और आठवें स्थान के लिए दोनों टीम आमने सामने हुईं। इसमें फर्स्ट हॉफ तक ही चिली टीम 1-0 से आगे हो गई थी। चिली की ओर से विलेग्रान फर्नांडा ने दूसरे

क्वार्टर में एक गोल किया। इसके अलावा एक भी गोल किसी भी टीम की ओर से देखने को नहीं मिला। अंततः मैच 1-0 पर छूटा। इस जीत के साथ चिली इस प्रतियोगिता में सातवें और चेक गणराज्य की टीम आठवें पायदान पर रही।

BRIEF NEWS

कोयला व्यापारी के आवास व कार्यालय पर आयकर का छापा, जांच जारी

ROURKELA : आयकर विभाग ने प्रमुख कोयला कारोबारी घनश्याम डालमिया (बंटी) के विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की। बंटी डालमिया सुंदरगढ़ और छत्तीसगढ़ के एक प्रमुख कोयला व्यापारी हैं। उनका छत्तीसगढ़, ओडिशा, मुंबई, मध्य प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर उद्योग, कोयला व्यवसाय और होटल व्यवसाय है। आयकर विभाग ने आयकर धोखाधड़ी का आरोप में कर रहे छापेमारी ।राउरकेला में भी छापेमारी जारी है। यह छापेमारी जाने-माने कोयला कारोबारी और उद्योगपति घनशाम डालमिया उर्फ ??बंटी डालमिया के घर, कार्यालय के साथ-साथ राउरकेला सिविल टाउनशिप और उदितनगर में कनाडा बैंक के पास उनके रिश्तेदारों के कार्यालयों पर की गई। छापेमारी में 100 आयकर अधिकारी शामिल थे। इस रेड में सीआरपीएफ जवानों को तैनात किया गया है।

डाकघर में जमाकर्ताओं के लाखों रुपये गबन का आरोप

ROURKELA : बणई डाकघर में जमाकताओं के लाखों रुपये हड़प लिया गया है। ऐसी शिकायतें सुंदरगढ़ जिले के बणई उपजिला के केनाभेटा और गोबिंदपुर पंचायत से मिली है। इंद्रपुर गांव के पोस्ट ऑफिसर के पोस्टमास्टर पर जमाकर्ताओं के लाखों रुपये हड़पने का आरोप लगा है। जमाकर्ताओं ने सुकन्या, जमा खाता, आरडी और अन्य योजनाओं में जमा किया था। लेकिन जब खाते की जांच की गई तो पता चला कि खाते में पैसे जमा ही नहीं हुए हैं। उक्त पोस्टमास्टर को फोन किया तो उसने फोन भी नही उठा रहे है। जमाकर्ताओं ने तुरंत पैसा वापस नहीं करने पर डाकघरों पर ताला लगाने और राष्ट्रीय राजमार्गों को अवरुद्ध करने की धमकी दी है।

बारीनगर मोहर्रम कमेटी ने मनाया ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती का उर्स शरीफ

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के टेल्को स्थित बारीनगर साबरी चौक पर बारीनगर मोहर्रम कमेटी की ओर से हर वर्ष की भांति इस बार भी ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती का उर्स शरीफ मनाया गया। इस अवसर पर अलम शरीफ, गागर शरीफ, लंगर शरीफ का आयोजन किया गया। मौलाना अश्रफुल्लाह फैजी ने मिलाद शरीफ पढ़ाया। लोगों ने लंगर का आनंद उठाया और आस पास के घरों में लंगर बांटा गया। फिरोज फिरदौसी कव्वाल ने कव्वाली गाकर लोगों का मनोरंजन किया। कार्यक्रम का संचालन खलीफा सह उप मुखिया आलमताज ने किया। कार्यक्रम के आयोजन में जुम्मन, इमामुल, मो फिरोज, रहमान समेत अन्य लोगों की सराहनीय भूमिका रही। इस अवसर पर अधिवक्ता गुड्डू हैदर, जेएमएम नेता मो सरफराज सरकार व सोनू खान, आजसू के मो शकील अहमद, मो रफीक, मुखिया छोटा टुडू समेत कई आम व खास लोग उपस्थित थे।

गरीब जरूरतमंद लोगों के बीच सुजय सिंह ने किया कंबल वितरण

JAMSHEDPUR : घाटशिला : तमकपाल में गांव में शुक्रवार को तमकपाल, कलापत्थर, बरूडीह, ओनेडीह, बनबेडा, कोल तोला के गरीब जरूरतमंद ग्रामीणों के बीच ठंड को देखते हुआ घाटशिला के सामाजिक कार्यकर्ता सुजय सिंह के द्वारा कंबल का वितरण किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता सुजय सिंह के द्वारा प्रत्येक वर्ष मकर संक्रांति के उपलक्ष में कंबल वितरण किया जाता रहा है। उन्होंने कहा की सेवा ही परमो धर्म के उद्देश्य से इस तरह के आयोजन कर जरुरतमंद की थोड़ी सेवा करने का अवसर मिलता है। मौके पर घाटशिला प्रमुख सुशीला टुडू ने सुजय सिंह का भार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह की सेवा कार्य क्षेत्र के लोगों को करना चाहिए। मौके पर मुख्य रूप से ग्राम प्रधान सुकलाल टुडू, अंपा हेम्ब्रम तथा तमकपाल सरना एथलेटिक क्लब के सभी सदस्य शामिल थे।

जमशेदपुर में बैट-हॉकी स्टिक से पीट-पीटकर युवक की हत्या

अड्डेबाजी का विरोध करने पर पिता-पुत्र ने की पिटाई, विरोध में थाने का घेराव

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मामला सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के न्यू बारीडीह स्थित जेपीएस स्कूल के पास का है। जहां अड्डेबाजी का विरोध करने पर जोन नंबर 7 निवासी जगदीप सिंह उर्फ गोलू (30) की पीटकर हत्या कर दी गई। घटना स्थल के पास ही रहने वाले रोहित और उसके पिता करनजीत सिंह पर हत्या का आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि जगदीप को बैट, हॉकी स्टिक से बुरी तरह पीटा गया था। जख्मी जगदीप सिंह को गुरुवार की देर

जगदीप सिंह उर्फ गोलू ।

रात टीएमएच पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

इधर, घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने शुक्रवार को सुबह जमकर बवाल किया। आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जमकर तोड़फोड़ की। स्थानीय लोगों ने सिदगोड़ा थाने का घेराव भी किया।

हमेशा होती है अड्डेबाजी : मृतक के परिजनों ने बताया कि जेपीएस स्कूल के पास एक खाली मैदान है। वहां कनवाई चालक अपने वाहन खड़े करते हैं। वहां हमेशा अड्?डेबाजी होती है। गुरुवार की रात जगदीप अपने साथी विक्की को उसके घर कालू बगान छोड़ने जा रहा था। इसी बीच रास्ते में बस्ती के ही कर्मे, नंदे और रोहित से उसका विवाद हो गया। हालांकि मौके पर स्थानीय लोगों ने दोनों के बीच सुलह करवा दी।

पहले से इंतजार कर रहे थे 15-20 लोग : जगदीप जब विक्की को उसके घर छोड़कर वापस लौट रहा था, तभी रास्ते में 15-20 युवकों ने उसे रोका और उसकी पिटाई करने लगे। सभी के पास हॉकी स्टिक और बैट था। मारपीट करने के बाद सभी मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोग जगदीप को इलाज के लिए टिनप्लेट अस्पताल लेकर पहुंचे पर रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। इधर, पुलिस पूरे घटना की जांच कर रही है।

पत्रकार पर जानलेवा हमला, एमजीएम रेफर

JAMSHEDPUR : जादूगोड़ा थाना क्षेत्र के नवरंग मार्केट स्थित बंदना मेडिकल के समीप शुक्रवार को क्षेत्र के प्रतिष्ठित पत्रकार मणि शंकर भगत पर जानलेवा हमला किया गया। गंभीर रूप से घायल पत्रकार को तत्काल स्थानीय भाजपा नेता रोहित सिंह सहित अन्य लोगों ने उन्हें उठाकर जादूगोड़ा अस्पताल में इलाज करने के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर रेफर कर दिया गया। घटना के संबंध में प्रत्यक्ष सदस्यों ने बताया कि आशीष गुप्ता और वर्धमान गुप्ता उर्फ टुन्नू के द्वारा मणिशंकर भगत पर जानलेवा हमला करने की नीयत से उसे गंभीर रूप से मर गया। इतना ही नहीं घायल होने के बाद उसके पॉकेट से 2000 रुपया और सोने का चेन छीन लिया। आशीष गुप्ता और वर्धमान गुप्ता नवरंग मार्केट के रहने वाले बताये जा रहे हैं।

सड़क सुरक्षा को लेकर निकाली गई बाइक रैली

PHOTON NEWS CHAIBASA : सड़क सुरक्षा माह कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को समाहरणालय परिसर में जिला परिवहन पदाधिकारी केके राजहंस ने बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि राज्य मे सड़क, दुर्घटनाओं मे लगभग 78% मृत्यु दोपहिया वाहन मे यात्रा करते समय हेल्मेट का उपयोग ना करने से होती है। इस तरह की रैली का उद्येश्य लोगों को हेल्मेट पहनने के लिए जागरूक करना तथा दुर्घटना से होने वाले नुकसान को कम करना है। साथ ही मोटर यान अधिनियम के अनुसार, बिना हेल्मेट दोपहिया वाहन से यात्रा करने पर, धारा 194(ऊ) के तहत 1000 का जुमार्ना भरना पड़ सकता है। रैली द्वारा शहर के

विभिन्न मार्गों का भ्रमण करते हुए सड़क सुरक्षा को लेकर आम जनमानस को जागरूक किया गया। मौके पर मुख्य रूप से सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य अधिवक्ता राजाराम गुप्ता, पीआईयू टीम के आशुतोष कुमार, कुबेर महतो, मो. हुसैन, परिवहन विभाग के उमेश कुमार सिंह, अनवर, पंकज मिश्रा, तापेश राम के अलावा विभिन्न कार्यालयों के कर्मी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

राउरकेला में फिर से डायरिया का खतरा, घरों में आ रहा काला पानी

जांच करते अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला शहर में फिर डायरिया फैलने का खतरा बढ़ गया है। दो दिन से घर-घर में काला पानी आ रहा है। पाइप लीक होने से काला पानी आने की जानकारी मिल रही है। कल तक पाइप की मरम्मत नहीं करायी गयी थी। जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारी अब इस बात की जांच कर रहे हैं कि पाइप लीकेज कहां से हुई। पावर हाउस रोड के अधिकांश घरों में काले रंग के पानी की आ रहा था। दूषित जल आपूर्ति के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने और पाइपलाइनों की तत्काल मरम्मत की मांग पर विभाग द्वारा पावर हाउस रोड में तत्काल पाइप लाइन की मरम्मत किया गया।

जमशेदपुर : बगुन नगर के घर-घर पहुंचा अयोध्या का अक्षत व निमंत्रण

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश कुमार ने सहयोगियों के साथ घर घर पहुंच कर बागुननगर में अयोध्या के अक्षत और आमंत्रण का वितरण किया। दिनेश कुमार ने 22 जनवरी को भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा के दिन सभी से अपने अपने घरों में राम ज्योति जला कर दीपावली मनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि लंबे संघर्ष के बाद हम सभी को अपने जीवन काल में यह सौभाग्य मिला है की हम राम लला की प्राण प्रतिष्ठा देख पा रहे है। हमारे पूर्वजों ने तो पूरा जीवन

निमंत्रण और अक्षत देते भाजपा नेता दिनेश कुमार। ● फोटोन न्यूज

टेंट में बैठे भगवान राम जी को ही देखा था। आज यह पुण्य अवसर आया है की राम जी अपने महल में विराजमान हो रहे है। कार्यक्रम में सुशातो पांडा, काजू शांडिल्य, कुमार अभिषेक, कुमार आशुतोष, राजेश रजक लल्लू , साकेत कुमार, राम मिश्रा, भुवन विश्वास, ओम पोद्दार, हराधन मुंडा आदि उपस्थित थे।

राउरकेला : 24-26 जनवरी तक लगेगा स्ट्रीट फूड फेयर

PHOTON NEWS ROURKELA : पिछले साल की तरह राउरकेला मेट्रोपॉलिटन कॉरपोरेशन और राउरकेला स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से 24 से 26 जनवरी तक तीन दिनों के लिए बसंती कॉलोनी, डीएवी पोखरी के पास ईट राइट स्ट्रीट फूड फेयर 2 का आयोजन किया जाएगा। इसमें खाद्य विक्रेताओं के लिए 30 स्टॉल लगाए जायेंगे।

तीन दिनों के लिए प्रत्येक खाद्य विक्रेता के लिए 6,000 और 18 प्रतिशत जीएसटी निर्धारित किया गया है। इच्छुक विक्रेता आवेदन पत्र भरकर आवश्यक दस्तावेजों

के साथ 20 तारीख को दोपहर 12 बजे तक राउरकेला महानगर निगम कार्यालय कक्ष संख्या 35 में जमा कर सकते हैं। राउरकेला नगर निगम द्वारा आवेदन के साथ अन्य नियम और शर्तें पालन करना अनिवार्य होगा।

मारवाड़ी युवा मंच स्टील सिटी सुरभि शाखा ने बनाई राष्ट्रीय पहचान, मिले तीन सम्मान

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : मारवाड़ी युवा मंच स्टील सिटी सुरभि शाखा को पूरे राष्ट्र में एक दिन में सर्वाधिक पांच स्थाई अमृत धारा लगाने के लिए पुरस्कृत किया गया है। साथ ही सुरभि शाखा को विशिष्ट शाखा का भी दर्जा दिया गया है। सुरभि शाखा अध्यक्ष निशा सिंघल एवं सचिव कविता अग्रवाल को विशेष चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सुरभि शाखा को यह सम्मान मरीन ड्राइव स्थित

सम्मान प्राप्त करतीं मंच की सदस्य। ● फोटोन न्यूज

बिंदल मॉल में मायुमं जमशेदपुर शाखा (मंडल ग) द्वारा आयोजित सभा में दिया गया। सुरभि शाखा को उपरोक्त पुरस्कार पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराम सुल्तानिया, झारखंड प्रांतीय अध्यक्ष ने अरुण गुप्ता, नंदकिशोर अग्रवाल, विमल रिंगसिया आदि के कर कमलों द्धारा दिया गया। इस मौके पर प्रमुख रूप से निशा सिंघल, कविता अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, खुशबू कांवटिया, उषा चौधरी, बिंदिया नरेडी, मनीषा संघी आदि उपस्थित थे।

सीजीपीसी का सेंट्रल दीवान आज, नगर किर्तन में उत्कृष्ट सेवा करने वाले जत्थे होंगे पुरस्कृत

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : सिखों के दसवें पातशाह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के 357वें प्रकाशपर्व पर सेंट्रल दीवान का आयोजन साकची गुरुद्वारा साहिब में शनिवार 20 जनवरी को किया जायेगा। यहां नगर कीर्तन में उत्कृष्ट सेवा करने वाले जत्थों, स्कूलों, संस्थाओं तथा अन्य जत्थेबंदियों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जायेगा। सीजीपीसी के तत्वाधान में साकची गुरुद्वारा साहिब में सेंट्रल दीवान का आयोजन किया जाना है। जहां अतिथि के रूप में पूर्वी सिंहभूम के वरीय पुलिस अधीक्षक कौशल किशोर उपस्थित रहेंगे।

सम्मानित कर बढ़ाया जायेगा मनोबल : सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (सीजीपीसी) के प्रधान भगवान सिंह ने सेंट्रल दीवान के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि प्रकाशोत्सव पर नगर कीर्तन में अतुल्य सेवा करने वाले जत्थे, स्कूल, सिख जत्थेबंदी और अन्य संस्थाओं के अलावा समाज के कई गणमान्य लोगों को भी सम्मानित कर उनका मान और मनोबल बढ़ाया जायेगा। सेंट्रल दीवान में सम्मान समारोह और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम से पूर्व अरदास उपरांत सुबह 10 बजे कीर्तन दरबार सजेगा। साढ़े बारह बजे से पुरस्कार वितरण कार्यक्रम चलेगा उपरांत संगत पंगत में बैठ कर गुरु का अटूट लंगर छकेगी।

आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी आज करेंगे सीएम आवास का घेराव

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी भारत एकता मिशन के द्वारा राजभवन के समक्ष शनिवार को धरना एवं मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जायेगा। इसके लिए तैयारी कर ली गई है। इस संबंध में शुक्रवार को आजाद समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष काशिफ रजा ने बताया कि झारखंड में आदिवासी, दलित, पिछड़ों और धार्मिक अल्पसंख्यकों पर अत्याचार और शोषण बढ़ रहा है। प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर है। इसके खिलाफ में यह आंदोलन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि झारखंड को अलग राज्य का दर्जा दिलाने के लिए झारखंड के कई

धरना प्रदर्शन की जानकारी देते पार्टी के पदाधिकारी। ● फोटोन न्यूज

वीर योद्धाओं ने अपने प्राणों की आहुति दी थी।

झारखंड भर से कार्यकर्ता होंगे शामिल : झारखंड आंदोलनकारी आज अपनी कुर्बानियों का हिसाब मांग रहे हैं। धरती आबा वीर शहीद बिरसा मुंडा के सपने अब तक अधूरे हैं। झारखंड के आदिवासी मूलवासियों की स्थिति दयनीय है। प्रदेश में धार्मिक अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं हैं, उनके खिलाफ नफरत का माहौल लगातार बनाया जा रहा है।

पूर्व विधायक ने की मां रंकिणी मंदिर में सफाई

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : घाटशिला में मां रंकिणी मंदिर घाटशिला परिसर का साफ सफाई घाटशिला के पूर्व विधायक लक्ष्मण टुडू ने श्रमदान किया. मौके पर उन्होंने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर का होने वाला प्राण झ प्रतिष्ठा को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर 14 जनवरी से 23 जनवरी तक पूरे देश मंदिरों और तीर्थ स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाना है. क्षेत्र के मंदिरों पर स्वच्छता अभियान में लोग बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहा है. पूर्व विधायक में लोगों से अपील की है कि अपने आसपास के मंदिरों के साथ सफाई के साथ-साथ दीपोत्सव मनाई. मौके पर जिला उपाध्यक्ष विजय पांडेय, संजय अग्रवाल, जिला मंत्री संजय तिवारी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष माला दे, सुरेश माहली, लक्ष्मण राव, पोल्टू सरदार, काल्टू मन्ना, देवाशीष मन्ना, सुभाष बनर्जी, सुखेन दास, ब्रजेश सिंह, बिशु दास, अपु दास सहित कई गणमान्य उपस्थित थे.

कांग्रेस भवन में सिंहभूम लोकसभा समन्वय समिति की हुई बैठक

कम से कम हर बूथ पर जरूर करें दस लोगों की कमिटी का गठन : रामेश्वर

PHOTON NEWS CHAIBASA : सिंहभूम लोकसभा समन्वय समिति की बैठक कांग्रेस जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास की अध्यक्षता में शुक्रवार को कांग्रेस भवन में मंत्री डॉ रामेश्वर उराँव की मौजूदगी में हुई। बैठक को संबोधित करते हुए कॉर्डिनेटर झारखण्ड राज्य के मंत्री डॉ० रामेश्वर उराँव ने कहा कि संगठन सशक्तिकरण के साथ-साथ सिंहभूम संसदीय क्षेत्र के आईएनडीआईए गठबंधन के चयनित उम्मीदवार को मजबूती के साथ जीताने के लिए कांग्रेस के पदाधिकारी हर प्रखंड , नगर , मंडल , पंचायत और गाँव का दौरा करें। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का विशेष आह्वान जुड़ेगा भारत जीतेगा इंडिया को साकार करने के उद्देश्य सभी जिला प्रभारी महासचिव एवं सचिव कम से कम सप्ताह में दो दिन अपने प्रभार क्षेत्रों

बैठक में शामिल कांग्रेसी। ● फोटोन न्यूज

में जाए। उन्होंने कहा कि इस दौरान अगर रात्रि विश्राम करना है तो किसी कांग्रेस के कार्यकर्ता के घर पर ही करें, जिससे एक सुखद संदेश जाएगा। उन्होंने कहा कि बूथ स्तरीय प्रतिनिधि की नियुक्ति अविलंब जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष से समन्वय स्थापित करते हुए पूर्ण करें। कम से कम हर बूथ पर दस लोगों की बूथ कमिटी का गठन जरूर करें।

डॉ उराँव ने सिंहभूम लोकसभा समन्वय समिति के सदस्यों को अपील करते हुए कहा कि अपने-अपने जिले में मतदाता सूची का निरीक्षण भी करें ताकि गलत और मृत मतदाता का पहचान हो सके। उन्होंने कहा कि इसके साथ नये युवा मतदाता को मतदाता सूची में शामिल करवाने की दिश में भी सकारात्मक रूप से पहल करें ताकि कोई भी लोकतंत्र के महापर्व में अपने मतदान से वंचित न हो , ऐसे मामलों में भी अपनी नजर बनाये रखें।

बैठक को विधायक सोनाराम सिंकु , कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ चंपिया , कांग्रेस जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास , प्रखंड अध्यक्ष विजय सिंह सामाड , दिकु सावैयां , मंजित प्रधान , जय प्रकाश लागुरी , मोतीलाल गौड़ , जिला कांग्रेस महासचिव राज कुमार रजक , कैरा बिरुवा , मासुम रजा , विश्वनाथ तामसोय , आरजीपीआरएस संयोजक बालेमा कुई, पूर्व जिप अध्यक्ष अनिता सुम्बरुई, जिला सचिव जानवी कुदादा, अल्पसंख्यक विभाग अध्यक्ष तौहिद आलम, युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव पी.के. मिश्रा ने भी संबोधित किया। बैठक का संचालन जिला बीस सूत्री सदस्य त्रिशानु राय ने किया और धन्यवाद ज्ञापन महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष नीतिमा बारी ने किया।

मझगांव प्रखंड के गुड़गांव में पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का विधायक ने किया शिलान्यास

सड़क बेहतर होने से होता है सीधा संपर्क : निरल पूर्ति

PHOTON NEWS CHAIBASA : सड़क आज हर व्यक्ति की प्राथमिक जरूर में शामिल है, सड़क बेहतर होगा तो पंचायत, प्रखंड मुख्यालय और जिला मुख्यालय आने-जाने में लोगों को बहुत सुविधा होगी। यह बातें मझगांव प्रखंड के बलियापोसी पंचायत के ग्राम गुड़गांव में पंकज दुकान चौक से स्कूल तक पीसीसी सड़क निर्माण का शिलान्यास करते हुए मझगांव

शिलान्यास कार्यक्रम में उपस्थित विधायक व ग्रामीण। ● फोटोन न्यूज

विधानसभा के विधायक निरल पूर्ति ने कहा। विधायक ने कहा कि मझगांव विधानसभा के सभी जरूरी सड़कों को बेहतर करने का प्रयास किया जा रहा है। पीसीसी सड़क हो, कालीकरण जहां भी जरूरत हो रही है उनको प्राथमिकता के साथ निर्माण कराया जा रहा है। क्योंकि सुदूरवर्ती गांव पंचायत का तभी विकास हो सकता है, जब वहां की सड़क बेहतर हो जाए। हमारी सोच है कि जनता के हर परेशानी का समाधान हो और सरकार की ओर से दी जाने वाली शतप्रतिशत लाभ ग्रामीणों को मिले । इस शिलान्यास कार्यक्रम में कई लोगों ने बिजली, पानी आदि की समस्या के बारे में जानकारी दिए । तत्काल ही विभाग से संपर्क कर उनका समाधान करने का निर्देश दिया गया है । इस मौके पर प्रखंड प्रमुख सरस्वती चातार, 20 सूत्रीय अध्यक्ष धनुर्जय तिरिया, राजेश पिंगुआ , गोकुल पोलाई , मुजाहिद हुसैन समेत अन्य मौजूद थे।

चाईबासा में खिली धूप, बारिश के बाद मौसम ने फिर बदला अपना मिजाज

PHOTON NEWS CHAIBASA : चाईबासा पश्चिमी सिंहभूम जिले में पिछले दो दिनों से मौसम में हुए बदलाव के कारण जहां बारिश के साथ क्षेत्र में कनकनी बढ़ गई थी। कुहासों के कारण सड़कों पर विजिबिलिटी भी काम हो गई थी।

शुक्रवार को मौसम में थोड़ी राहत हुई है। सुबह में जहां आसमान साफ रहे हल्की-हल्की धूप भी निकाली जिससे लोगों के अलावा खास करके स्कूली बच्चों को स्कूल जाने में काफी सुविधा हुई। हालांकि गुरुवार दे शाम को झारखंड सरकार ने मौसम के बदलते मिजाज को लेकर सभी स्कूलों के समय में बदलाव का आदेश भी जारी किया था।

जिसके आलोक में आज सभी सरकारी गैर सरकारी एवं निजी स्कूल के समय में बदलाव किया गया। जहां केजी से कक्षा 5 तक के बच्चों को सुबह 9:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक का समय रखा गया था। वहीं 6 से 10 तक के बच्चों का समय 3:00 बजे तक रखा गया है।

प्राण प्रतिष्ठा के दिन डिलीवरी का क्रेज

22 जनवरी की डेट ले रही महिलाए : राम-सीता के कॉस्ट्यूम में दिखेंगे नवजात

एजेंसी

पटना । 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। जिसे लेकर लेकर देशभर में उत्सव की तैयारी की जा रही है। पटना में महिलाओं में 22 जनवरी के दिन डिलीवरी का क्रेज देखने को मिल रहा है। जिन महिलाओं की डिलीवरी डेट 22 जनवरी के आसपास है, वह अपनी डेट प्राण प्रतिष्ठा के दिन शेड्यूल करवा रही हैं। अस्पतालों की ओर से भी विशेष व्यवस्था की जा रही है। नवजातों के लिए राम-सीता के कॉस्ट्यूम मंगवाए गए हैं। दैनिक भास्कर ने पटना के कई बड़े महिला रोग विशेषज्ञों से बात की। उन्होंने बताया कि 22 जनवरी को डिलीवरी शेड्यूल करवाने के लिए प्रेग्नेंट महिलाएं तो आ ही रही हैं साथ में उनके परिवार वाले भी पार्टिसिपेट कर रहे हैं। यह ट्रेंड जन्माष्टमी और न्यू ईयर जैसा ही देखने को मिल रहा है।बुकिंग के लिए आ रहा परिवारपटना के गायनाकोलॉजिस्ट डॉ. हिमांशु राय ने बताया कि 22 जनवरी को डिलीवरी करवाने के लिए अभी से ही गर्भवती महिलाओं के परिवार वाले आकर बुकिंग करवा रहे हैं। जिससे वह 21 तारीख से ही डॉक्टर्स की निगरानी में रखी जाएंगी।डॉ. हिमांशु ने यह भी बताया कि वह 22 जनवरी 2024 की तारीख को ध्यान में रखते हुए 22+24 महिलाओं की डिलीवरी ही उस दिन शेड्यूल करेंगे। फिलहाल उनके पास अभी तक 20 महिलाओं का डिलीवरी डेट 22 जनवरी के लिए शेड्यूल हो चुका है। राम सीता के कॉस्ट्यूम में दिखेंगे नवजात इधर, डॉ. सारिका राय ने भी बताया कि उनके पास भी प्रेग्नेंट महिलाएं और उनके परिवार वाले डिलीवरी डेट को शेड्यूल करवाने के लिए आ रहे हैं। उनके अस्पताल में प्राण प्रतिष्ठा के दिन जितने भी नवजात का जन्म होगा, उन्हें राम और सीता की तरह तैयार किया जाएगा। प्राण प्रतिष्ठा का दिन पूरे देशवासियों के लिए बहुत खास है, इसलिए अस्पताल के सभी स्टाफ को उस दिन भगवा रंग का कपड़ा पहनना है। इसके अलावा अस्पताल में एक फोटो बूथ बनाया जाएगा। जिसका बैकग्राउंड राम मंदिर की तर्ज पर होगा।सिजेरियन डिलीवरी ही शेड्यूल होनी चाहिए महिलाओं में 22 जनवरी को डिलीवरी को लेकर ट्रेंड़ बढ़ रहा है। लेकिन यह ट्रेंड उनके बच्चे और उनके सेहत के लिए नुकसानदायक भी हो सकता है। ऐसे में राजधानी की गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ. लक्ष्मी झा ने बताया कि उनके पास भी कई महिलाएं डिलीवरी डेट शेड्यूल करवाने पहुंच रही हैं। लेकिन वह महिलाओं को यह करने से मना कर रही हैं। डॉ. लक्ष्मी झा ने बताया कि जिन महिलाओं का नॉर्मल डिलीवरी होना है वह भी डिलीवरी डेट 22 जनवरी को शेड्यूल करवाने के लिए उनसे रिक्वेस्ट कर रही हैं। लेकिन ऐसा करना बच्चे और मां की सेहत पर हानिकारक प्रभाव डाल सकता है।जिन महिलाओं का फिक्स है कि ऑपरेशन से ही उनका डिलीवरी होगा तो वह अपना डिलीवरी डेट शेड्यूल करवाए तो उन्हें कोई दिक्कत नहीं होगी

संक्षिप्त डायरी

विवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत

अररिया । अररिया जिले के नगर थाना क्षेत्र के गैयारी वार्ड संख्या 6 में एक विवाहिता की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते

ही मौके पर पहुंची नगर थाना पुलिस ने विवाहिता के शव को कब्जे में लेते हुए गुरुवार की देर शाम सदर अस्पताल अररिया लाया, जहां नगर थाने की पुलिस के द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराने को लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं मृत विवाहिता की पहचान गैयारी वार्ड संख्या 6 निवासी अमृत पंडित की पत्नी गुड़िया देवी (22) के रूप में की जा रही है।विवाहिता के भाई कुंदन कुमार पंडित ने ससुराल पक्षों पर फांसी लगाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। इधर नगर थाना पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट चुकी है। कुंदन ने बताया कि उनकी बहन की शादी सात माह पूर्व अररिया नगर थाना क्षेत्र के गैयारी वार्ड संख्या 6 निवासी मुनीलाल पंडित के पुत्र अमृत पंडित के साथ हिंदू रीति रिवाज से कराई गई थी। शादी के कुछ दिन के बाद से ही ससुराल पक्ष के द्वारा उनकी बहन के साथ छोटी-छोटी बातों को लेकर मारपीट की जाती थी। मायके से 10 लख रुपए लाने की बात कही जाती थी, जो उनकी बहन के द्वारा फोन पर बताया जाता था।इसी दौरान गुरुवार की देर संध्या उन लोगों को सूचना मिली कि उनकी बहन की तबीयत खराब है, लेकिन जब वह लोग वहां पहुंचे तो उन्होंने देखा कि उनकी बहन मृत अवस्था में बिछावन पर पड़ी है, जिसके बाद घटना की सूचना उन लोगों के द्वारा नगर थाना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची नगर थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल अररिया लाया है। वहीं मामले को लेकर नगर थाना अध्यक्ष निर्मल कुमार यादवेंदु ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर शव को कब्जे में ले लिया गया है।और पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। फिलहाल परिजनों के द्वारा अभी आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

टिकट मांगने पर टीटीई से भिड़ गई महिला

समस्तीपुर । लेट चल रही स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस ट्रेन में गुरुवार रात टिकट मांगने पर एक यात्री टीटीई से भिड़ गया। इस दौरान यात्री ने टीटीई के साथ हाथापाई भी की। हालांकि, इस दौरान पुलिस ने एक यात्री को हिरासत में भी ले लिया। इस घटना के कारण प्लेटफार्म पर अफरातफरी की स्थिति बनी रही। बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए।इस दौरान यात्रियों ने पूरी घटना का वीडियो भी बना लिया। जो रात से ही खूब वायरल हो रहा है। वायरल हो रहे वीडियो में कुछ यात्री समस्तीपुर स्टेशन के टीटीई विपिन कुमार के साथ हाथापाई करते नजर आ रहे हैं। हालांकि इस पूरे मामले पर जीआरपी थानाध्यक्ष मनोज कुमार जानकारी से इनकार करते हैं।करीब एक घंटा लेट से आई स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस ट्रेन के स्लीपर कोच में एक महिला जनरल टिकट लेकर सवार थी। जब ट्रेन समस्तीपुर स्टेशन पर रुकी तो समस्तीपुर में टीटीई विपिन कुमार टिकट की जांच की।जांच के दौरान स्लीपर में जेनरल टिकट देख उन्होंने स्लीपर का फाइन देने को कहा जिस कर महिला और उनके परिजन टीटीई के साथ उलझ गए।जब टीटीई ने महिला को जेनरल बोगी में जाने को कहा तो लोग टीटीई के साथ हाथापाई करने लगे। बाद में पहुंची रेल पुलिस ने हंगामा कर रहे एक युवक को हिरासत में ले लिया। जिसके बाद मामला शांत हुआ।दर्ज नहीं हुआ मामलारेल थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि टीटीई के साथ मारपीट किए जाने की उनके पास कोई जानकारी नहीं है। अब तक उनके पास कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। उधर, आरपीएफ इंस्पेक्टर वीपी वर्मा ने भी जानकारी से इनकार किया है। हालांकि हंगामे का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

गन पॉइंट पर एक परिवार के 3 कारोबारियों का अपहरण

जमुई ।जमुई में एक ही परिवार के तीन कारोबारियों का अपहरण हुआ है। इनमें दो सगे भाई हैं और एक उनका भांजा है। तीनों गुरुवार रात 9 बजे अपनी किराना दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। दुकान में ताला लगाया ही था कि करीब 6 की संख्या में हथियार से लैस अपराधी पहुंचे और गन पॉइंट पर तीनों को अगवा कर लिया।अपहरण के दो घंटे के बाद रात करीब 11 बजे अपराधियों ने परिजनों को फिरौती के लिए फोन किया। फिरौती के रूप में 10 लाख रुपए की डिमांड की है। घटना लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र के लडुंबा चौक के पास की है। यहां से तीनों का घर 1 किमी की दूरी पर है।जिन कारोबारियों का अपहरण हुआ है उनमें करां गांव निवासी सुखदेव साह के बेटे सतनदेव, सुजीत कुमार और भांजा विकास कुमार है। इनमें सतनदेव और सुजीत सगे भाई हैं।

नीतीश कुमार के फेस पर इंडिया गठबंधन लड़े लोकसभा चुनाव

एजेंसी

कैमूर ।कैमूर पहुंचे बिहार सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद जमा खान ने एक बार फिर नीतीश कुमार को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा नीतीश कुमार के फेस पर इंडिया गठबंधन को लोकसभा 2024 का चुनाव लड़ना चाहिए। क्योंकि हमारे नेता के ऊपर किसी प्रकार का दाग नहीं है। सभी जाति धर्म को लेकर एक साथ चलते हैं। जिस तरह से बिहार में उन्होंने विकास का बयार बहाया है उसी तरह देश में भी विकास का बयार बहा देंगे। अगर हमारे नेता के ऊपर एक भी दाग कोई लगा दे तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा। देश के लोगों को और क्या चाहिए। इससे अच्छा छवि का कोई हो नहीं सकता। 'कोई एक दाग लगा दे तो, मैं तुरंत इस्तीफा दे दूंगा'कैमूर जिले के सर्किट हाउस भभुआ पहुंचे मंत्री जमा खान ने कहा आप ही बता दीजिए कि प्रधानमंत्री के लिए देश के अंदर सबसे अच्छा फेस किसका हो सकता है। हमारे नेता नीतीश कुमार के ऊपर आज अगर कोई एक दाग लगा दे तो मैं तुरंत इस्तीफा दे दूंगा। हर आदमी एमएलए और एमपी है तो चाहता है कि परिवार का सदस्य आगे बढ़े। पूरे बिहार के परिवार को वह परिवार समझते हैं। बिहार के लोगों के सम्मान में हमेशा खड़े रहे। कोई दाग लगा नहीं लगा सकता। सादगी उनके अंदर झलकती है। जितनी सादगी में वह रहते हैं उतनी सादगी में मैं भी नहीं रह पाता। कभी ऐसा नहीं लगता कि वह मुख्यमंत्री हैं।

लेन-देन के विवाद में बदमाशों ने युवक को मारी गोली

एजेंसी

आरा । भोजपुर में एक युवक को बदमाशों ने गोली मार दी। गंभीर हालत में उसे आरा शहर के बाबू बाजार स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल युवक की पहचान आलोक सिंह के रूप में हुई है। घटना सहार के एकवारी गांव स्थित बुढ़िया माई मंदिर के पास की है।घटना के बाद आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है। वही घटना की सूचना मिलते ही सहार थानाध्यक्ष शिवेंद्र कुमार अपने पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच और मामले की छानबीन में जुट गए हैं। इधर,जख्मी आलोक सिंह ने बताया कि उसने पट्टीदार चांद कुमार उर्फ लिली सिंह को कुछ दिन पूर्व सत्तर हजार रूपए कर्ज रूप में दिए थे। इसको लेकर उनलोगों से कुछ दिनों से विवाद चला आ रहा है।गुरुवार की दोपहर उसके पिता के द्वारा उसके बड़े भाई पर फोन कर मारने की धमकी भी दी गई थी। गुरुवार की देर शाम जब वह बाजार से घर वापस लौट रहा था। तभी गांव के बुढ़िया माई मंदिर के समीप आकर आरोपी के पिता गाली-गलौज करते हुए पूरे परिवार के साथ नरसंहार करने की धमकी दे रहे थे। उसी समय वह भी वहां आ गया और उसे गोली मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया।

पतंग छत पर गिरी तो 5 को मारा चाकू

एजेंसी

भागलपुर । भागलपुर में पड़ोसी की छत पर पतंग चली गई तो उसने परिवार के 5 लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। बच्चों के विवाद में दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। इस घटना में एक ही परिवार के पांच लोगों पर चाकू से वार किया गया है। परिजन और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायल को इलाज के लिए मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसमें दो की हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना बरारी थाना के सुर्खीकल काली मंदिर के पास की है।जानकारी के मुताबिक गुरुवार की सुबह बच्चों के बीच पतंग उड़ाने के विवाद को लेकर दो पक्षों में पहले कहासुनी हुई। शाम को दोनों तरफ से लाठी-डंडे चले। बात बढ़ी तो एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर चाकू से हमला कर दिया। घटना में घायल प्रदीप तांती का कहना है कि देर शाम जब वह काम कर घर वापस लौटा तो दूसरे पक्ष के लोग गाली- गलौज करने लगे।प्रदीप तांती ने बताया कि पड़ोसी से सुबह पहले विवाद हुआ था। मेरे बच्चे की पतंग उसके छत पर चला गई थी। जिसके कारण कुणाल तांती और उसके परिवार के सदस्य झगड़ा करने लगे। उस समय मामला शांत हो गया। प्रदीप ने आरोप लगाया कि गुरुवार की सुबह से ही पड़ोसी और उसके तीनों बेटे हमला करने की ताक में थे। शाम के समय मैं घर के सामने खड़ा था। उसी समय पड़ोसी और उसके तीनों बेटे समेत अन्य परिजन ने हमला कर दिया। सबके हाथ में चाकू था। शोर सुनकर घर से मेरे भाई और बहन बचाने के लिए आए, लेकिन उन लोगों पर भी चाकू से हमला कर दिया। मेरे पीठ पर चाकू से वार किया। रोहित के सिर और और सोहित की आंख के पास चाकू से हमला किया गया है। बहन चंदा और छोटी के पीठ में चाकू मारा गया है।

दूर से शादी रचाने पहुंची सॉफ्टवेयर इंजीनियर

एजेंसी

जमुई । जमुई में एक प्रेमी जोड़े ने मंदिर में शादी रचा ली। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो मंगलवार का बताया जा रहा है। दोनों के बीच लगभग 5 साल से अफेयर चल रहा था। घर वाले नहीं माने तो दोनों ने पहले कोर्ट मैरिज की और उसके बाद मंदिर में शादी रचा ली। पूरा मामला जमुई जिले के चकाई थाना क्षेत्र के चकाई बाजार का है। प्रेमी जोड़े की पहचान चकाई थाना क्षेत्र के निवासी मसूदन वर्मा के बेटे जयप्रकाश वर्मा और चकाई बाजार निवासी संतोष कुमार साव की बेटी जीनल कुमारी के रूप में हुई है। दोनों बालिग हैं।प्रेमी जयप्रकाश चकाई में कोचिंग चलाता है। वहीं प्रेमिका जीनल पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। वह फिलहाल सूरत में काम कर रही है। दोनों के बीच पांच साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन दोनों के परिजन इससे नाराज थे। फिर दोनों आपसी सहमति से भाग गए। मंगलवार को पहले जमुई कोर्ट में कोर्ट मैरिज की, फिर इसी दिन जमुई के बाबा पत्नेश्वर मंदिर में शादी रचा ली।शादी के बाद जीनल अपने कार्यस्थल (सूरत) चली गई है। वहीं जयप्रकाश अभी भी चकाई में कोचिंग संस्थान ही चला रहा है। जयप्रकाश ने बताया कि सोशल मीडिया पर यह दावा किया जा रहा है कि हम दोनों गुरु-शिष्या हैं, जबकि ऐसा नहीं है। मैं इंटरमीडिएट तक के बच्चों को ही पढ़ाता हूं और वह सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। हम दोनों का पिछले 5 सालों से प्रेम संबंध चल रहा था। वह झारखंड की रहने वाली है और चकाई आई थी, जिसके बाद हम दोनों एक दूसरे से प्यार करने लगे।

मंदिर से 50 हजार रुपए की चोरी

बक्सर । जिले के डुमरांव स्थित बड़ी काली मंदिर में देर रात चीरी हुई है। चोरों ने मंदिर परिसर में लगे 105 किलो और 51 किलो के पीतल के 2 घंटों की चोरी की है। अनुमानित कीमत 50 हजार से ऊपर है। सुबह में मंदिर परिसर में पहुंचने वाले लोगों ने देखा तो इसकी सूचना आसपास के लोगों को दी। जिसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र के डुमरांव नगर की बड़ी काली मां मंदिर में यह घटना गुरुवार की देर रात हुई है। मंदिर प्रशासन ने कहा कि पीतल दो घंटों को खोल लिया गया है। इसके अलावे चोरों ने मंदिर की अन्य सामानों की चोरी की है। चोर इतने शातिर थे कि उन्होंने मंदिर परिसर के चारों ओर सीसीटीवी के तार काट दिए। डुमरांव थाना अध्यक्ष दिनेश मालाकार ने कहा कि सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची हुई है। तार काटने से पहले सीसीटीवी का फुटेज भी खंगालने का प्रयास किया जाएगा। हालांकि अभी मंदिर प्रशासन ने कोई लिखित आवेदन पुलिस को नही दी है।

नूतन सिंह ने बांटी दीप तेल और बाती दीप जलाएं

सहरसा। राम लला का प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को अयोध्या में है, जिसको लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने पूरे देश वासियों से हर मंदिर में और हर घर में दीप जलाने को लेकर ऐलान किया था । इसी कड़ी में पूर्व एमएलसी सह बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष नूतन सिंह आज गुरुवार को अपने निजी आवास पर सभी समुदाय के लोगों को 22 जनवरी को राम लला के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर मंदिर और घरों में दीप जलाने को लेकर दीप, बाती और तेल बांटी। इस कार्यक्रम में पूर्व मंत्री सह बीजेपी विधायक नीरज कुमार बबलू, प्रोफेसर मिथिलेश झा, संगम सिंह, सिधु सहित कई भाजपा के कार्यकर्ता मौजूद थे।नूतन सिंह ने कहा कि आपलोग को पता है कि हमलोग दीप कब जलाते हैं, जब खुशी का माहौल रहता है। हमलोगों

के लिए इससे ज्यादा और क्या खुशी की बात हो सकती है, जो राम लला इतने दिनों से बेघर थे और आज अब राम लाला अपने घर में विराजमान हो रहे हैं। 22 तारीख को हमारे राम लला विराजमान होंगे और हम दीवाली मनाएंगे।

ना अपनी चिंता ना बच्चों की बस ढांचा गिराना था लक्ष्य

एजेंसी

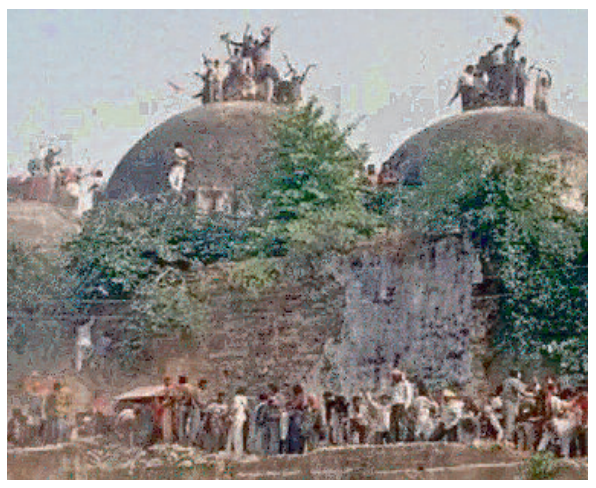

पटना । तारीख 6 दिसंबर 1992 ...लाखों की भीड़ और जय श्रीराम के लग रहे नारे। इस गगनभेदी नारे के साथ कार सेवकों के कदम बाबरी मस्जिद की ओर बढ़ रहे थे। बिना जान की परवाह किए साड़ी पहनी 32 साल की महिला बाबरी मस्जिद पर चढ़ गई। हाथों में हथौड़ा लिए बाबरी मस्जिद पर तब तक प्रहार करती रही जब तक बाबरी मस्जिद इतिहास का हिस्सा न बन गई।जय श्रीराम के उद्घोष के साथ ना सिर्फ मस्जिद को धराशाई करने में भूमिका निभाई, बल्कि सुबह तक रामलला को विराजमान करने के लिए चबूतरा तैयार करने में भी जुटी रही। बिहार के गया की रहने वाली 66 वर्षीय ललिता सिंह की जिनकी कहानी चौंका देने वाली है।दो बच्चों की मां होने के बावजूद ललिता सिंह 1992 में गया से अपने साथ कई महिलाओं को लेकर कारसेवा करने अयोध्या पहुंचती हैं और खुद बाबरी के गुंबद पर चढ़कर उसे अपने हाथों से तोड़ती है। ललिता का जन्म 18 अगस्त 1958 को हुआ। ललिता ने अपनी मैट्रिक की पढ़ाई के दौरान ही अपनी मां के साथ समाज सेवा करती थी। 1981 में गया के उदय शंकर प्रसाद के साथ प्रेम विवाह किया। इसके बाद 1983 में जहानाबाद की कॉलेज में जीव विज्ञान की प्रोफेसर बनीं। फिर साल 1996 में ललित ने वकालत शुरू कर दी और आज ललिता और उनके पति दोनों एक ही कोर्ट में एक साथ वकालत करते हैं।उस मंजर को शब्दों में बयां नहीं कर सकती ललिता सिंह बताती है कि उस मंजर को मैं अपने शब्दों में बयां नहीं कर सकती। वह रामलला की कृपा और शक्ति थी कि मैं कर पाई। मेरे पास उतनी शक्ति नहीं थी। ऐसा लग रहा था कि पूरा हिंदुस्तान एक जगह सिमट गया है और पूरे हिंदुस्तान की बस यही मंशा है कि किसी भी तरह बाबरी मस्जिद को गिरा दो।यही आवाज सब के दिलों में थी। वहां का कोई भी क्षण भूला नहीं जा सकता है। एक उत्साह था और सब में अपना जोश था। लग रहा था कि ये कलंक का टीका तुरंत मिट जाए और वह ध्वस्त हुआ, यह हमारा सौभाग्य था।गोलियां खाते रहे लेकिन पीछे नहीं हटे लोग ललिता सिंह की आंखों के सामने उस वक्त लगातार गोलियां चल रही थी। उन्होंने बताया की जब गोलीबारी होने लगी तो मुझे लगा कि काश मेरे पास भी कुछ होता तो मुझे कुछ कर देने वाला कोई नहीं होता। वह मुझे फांसी पर चढ़ा देते, लेकिन इस तरह से निहत्थे कारसेवकों पर गोली नहीं चलाते।वह मंजर ऐसा था कि गोलियां चल रही थी और सभी लोग दौड़ रहे थे। कोई किसी को देखने वाला नहीं। कोई भी डर से पीछे नहीं हट रहा था।

नफरत के खिलाफ

सुप्रीम कोर्ट ने नफरती भाषण पर सख्ती की अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है, लेकिन इसी के साथ ही इसे रोकने के लिए अग्रिम सक्रियता की अपनी सीमा भी बता दी है। मामला तेलंगाना के भाजपा विधायक टी राजा सिंह का है, जो अपने नफरती भाषणों के लिए काफी चर्चा में रहे हैं। इस महीने के पहले हफ्ते में उन्होंने महाराष्ट्र के शोलापुर में एक भाषण दिया था, जिसे कई तरह से नफरती भाषण की श्रेणी में रखा जा सकता है। वहां बाद में उनके खिलाफ एक एफआईआर भी दर्ज हुई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब जब वह महाराष्ट्र के यवतमाल और छत्तीसगढ़ के रायपुर में हिंदू जनजागृति समिति के साथ मिलकर रैली करने जा रहे हैं, तो सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर करके यह मांग की गई कि इन दोनों रैलियों पर तत्काल रोक लगाई जाए, अन्यथा समाज में नफरत का विस्तार बढेगा। इस याचिका के साथ सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ को राजा सिंह के पुराने भाषण के वीडियो भी दिखाए गए। इन वीडियो को देखने के बाद अदालत ने स्वीकार किया कि उनके भाषणों को सचमुच ह्यहेट स्पीचह्ण की श्रेणी में रखा जा सकता है। उनकी अगली रैलियों में यह दोहराया न जाए, इसके लिए सर्वोच्च न्यायालय ने स्थानीय अधिकारियों और पुलिस को निर्देश दिया है कि वे किसी भी तरह के नफरती भाषण को रोकें। अदालत ने उनको यह भी निर्देश दिया है कि रैली के स्थान पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, जिससे किसी भी तरह के नफरती भाषण या हिंसा के लिए उकसाने की कोशिश को रिकॉर्ड किया जा सके। मगर नफरती भाषण की आशंका से किसी रैली को रोकने से कोर्ट ने इनकार कर दिया है। अदालत का कहना है कि हम पहले से ही यह मानकर कोई कार्रवाई नहीं कर सकते कि रैली में नफरत फैलाने की कोशिश होगी ही। उसने इसमें यह बात भी जोड़ दी कि जिस व्यक्ति के खिलाफ याचिका लगाई जा रही है, उसे सुने बिना ही किसी नतीजे पर पहुंच जाना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के खिलाफ होगा। शीर्ष अदालत के इस रुख को एक और तरह से भी देखा जाना चाहिए। रैली आयोजित करना, किसी भी चीज पर विरोध प्रकट करना, यह सभी का लोकतांत्रिक, राजनीतिक अधिकार है, जो हमें हमारे संविधान से मिला हुआ है। अदालत इसमें बाधा नहीं बनना चाहती, लेकिन नफरती भाषणों को वह रोकना चाहती है, क्योंकि कानून की नजर में यह एक अपराध है। यह सच है कि नफरती भाषण, नफरती संदेश और इन सबके जरिये समाज को हिंसक बनाने की कोशिशें पिछले कुछ समय से लगातार बढ़ रही हैं। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि हमारी सरकारों से लेकर स्थानीय पुलिस और प्रशासन तक सब इसे राजनीतिक नजर से देखते हैं। जो सत्ताधारी पार्टी में हैं, उनके नफरती बोल नजरअंदाज कर दिए जाते हैं और विरोधियों के खिलाफ कार्रवाई हो जाती है। अगर हम तेलंगाना के इन विधायक का ही मामला लें, तो वह अपने प्रदेश में रैली करने के बजाय उन प्रदेशों में जाकर रैली कर रहे हैं, जहां उनकी पार्टी की सरकारें हैं।

युद्ध फैलने का खतरा

ईरान की ओर से मंगलवार को पाकिस्तान सीमा में स्थित एक आतंकवादी ठिकाने पर किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों ने पहले से ही तनावग्रस्त और संवेदनशील इस पूरे क्षेत्र की शांति और स्थिरता को खतरा पैदा कर दिया है। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब 100 दिनों से भी ज्यादा समय से इस्त्राइल और हमास के बीच गाजा में चल रहे युद्ध के चलते पूरा मध्य-पूर्व असाधारण तनाव से गुजर रहा है। यही नहीं, यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोही लाल सागर से गुजरते जहाजों को लगातार निशाना बना रहे हैं, जिससे ग्लोबल ट्रेड प्रभावित हो रहा है। ईरान ने जैश अल-अदल नाम के जिस आतंकवादी ग्रुप के ठिकाने को निशाना बनाने की बात कही है, वह पाकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्र में सक्रिय सुन्नी मुस्लिम ग्रुप है। यह ईरान की सीमा के अंदर आतंकी गतिविधियों को अंजाम देता रहा है। ध्यान रहे, दोनों देशों के बीच करीब 950 किलोमीटर लंबी सीमा है। इसका ज्यादातर हिस्सा सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांतों में पड़ता है। ईरान शिया बहुल देश है, लेकिन इसके सिस्तान प्रांत में ज्यादातर सुन्नी आबादी रहती है। दोनों देशों के बीच रिश्तों में उतार-चढ़ाव आते रहे हैं, लेकिन उनके बीच न केवल कूटनीतिक संबंध बने हुए हैं बल्कि व्यापार, सुरक्षा, ऊर्जा जैसे क्षेत्रों को लेकर बातचीत और सहयोग भी जारी है। यह हमला अप्रत्याशित इसलिए भी माना गया क्योंकि उसी दिन दावोस में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और ईरान के विदेश मंत्री की मुलाकात हुई थी। मगर इस मामले का ज्यादा बड़ा पहलू यह है कि यह एक सप्ताह में तीसरा मौका है, जब ईरान ने किसी और देश की क्षेत्रीय सीमाओं का उल्लंघन करते हुए हमला किया। इससे पहले इराक और सीरिया पर भी उसके हमले हुए। इस वजह से यह सवाल पूछा जा रहा है कि क्या यह बढ़ी हुई आक्रामकता ईरान की किसी लंबी रणनीति का हिस्सा है। हालांकि ईरान का कहना है कि वह गाजा युद्ध से फैलते संघर्ष का हिस्सा नहीं बनना चाहता। लेकिन हूती, हमास, हिजबुल्ला जैसे कई ग्रुप हैं, जिन्हें वह प्रतिरोध की धुरी कहता है और जो संघर्ष को आगे बढ़ाने में सीधे तौर पर शामिल हैं। लाल सागर से गुजरते जहातों पर हूती विद्रोहियों के हमलों को रोकने के लिए अमेरिका और सहयोगी देशों ने भी इनके ठिकानों पर हमले किए हैं।

कोहरा: हवाई और रेल यात्रा की कब सुध ली जाएगी?

ANALYSIS

ऋतुपर्ण दवे

भारत में सही समय पर यात्रा पूरी होने की न तो किसी की गारंटी है और न ही कोई इस बदहाली को चुनौती ही दे सकता है। हर रोज पूरे देश में बड़ी संख्या में हवाई और रेल सेवाएं लेटलतीफी का शिकार हो रही हैं। जिसके जवाब में प्री रिकॉर्डेड चार शब्द ह्यअसुविधा के लिए खेद हैह्ण काफी हैं। इन दिनों तो घने कोहरे के चलते स्थिति और भी बदतर है। देश में औसतन ढाई से तीन हजार फ्लाइट्स रोजाना लगभग 4,56,000 यात्रियों को मुकाम तक पहुंचाती हैं। वहीं 8 अक्टूबर 2023 का एक आंकड़ा बताता है कि रेलवे रोजाना 22,593 ट्रेनें चलाता है जिनमें 13,452 यात्री ट्रेनों से औसतन 2.40 करोड़ यात्री सफर करते हैं, बाकी 9141 मालगाड़ियां हैं। बसों और निजी वाहनों से सफर करने वालों की संख्या जोड़ दें यह कई गुना बढ़ जाएगी। अभी हवाई और रेल सेवा कोहरे के चलते ऐसी चरमराई हुई है कि पूछिए मत। अकेले दिल्ली से रोजाना 1400 उड़ानें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित होती हैं।

आमजन की यात्रा सुविधा के नाम पर संचालित सरकारी सेवाएं बेहद गैर जिम्मेदाराना व्यवहार कर रही हैं। चाहे हवाई यात्रा हो या रेल, हर रोज करोड़ों लोग परेशान हो रहे हैं। इनमें वो भी हैं जिन्हें हर हालत में अपनी नियत तिथि पर वांछित गंतव्य पर पहुंचना होता है और वो भी जिन्हें दो कनेक्टिविटी के सहारे यात्रा पूरी करनी पड़ती है। भारत में सही समय पर यात्रा पूरी होने की न तो किसी की गारंटी है और न ही कोई इस बदहाली को चुनौती ही दे सकता है। हर रोज पूरे देश में बड़ी संख्या में हवाई और रेल सेवाएं लेटलतीफी का शिकार हो रही हैं। जिसके जवाब में प्री रिकॉर्डेड चार शब्द ह्यअसुविधा के लिए खेद हैह्ण काफी हैं। इन दिनों तो घने कोहरे के चलते स्थिति और भी बदतर है। देश में औसतन ढाई से तीन हजार फ्लाइट्स रोजाना लगभग 4,56,000 यात्रियों को मुकाम तक पहुंचाती हैं। वहीं 8 अक्टूबर 2023 का एक आंकड़ा बताता है कि रेलवे रोजाना 22,593 ट्रेनें चलाता है जिनमें 13,452 यात्री ट्रेनों से औसतन 2.40 करोड़ यात्री सफर करते हैं, बाकी 9141 मालगाड़ियां हैं। बसों और निजी वाहनों से सफर करने वालों की संख्या जोड़ दें यह कई गुना बढ़ जाएगी। अभी हवाई और रेल सेवा कोहरे के चलते ऐसी चरमराई हुई है कि पूछिए मत। अकेले दिल्ली से रोजाना 1400 उड़ानें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित होती हैं। कोहरे से हालात ऐसे हैं कि कई-कई दिन सूर्यदेव दर्शन नहीं देते, कोहरा छाया रहता है। ऐसे क्या टेक ऑफ, क्या लैण्ड सभी उड़ानों को रद्द, री-शिड्यूल या डायवर्ट करना पड़ता है। पूरे देश का यही हाल है। अभी दो दिन पहले 13 जनवरी को घने कोहरे के चलते मुंबई-गुवाहाटी उड़ान

को बांग्लादेश के ढाका में इमरजेंसी लैंडिंग खातिर मजबूर होना पड़ा। इसमें फंसे यात्री बिना पासपोर्ट के अंतरराष्ट्रीय सीमा तो पार कर गए लेकिन कई घंटे हवाई जहाज में बैठे रहे। विदेशी धरती पर कैसे उतरते? कोहरे की मार से हमारे सभी हवाई अड्डे प्रभावित हैं। ऐसे में महंगी और सही वक्त पर पहुंचने के खातिर हवाई यात्राओं के भी कोई मायने नहीं। कमोबेश इससे भी बदतर हालत यात्री ट्रेनों की है। कोहरे की मार से रोजाना आधे से ज्यादा रेल यात्री परेशान होते हैं। जहां कोरोना के चलते रद्द कई ट्रेन शुरू नहीं हो पाईं वहीं जो चलीं वो भी कई तरह के सुधार और सुविधाओं के नाम पर रद्द, लेट या री-शिड्यूल हो रही हैं। बिलासपुर जोन ने तो ट्रेनों के रद्द करने का देश में कीर्तिमान ही बना डाला। यहां कुछ सालों में हजारों जोड़ी ट्रेन रद्द हुईं। कोयला, दूसरी खदानों व पॉवर सेक्टर वाले बिलासपुर जोन में आने-जाने वाले लाखों यात्रियों को लेटलतीफी या एकाएक ट्रेन कैंसिल होने से असहनीय परेशानी होती है। अभी यात्री गाड़ियों के खातिर कोहरे का बहाना है और मालगाड़ियां पूरी रफ्तार में हैं। आखिर हवाई और रेल यात्रियों की सुध लेगा कौन? उनकी परिस्थिति और मानसिक स्थिति को कौन समझेगा? आगे की यात्रा के लिए दो-तीन घण्टे की मार्जिन रख, कनेक्टिंग फ्लाइट्स या ट्रेन की कंफर्म टिकट लेकर महीनों पहले अपना कार्यक्रम तय कर चुके लोग ऐन वक्त पर चार शब्दों के जवाब ह्यअसुविधा के लिए खेद हैह्ण से निपटा दिए जाते हैं और भुक्तभोगी अपना सिर नोचने के कुछ नहीं कर पाता। चाहे विमानन सेक्टर हो या रेलवे इन्हें पता होता है कि कब से कब कोहरा तो कब बारिश और कब गर्मी होगी। लेकिन जानकर भी न निपट पाने की ढिठाई इस हाईटेक और आर्टिफीशियल इण्टेलीजेंस के जमाने में समझ से बाहर है। कोहरे से कम विजिबिलिटी में विमान उड़ाने और उतारने के लिए पायलटों को सीएटी-3बी जैसे प्रशिक्षित होना जरूरी है। इसमें मुख्य पायलट को 2,500 घंटे और को पायलट को 500 घंटे उड़ान का अनुभव हो। यह अत्यधिक खचीर्ला है। कंपनियों को पायलट को सवैतनिक छुट्टी देकर दूसरे खर्च भी उठाने पड़ते हैं, जो नहीं होता। कैट-3बी तकनीक के रनवे भी अलग बनते हैं ताकि घने कोहरे में भी विमान उतर सकें। ये देश में ज्यादा नहीं हैं। इसमें एडवांस्ड इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आइएलएस), एयरफील्ड ग्राउंड लाइट्स (एजीएल), मौसम संबंधी उपकरण जैसे ट्रांसमीसोमीटर, ऑटोमैटिक वेदर ऑब्जर्वेटरी स्टेशन (एडब्ल्यूओएस), सरफेस मूवमेंट रडार (एसएमआर) और अन्य नेविगेशनल उपकरण लगते हैं। सबका संचालन व रखरखाव कठिन और खचीर्ला है। अभी देश में कुल छह दिल्ली, जयपुर, अमृतसर, लखनऊ, कोलकाता और कैम्पागौड़ा हवाई अड्डा कैट-3-बी तकनीक से लैस है। सोचिए, दिल्ली में कैट-3-बी रनवे केवल एक है। इनमें 50 मीटर की विजिबिलिटी पर विमान का उतरा और 125 मीटर की विजिबिलिटी पर टेक-ऑफ किया जा सकता है। अभी अमूमन लैंडिंग खातिर 550 मीटर और टेक-ऑफ हेतु 300 मीटर विजिबिलिटी जरूरी है। यही स्थिति रेलवे की है। इसी 4 जनवरी को सरकार के अधीन डीडी न्यूज ने अपनी वेबसाइट पर शीर्षक कोहरे से ट्रेन यात्रा नहीं होगी प्रभावित, करीब 20 हजार फॉग डिवाइस से लैस हुई भारतीय रेलवे से एक जानकारी अपलोड की। जिसमें बताया कि कोहरे से ट्रेन यात्रा प्रभावित नहीं होगी, क्योंकि 20 हजार फॉग डिवाइस से भारतीय रेलवे लैस हो चुका है। आगे लिखा कि कोहरे के दौरान सुचारू रेल परिचालन सुनिश्चित करने के लिए 19,742 जीपीएस आधारित पोर्टेबल फॉग पास डिवाइस उपलब्ध कराए हैं। ये लोको पायलटों को सिग्नल, लेवल क्रॉसिंग गेट और स्थायी गति प्रतिबंधों जैसे चिन्हित स्थलों के स्थान के बारे में ऑन-बोर्ड वास्तविक समय की जानकारी प्रदान कराता है। इस पहल को ट्रेन सेवाओं की विश्वसनीयता में सुधार, देरी को कम करने और समग्र यात्री सुरक्षा को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी बताया। मध्य रेलवे में 560, पूर्वी रेलवे में 1103, पूर्व मध्य रेलवे में 1891, पूर्वी तटीय रेलवे में 375, उत्तर रेलवे में 4491, उत्तर मध्य रेलवे में 1289, पूर्वोत्तर रेलवे में 1762, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे में 1101, उत्तर पश्चिम रेलवे में 992, दक्षिण मध्य रेलवे में 1120, दक्षिण पूर्व रेलवे में 2955, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 997, दक्षिण पश्चिम रेलवे में 60 और पश्चिम मध्य रेलवे में 1046 फॉग पास डिवाइस उपलब्धि का दावा भी किया। सवाल यह कि तकनीक के इस दौर में जहां हम चन्द्रयान और सूर्य के रहस्य के लिए अनजाने अंतरिक्ष में अपने यान सफलता पूर्वक भेज देते हैं लेकिन अपनी धरती, अपने आसमान के बीच का धुंधलका दूर करने के जतन में हर साल सैकड़ों करोड़ बर्बाद करने के बाद भी कुछ हासिल नहीं कर पा रहे हैं? हैरानी है कि दोनों बड़ी ट्रेवल एजेंसी यानी एयरपोर्ट और ट्रेनों के संचालन में बाधा बने मामूली कोहरे से नहीं निपट पाना चिंताजनक, दुखी और परेशान करने वाला है।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

भारत से लेकर सारी दुनिया हुई राममय

कई सप्ताह से पूरा विश्व उत्सुकता के साथ 22 जनवरी के ऐतिहासिक क्षण का इंतजार कर रहा है। दक्षिण पूर्वी एशियाई देश हों या फिर यूरोप, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया या जर्मनी से जापान तक सभी राममय हो रहे हैं। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम अमेरिका के टाइम्स स्क्वायर से लेकर यूरोप के एफिल टावर तक देखने को मिलेगा। फ्रांस की राजधानी पेरिस में 21 जनवरी को रामरथ यात्रा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पूरे यूरोप से हजारों लोग भाग लेंगे। इतना ही नहीं, एफिल टावर के पास भव्य उत्सव भी मनाया जाएगा। इसी तरह अमेरिका में टाइम्स स्क्वायर पर 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव टेलिकास्ट किया जाएगा। नॉर्थ अमेरिका से लेकर कनाडा तक के मंदिरों में पूजन और दीपोत्सव किया जाएगा। अमेरिका में कैलिफोर्निया के साथ ही वाशिंगटन, शिकागो और अन्य शहरों में विशाल कार रैलियाँ आयोजित की जा रही हैं। दुनिया के 50 से अधिक देशों में बड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन देशों में प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को लाइव देखा जा सकेगा। अमेरिका में 300, ब्रिटेन में 25, ऑस्ट्रेलिया में 30, कनाडा में 30, मॉरीशस में 100 के अलावा आयरलैंड, फिजी, इंडोनेशिया और जर्मनी जैसे 50 से अधिक देशों में बड़े पैमाने पर रामलला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट किए जाने की तैयारी है। न्यूयार्क के मेयर एरिक एडम्स ने कहा भी कि अयोध्या में राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा सिर्फ भारत ही नहीं, न्यूयार्क में दक्षिण एशियाई और इंडो कैरेबियाई समुदायों के हिंदुओं के लिए भी जश्न मनाने का मौका है। प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर नेपाल से 3 हजार से अधिक उपहार अयोध्या पहुंच रहे हैं। जनकपुर से सीताजी के लिए साड़ी, चांदी के जूते, आभूषण आदि उपहार भेजे गए। श्रीलंका ने अशोक वाटिका से विशेष पत्थर अयोध्या भेजा है। मॉरिशस ने तो अपने यहां 22 जनवरी को अवकाश भी घोषित किया है। बकायदा, 2 घंटे का विशेष अवकाश पूजा पाठ के लिए प्रदान किया गया है। राममंदिर उद्घाटन कार्यक्रम में कुल 7 हजार से अधिक मेहमान शामिल होंगे। इसमें बड़ी संख्या में विदेशी मेहमान भी होंगे। गेस्ट लिस्ट में अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और अफ्रीका सहित 53 देशों के मेहमान शामिल हैं। अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, फिजी समेत 50 देशों के प्रतिनिधियों को भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर अयोध्या आने का निमंत्रण पत्र दिया गया है। मुस्लिम बहुल देशों में भी प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तैयारियों में उत्साह है। इंडोनेशिया, सऊदी अरब में भी प्राण प्रतिष्ठा का सजीव प्रसारण किया जाएगा। विश्व हिंदू परिषद के अनुसार दुनिया के 160 ऐसे देश हैं जहां हिंदू धर्म के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। वहां विभिन्न धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। इनमें शोभायात्रा, हवन पूजन, हनुमान चालीसा पाठ आदि के आयोजन शामिल हैं।दरअसल, राम भारत ही नहीं विश्व चेतना के आधार हैं। विश्व इतिहास और विश्व साहित्य में भी राम और रामकथा बहुप्राचीन एवं बहुप्रचलित है। इंडोनेशिया में 'काकाविन रामायण', जापान में 'होबुत्सुशू', थाइलैंड में 'रामकियेन', म्यांमार में 'रामवस्तु', 'राम-ताज्या', 'राम- तात्यो', 'थिरी राम', 'पोन्तव राम' तथा 'थामाध्ये' (रामलीला नाटक), कम्बोडिया में 'रामकेर', फिलीपीन्स में 'महारादिया लावना', मलेशिया में 'मलय रामायण, 'हिकायत सेरी राम', लाओस में 'फालम', मंगोलिया में राम ग्रंथ प्रचलित और लोकप्रिय हैं। दक्षिण-पूर्व एशिया की सबसे प्राचीन और सर्वाधिक महत्वपूर्ण राम कथा केंद्रित कृति प्राचीन जापानी भाषा में विरचित रामायण का काबीन है, जिसकी तिथि नौवीं शताब्दी से भी पहले की है। लाओस के निवासी आज भी स्वयं को भारतवंशी मानते हैं। वे मानते हैं कि कलिंग युद्ध के बाद उनके पूर्वज इस क्षेत्र में आकर बस गये थे। लाओस की संस्कृति पर भारतीयता की गहरी छाप है। यहां रामकथा पर आधारित चार रचनाएं उपलब्ध है। दक्षिण पूर्व एशिया समेत अन्य देशों में रामकथा का व्यापक असर देखा जा सकता है। आम जनमानस की जिंदगी में राम के चरित्र की गहरी छाप दिखती है। इस बीच, अयोध्या से सैकड़ों किलोमीटर दूर राजधानी दिल्ली के अशोक विहार में भी राम लला के मंदिर जैसा ही एक राममंदिर का निर्माण हो रहा है। इन दोनों मंदिरों के आर्किटेक्ट सीबी सोमपुरा ही हैं। सोमपुरा जी को विश्व हिन्दू परिषद के अध्यक्ष अशोक सिंघल अयोध्या (वीएचपी) लेकर गए थे ताकि वे रामलला के मंदिर का डिजाइन बनाएं। फिर सोमपुरा जी ने ही अयोध्या के राममंदिर का डिजाइन बनाया। हालांकि दिल्ली के अशोक विहार के श्रीराम मंदिर की स्थापना तो 1975 में हो गई थी, पर इसका विस्तार आगे भी होता रहा। इसकी मैनेजमेंट से जुड़े हुए अशोक बंसल बताते हैं कि जब सोमपुरा जी और विश्व हिन्दू परिषद ने अयोध्या में राममंदिर का डिजाइन जारी किया तब हमने भी तय किया हमारे मंदिर का डिजाइन भी अयोध्या के राममंदिर की तर्ज पर ही रहेगा। इसकी अयोध्या के राममंदिर से एक समानता यह भी है कि यहां भी राजस्थान के बंसीपुर का लाल संगमरमर का गुलाबी पत्थर ही लगा है। इन दोनों मंदिरों के निर्माण में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा तो है ही। वे अयोध्या के रामलला के मंदिर के निर्माण पर शुरू से ही नजर रख रहे थे, तो उनकी प्रेरणा से अशोक विहार का राममंदिर भी बना। इस बात को यहां के पदाधिकारी भी मानते हैं। हां, दोनों में सिर्फ इतना अंतर है कि अशोक विहार का श्रीराम मंदिर स्थानाभाव के कारण छोटा है। जब आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला का प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम हो रहा होगा,तब अशोक विहार के श्रीराम मंदिर में सुबह से ही सुंदर कांड और भजन के कार्यक्रम शुरू हो जाएंगे।

Social Media Corner

सच के हक में...

अयोध्या में होने वाली प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर पूरा देश प्रभु श्रीराम की भक्ति के रंग में सराबोर है। इसी भाव को सुरेश वाडेकर जी और आर्या आंबेकर जी ने अपने सुमधुर सुरों में पिरोया है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

आज भारत का सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है। देश में कहीं भी सवाल पूछो – कितने लोग बेरोजगार हैं? हजारों हाथ एक साथ खड़े हो जाते हैं! यह बेहद गंभीर मुद्दा है जिसे प्रधानमंत्री ने दुष्प्रचार की चादर से ढक दिया है। हमारा वायदा है कि हम सबसे पहले रिक्त सरकारी पदों को भरेंगे और लघु उद्योगों को मजबूती देने वाली नीतियों से देश में प्राथमिकता पर रोजगार पैदा करेंगे।

(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

जब पूरा देश, 22 जनवरी को रामलला प्राण प्रतिष्ठा के शुभ दिन को राष्ट्रीय पर्व के रूप में मना रहा है, वहीं झारखंड में अभी भी सरकार इस बात का फैसला नहीं ले पा रही है कि अवकाश दिया जाना चाहिए या नहीं। झारखंड की जनता प्रभु श्री राम के उपर हो रही सियासत को, और सियासत करने वालों को माफ नहीं करेगी। हेमंत जी आपसे गुजारिश है, हम राम भक्तों के रास्ते में मत आइए, हट जाइए, नहीं तो आपका और आपके अहंकार का अंत भी रावनानुरूप ही होगा। भगवान श्री राम की सेना आने वाले समय में आपको दीर्घकालिक अवकाश पर भेजने की तैयारी कर चुकी है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

सबसे अलग नाम रखने का जुनून

पिछले दिनों एक युवा दंपत्ति से मुलाकात हुई, जो बड़ी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में उच्च पदों पर कार्यरत हैं। उनकी शादी को कई साल बीत गये। अब वे माता-पिता बनने वाले हैं। यूरोप में चूंकि गर्भ के बच्चे का लिंग छुपाया नहीं जाता, इसलिए उन्हें पता है कि उनके घर बेटी आने वाली है। इसे लेकर वे बहुत उत्साहित भी हैं। सबसे ज्यादा उत्साह उनमें बच्चे के नाम को लेकर है। वे घर आये, तो इंटरनेट से ढूंढकर तमाम नामों की सूची लाये थे। वे चाहते थे कि हम भी उनमें कुछ नाम जोड़ें। उनके सूची में बहुत से ऐसे नाम थे, जिनके अर्थ न हमें पता थे और न उन्हें। कई नाम शुद्ध फारसी, तो कई उर्दू से थे। वे संस्कृत और हिंदी के भी कई नाम लाये थे। कहने लगे कि नाम कुछ ऐसा हो कि सबसे अलग हो। बातचीत में जो नाम याद आये, हम बताने लगे। उन्होंने पांच-छह नाम लिख लिये थे। आजकल चूंकि मध्य वर्ग के परिवार छोटे हैं, आम तौर पर लोगों के दो बच्चे या एक ही बच्चा होता है, तो वे अपने बच्चों के लिए सबसे अलग कुछ देखते हैं। वे चाहते हैं कि उनके बच्चे या बच्ची का नाम दुनिया में सबसे अलग हो, जो पहले किसी ने न रखा हो, न किसी ने सुना हो। सबसे अलग होने के तर्क में दरअसल श्रेष्ठ होने और दिखने की भावना भी छिपी होती है। समय के साथ यह भावना बढ़ती ही जाती है। इस सबसे अलग दिखने की चाह में ऐसे नाम भी रख लिये जाते हैं, जिनका अर्थ किसी को मालूम नहीं होता या बार-बार अर्थ पूछना पड़ता है। इसमें इंटरनेट की बड़ी भूमिका होती है क्योंकि किसी से पूछने के मुकाबले इंटरनेट पर ढूंढना आसान भी है। भारतीय माता-पिता में एक बात और भी देखने में आती है कि या तो वे शुद्ध हिंदी, संस्कृत अथवा उर्दू, फारसी के नाम चाहते हैं। या फिर ऐसे नाम, जो किसी पश्चिमी संदर्भ से आते हैं। सरल नाम, जिनके अर्थ आसानी से समझ में आयें, कोई रखना नहीं चाहता। इसे न जाने क्यों अपने स्टेटस से कमतर माना जाता है। सोचा जाता है कि वह नाम ही क्या, जो सबकी समझ में आ जाये। इसीलिए कई बार अर्थ का अनर्थ हो जाता है। ऐसे नाम रख लिये जाते हैं, जिनके बारे में कुछ मालूम भी नहीं होता। कुछ माह पहले अपने एक मित्र के जुड़वा पोतों के जन्म के समारोह में गयी थी। जोर-शोर से उनका नामकरण संस्कार किया जा रहा था। बहुत से रिश्तेदार इकट्ठे थे, पकवानों का ढेर था और सजावट भी थी। नामकरण संस्कार के बाद पता चला था कि दोनों बच्चों का नाम व पर निकला है। बहुत से नाम सोचे जा रहे थे। खूब विचार-विमर्श भी हो रहा था कि कौन सा नाम अच्छा रहेगा। खैर, उस दिन तो कार्यक्रम खत्म होने के बाद घर लौट आये। बाद में पता चला कि बच्चों के नाम विगत और व्यतीत रखे गये हैं। जब ये नाम सुने, तो अजीब सा लगा। दोनों नामों में नकारात्मकता महसूस हुई, जबकि आम तौर पर बच्चों के नाम सकारात्मक और भविष्योन्मुखी रखे जाते हैं क्योंकि वे अभी-अभी दुनिया में आये हैं और उनके सामने उनका पूरा जीवन पड़ा है। जबकि विगत और व्यतीत दोनों का अर्थ था कि जो बीत चुका। उन्हीं मित्र से बात हुई, तो हमने धीरे से अपने मन की बात कहने की कोशिश की, मगर वे कहने लगे कि नाम उन्होंने नहीं, बच्चों ने पसंद किये हैं और बच्चों की रुचि के आगे वे कुछ बोल नहीं सकते। इसी प्रकार एक परिचित स्त्री ने अपनी बेटी का नाम श्लेष्मा रखा था। शायद उसने जानने की कोशिश ही नहीं की कि इसका क्या अर्थ होता है। एक बार एक परिचित ने अपनी बेटी का नाम सिफर रखने की कोशिश की थी। उसे पता ही नहीं था कि सिफर का अर्थ शून्य होता है। बहुत समझाने और बार-बार सिफर का अर्थ बताने पर वह मानने को तैयार हुई थी। देखा जाए, तो नाम हमारे जीवन में बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं। वे हर पल हमारे साथ रहते हैं।

अस्थाई नौकरी व उसके दुष्परिणाम

हिमाचल प्रदेश में अस्सी के दशक से विद्या उपासक के रूप में शिक्षा विभाग में अस्थाई तौर पर नियुक्तियों की जो शुरूआत हुई थी, अब यह गंभीरतम शक्ल लेती जा रही है। यह क्रम रूटीन विषय बन कर रह गया है। सभी विभागों में सरकारें नये-नये स्वरूप में हालात को बद से बदतर बनाती रही हैं। इस अस्थाई व्यवस्था को स्थाई बनाने के लिए न्यायालय, सरकार और यूनियनें लंबे समय तक अपनी ऊर्जा और समय का ह्रास करती हैं। व्यक्तिगत केस अलग से बढ़ते हैं। इस तरह की नियुक्ति मापदंड को दरकिनार कर होती हैं, जिससे कार्य कुशलता तो प्रभावित होती ही है, युवावर्ग में व्यापक असंतोष भी उभरता है। अनेक केसों में आरक्षण भी उपेक्षित रह जाता है। नई शिक्षा नीति के तहत विभिन्न स्तर पर हजारों पद भरे जाने आवश्यक हैं, जिनके लिए लोकसेवा आयोग जैसी एजेंसियां हैं। उनको बाईपास करते हुए नौकरी देना सरकारी अपराध है। इस प्रक्रिया पर विराम या अंकुश क्या कभी नहीं लगेगा।समान कार्य के लिए समान वेतन के आधार पर ऐसी व्यवस्था गैरकानूनी है, सभी जानते हैं। उसी पद पर कॉलेज में सरकारी वेतनमान लगभग एक लाख है, जहाँ औसतन बीस हजार रुपए मासिक और वह भी अस्थाई नियुक्ति के रूप में होगी। विद्या उपासक, एडहाक, टेन्योर, काट्रैक्ट, पैरा टीचर्स, पीटीए, एसएमसी, पीरियड पर और अब गेस्ट फैकल्टी यह सूची केवल एक विभाग की है और एक ही बीमारी के अलग-अलग नाम भर हैं। मल्टी टास्क वर्कर्स आदि अन्य व्यवस्थाएं और भी हैं। केन्द्र सहित कई राज्य सरकारें नियुक्ति की निश्चित प्रकिया का अनुसरण करती हैं जो कर्मचारी की कार्य निष्पादन शक्ति बढ़ाती हैं, कानूनी लड़ाई और असंतोष को नियंत्रित रखने के साथ सामाजिक सुरक्षा प्रदान करती हैं। प्रस्तावित योजना कई मायनों में घातक है। बेरोजगार तो इसे अपनाकर अल्पकालीन संतोष की अनुभूति करेंगे और विकल्प भी क्या है, बाद में जो होगा देखा जाएगा।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

गैलेक्सी एस24 श्रृंखला के स्मार्टफोन बनाएगी सैमसंग

- 18 जनवरी से स्मार्टफोन की प्री बुकिंग प्रारंभ

नई दिल्ली ।

सैमसंग कंपनी भारतीय कारखाने में नवीनतम कृत्रिम बुद्धिमत्ता से युक्त गैलेक्सी एस24 श्रृंखला के स्मार्टफोन बनाएगी। कंपनी ने अपने नवीनतम फ्लैगशिप स्मार्टफोन - गैलेक्सी एस24 सीरीज का अनावरण किया। इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित अनुप्रयोगों पर खासतौर से ध्यान दिया गया है। इसमें हिंदी सहित चुनिंदा भाषाओं में तत्काल वॉयस कॉल और संदेश अनुवाद, बेहतर छवि संपादन, कंटेंट निर्माताओं को लुभाने के लिए बेहतर कैमरा और मजबूत डिस्प्ले के लिए कॉर्निंग गोरिल्ला आर्मर ग्लास जैसे फीचर शामिल हैं। सैमसंग इंडिया के अध्यक्ष और सीईओ जेबी पार्क ने कहा, 'यह एक भविष्य का उपकरण है। दुनिया एआई के बारे में अगली बड़ी चीज की बात कर रही है, जबकि गैलेक्सी एस24 श्रृंखला इसे आपके सामने सीधे लेकर आ रही है। मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि गैलेक्सी एस24 श्रृंखला का विनिर्माण भारत में हमारे नोएडा कारखाने में किया जाएगा।' उन्होंने कहा कि भारत में उपभोक्ता 18 जनवरी से गैलेक्सी एस24 श्रृंखला के स्मार्टफोन की प्री-बुकिंग कर सकते हैं और इसकी बिक्री 31 जनवरी से शुरू होगी। पार्क ने कहा, 'सैमसंग में, हमें भारत में प्रीमियम उत्पादों को बढ़ावा देने पर गर्व है। मुझे विश्वास है कि भारत गैलेक्सी एस24 को संचालित करके एआई क्रांति को अपनाने में सबसे आगे होगा।' सैमसंग इंडिया के मोबाइल व्यवसाय के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजू पुलन ने कहा कि पूरी एस24 श्रृंखला का विनिर्माण भारत के साथ ही दुनिया के अन्य हिस्सों के लिए भी किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'गैलेक्सी एस24 श्रृंखला की पूरी रेंज भारत में तैयार की जाएगी और हम इसे भारत से दुनिया के लिए

भी उपलब्ध कराएंगे।' सैमसंग ने गैलेक्सी एस24 श्रृंखला के स्मार्टफोन की स्टोरेज क्षमता आठ जीबी सिस्टम मेमोरी (रैम) और 256 जीबी स्टोरेज मेमोरी (रैम) से लेकर 12 जीबी रैम और एक टेराबाइट (टीबी) रैम तक रखी है। ये स्मार्टफोन भारत में 79,999 रुपये से 1,59,999 रुपये के दायरे में उपलब्ध होगा।

श्रीराम के रंग में रंगा पूरा देश, 1 लाख करोड़ का कारोबार होने का अनुमान

- देश भर में राम मंदिर के 5 करोड़ से ज्यादा मॉडल बिकने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाली राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मनाने को लेकर पूरे देश में उत्साह का माहौल छाया हुआ है। देश के महानगरों सहित हर छोटे-बड़े शहरों में दिवाली मनाने जैसा नजारा देखने को मिल रहा है। शहर में जगह-जगह झंडे, बैनर, पोस्टर लगाए जा रहे हैं। देश भर में राम मंदिर के 5 करोड़ से ज्यादा मॉडल भी बिकने की उम्मीद है, जिन्हें बनाने के लिए कई शहरों में छोटे कारखाने दिन-रात काम कर रहे हैं। 20 रुपये में छोटे ध्वज से लेकर 500 रुपये में बड़े आकार के पोस्टर बैनर तक बिक रहे हैं।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महासचिव प्रवीन खंडेलवाल ने 30 शहरों के व्यापार मंडलों से अनुमान जुटाने के बाद प्राण प्रतिष्ठा के कारण 1 लाख करोड़ रुपये का कारोबार होने का अनुमान लगाया है।

देश भर में करीब 7 करोड़ व्यापारी कैट से जुड़े हैं और पहले उसने 50,000 करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान लगाया था। कारोबारियों का कहना है कि लोगों की आस्था नए कारोबार को जन्म दे रही है। उनका कहना है कि देश भर में व्यापार मंडल करीब 30,000 कार्यक्रम करा रहे हैं, जिनमें श्री राम चौकी, पदयात्रा, स्कूटर-कार रैली तथा सभाएं आदि शामिल हैं। राज्य सरकार ने लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, आगरा, मथुरा और प्रयागराज से अयोध्या के लिए हेलिकॉप्टर सेवाएं भी शुरू करने की घोषणा की है। इन सेवाओं की कीमत 11,000 रुपये से लेकर 35,000 रुपये के बीच होगी। नई दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, अहमदाबाद और बेंगलूरु से अयोध्या के लिए सीधी हवाई उड़ानें पहले ही शुरू हो चुकी हैं। सीएआईटी महाराष्ट्र शाखा के महासचिव शंकर ठक्कर कहते हैं कि 5 जनवरी और 22 जनवरी बीच मुंबई-एमएमआर में फल, फूल और मिठाइयों जैसी पूजा सामग्री की करीब 10,000 करोड़ रुपये की बिक्री होने का अनुमान है।

राम दरबार अंकित सोने और चांदी के सिक्के लोगों को काफी पसंद आ रहे हैं। चांदी की बिक्री काफी बढ़ी है।

घरेलू हवाई यातायात 2030 तक बढ़कर 300 मिलियन हो जाएगा: सिंधिया

- भारत दुनिया के प्रमुख 20 बाजारों में एक होगा

हैदराबाद ।

नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि भारत का घरेलू हवाई यातायात 2030 तक बढ़कर 300 मिलियन हो जाएगा। हाल ही में हैदराबाद के बेगमपेट हवाईअड्डे पर विंग्स इंडिया 2024 को संबोधित करते हुए सिंधिया ने कहा` कि घरेलू यात्री यातायात जो 2014 में 60 मिलियन था, वह कोविड से पहले बढ़कर 145 मिलियन और 2023 में यह बढ़कर 153 मिलियन हो गया। उन्होंने कहा कि साल 2030 तक 300 मिलियन की अनुमानित वृद्धि के बावजूद भारत दुनिया के प्रमुख 20 बाजारों में एक होगा। आज हमारी पहुंच लगभग 3-4 प्रतिशत है, जो बढ़कर 10-15 प्रतिशत हो जाएगी। हमें अभी भी 85 प्रतिशत तक पहुंच हासिल करनी है। हम क्षमताएं बनाकर, बाधाओं को दूर कर और प्रक्रियाओं को सरल बनाकर इस क्षमता की तैयारी कर रहे हैं ताकि 2047 तक विमानन क्षेत्र 20 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का समर्थन करने में सक्षम हो सके। कोविड से पहले दैनिक यात्री यातायात 4,00,425 था। अप्रैल-मई में यह बढ़कर 4,50,000 हो गया और नवंबर-दिसंबर 2023 में प्रति दिन

4,67,000 यात्रियों तक पहुंच गया। पिछले 10 वर्षों में घरेलू यात्री यातायात 15.3 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ा, जबकि अंतर्राष्ट्रीय यातायात 6.1 प्रतिशत की दर से बढ़ा। भारत तीसरा सबसे बड़ा घरेलू नागरिक उड्डयन बाजार और सातवां सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन बाजार है। दोनों को मिला दिया जाए तो भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा नागरिक उड्डयन बाजार है। मंत्री ने कहा कि भारत संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में विमान का सबसे बड़ा खरीदार बन गया है। उम्मीद है कि अगले दशक में भारत का बेड़ा 713 से बढ़कर 2,000 से अधिक हो जाएगा। उन्होंने कहा कि देश, जिसके पास 2013-14 में 400 विमान थे, ने अपने बेड़े को 713 विमानों तक बढ़ा दिया है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों के दौरान, भारत ने 74 हवाईअड्डे, वॉटरड्रोम और हेलीपोर्ट जोड़े, जिससे संख्या 149 हो गई। साल 2030 तक यह संख्या 200 के पार हो जाएगी।

एमएनजीएल ने कम-उत्सर्जन सुनिश्चित करने हीथ कंसल्टेंट्स से किया समझौता

ह्यूस्टन ।

गैस वितरक महाराष्ट्र नेचुरल गैस लिमिटेड (एमएनजीएल) ने अपने प्राकृतिक गैस उपयोगिता बुनियादी ढांचे में कम-उत्सर्जन सुनिश्चित करने के लिए अमेरिका स्थित हीथ कंसल्टेंट्स इनकॉर्पोरेटेड के साथ एक प्रौद्योगिकी स्तर का सहयोग किया है।

एमएनजीएल की ओर से जारी एक बयान के अनुसार यूएस-इंडिया लो एमिशन गैस टास्क फोर्स (एलईजीटी) के तहत हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) एमएनजीएल और हीथ को उत्सर्जन में कमी, भूमिगत उपयोगिता को होने वाले नुकसान को रोकने आदि के अवसरों की संयुक्त रुप से पहचान करने में मदद करेगा।

एमएनजीएल के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कंपनी के बयान में कहा कि इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से हम ऐसे पहचाने गए अवसरों को विशिष्ट कार्यान्वयन योग्य परियोजनाओं में बदलने के लिए काम करेंगे। एमओयू पर एमएनजीएल के निदेशक (वाणिज्यिक) संजय शर्मा और हेल्थ कंसल्टेंट्स के कार्यकारी उपाध्यक्ष पॉल वेह्र्ट ने हस्ताक्षर किए।

ह्यूस्टन में भारतीय महावाणिज्य दूत डीसी. मंजूनाथ की उपस्थिति में यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) की सहायता से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। मंजूनाथ ने कहा कि एजेंडा 2030 साझेदारी के साथ हाल के वर्षों में भारत और अमेरिका के बीच ऊर्जा सहयोग काफी गहरा हुआ है। भारत और अमेरिका के बीच ऊर्जा सहयोग के हिस्से के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूएस-भारत जलवायु एवं स्वच्छ ऊर्जा एजेंडा 2030 साझेदारी की घोषणा की है।

भारत पर बढ़ा दुनिया का भरोसा, वृद्धि दर 7 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली ।

भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में तेजी से उभर रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की रिपोर्ट में कहा गया है` कि हमारा आर्थिक गतिविधि सूचकांक (ईएआई) अब 2023-24 की तीसरी तिमाही के लिए सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7 प्रतिशत रखता है। पहले विकास दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया था। इसके अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था ने 2023-24 में उम्मीद से अधिक मजबूत वृद्धि दर्ज की, जो उपभोग से निवेश की ओर बदलाव के साथ-साथ पूंजीगत व्यय पर सरकार के जोर के साथ निजी निवेश में वृद्धि पर आधारित है। अर्थव्यवस्था की स्थिति पर रिपोर्ट के अनुसार प्रतिकूल आधार प्रभावों के कारण उच्च खाद्य मुद्रास्फीति के कारण दिसंबर में हेडलाइन मुद्रास्फीति में मामूली वृद्धि दर्ज की गई। साथ ही रिपोर्ट वैश्विक मंदी के कारण नकारात्मक जोखिमों को भी चिन्हित करती है। विशे व अर्थव्यवस्था को निकट भविष्य में विकास की भिन्न-भिन्न संभावनाओं का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि खुदरा और सेवा क्षेत्रों को ऋण देने से भारतीय बैंकों (एससीबी) की समेकित बैलेंस शीट में लगातार विस्तार हुआ है। उच्च शुद्ध ब्याज आय और कम प्रावधान ने शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) और लाभप्रदता को बढ़ावा दिया। सितंबर 2023 के अंत में सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (जीएनपीए) अनुपात 3.2 प्रतिशत होने के साथ परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी लगातार सुधार हुआ है। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की समेकित बैलेंस शीट का भी विस्तार हुआ, जिसका नेतृत्व किया गया दोहरे अंक की ऋण वृद्धि हुई, जबकि लाभप्रदता और परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ और सीआरएआर नियामक आवश्यकता से अधिक रहा।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें कई राज्यों में बदलीं

-ब्रेंट क्रूड 78.96 प्रति बैरल पर

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में मामूली गिरावट नजर आ रही है। शुक्रवार को शुरुआत में डब्ल्यूटीआई क्रूड गिरावट के साथ 73.89 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था, वहीं ब्रेंट क्रूड 78.96 प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। इस बीच देश में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। असम, आंध्रा प्रदेश, महाराष्ट्र समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल सस्ता हुआ है जबकि बिहार, जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान में ईंधन की कीमतें बढ़ी हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.77 रुपये और डीजल 89.94 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

इंडसइंड बैंक ने तीसरी तिमाही में 17.3 फीसदी का नेट मुनाफा कमाया

मुंबई । इंडसइंड बैंक ने तीसरी तिमाही के रिजल्ट्स जारी कर दिए हैं। इंडसइंड बैंक ने बताया कि 2,297.8 करोड़ रुपये के साथ बैंक ने अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 17.3 फीसदी का नेट मुनाफा हुआ है। पिछले साल की समान तिमाही में बैंक को 1,959.2 करोड़ रुपये का नेट मुनाफा दर्ज किया था। पिछले वर्ष की समान तिमाही की तुलना में कर्ज 20 प्रतिशत बढ़कर 3,27,057 करोड़ रुपये हो गया, जबकि जमा में 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। तिमाही के लिए नेट ब्याज आय 18 प्रतिशत बढ़कर 5,296 करोड़ रुपये हो गई। चालू वित्तवर्ष की तीसरी तिमाही में इंडसइंड बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (जीएनपीए) घटकर कुल कर्ज का 1.92 फीसदी रह गया। एक साल पहले की समान अवधि में एनपीए कुल कर्ज का 2.06 फीसदी था। दूसरी ओर, तिमाही में बैंक का नेट एनपीए भी घटकर 0.57 प्रतिशत रहा जो साल भर पहले 0.662 प्रतिशत था।

पेप्सिको ने जागृत कोटेचा को बनाया अपना नया सीईओ

नई दिल्ली ।

खाद्य एवं पेय पदार्थ कंपनी पेप्सिको ने भारत में नए नेतृत्व की घोषणा कर दी है। कंपनी ने जागृत कोटेचा को मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के रूप में भारतीय कारोबार का नेतृत्व करेंगे, जबकि अहमद अल शेख पश्चिम एशिया व्यापार इकाई का प्रभार संभालेंगे। पेप्सिको की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, कोटेचा अफ्रीका, मध्य-पूर्व और दक्षिण अफ्रीका के वर्तमान मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी हैं। वह अहमद अल शेख का स्थान लेंगे। बयान के अनुसार नेतृत्व में यह बदलाव पेप्सिको के दूरदर्शी वैश्विक दृष्टिकोण को दर्शाता है। एएमईएसए में नेतृत्व स्तर पर बदलाव की जानकारी भारतीय कार्यालय के कर्मचारियों को दी गई। पेप्सिको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (अफ्रीका, पश्चिम एशिया एवं दक्षिण एशिया) यूजीन विलेम्सन ने कहा कि भारत कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बना हुआ है, जो हमारी वैश्विक रणनीति में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले छह साल में अहमद ने व्यवसाय को बदलने, नवाचार को आगे बढ़ाने और चुनौतीपूर्ण परिदृश्यों में दल का नेतृत्व करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नई भूमिका में उनके साथ काम करने को उत्साहित हूं।कोटेचा का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि हम अपने भारतीय उपभोक्ताओं के साथ उनके नेतृत्व में सफलता की नई ऊंचाइयों को छूना जारी रखेंगे। पेप्सिको के पास पेप्सी, लेज़, कुरकुरे, ट्रॉपिकाना, गेटोरेड और क्वेकर जैसे ब्रांड हैं। इसने 1989 में भारतीय बाजार में प्रवेश किया जो यहां अब सबसे बड़े खाद्य तथा पेय व्यवसायों में से एक है।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त पर बंद हुआ। इसी के साथ ही गत तीन कारोबारी सत्र से जारी गिरावट रुक गयी। वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे के साथ ही वित्तीय और आईटी शेयरों में जमकर खरीददारी से बाजार ऊपर आया हालांकि एचडीएफसी बैंक सहित अन्य बैंकिंग शेयरों की गिरावट ने बाजार की तेजी पर अंकुश लगा दिया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स तकरीबन 0.70 फीसदी की बढ़त के साथ ही 71,683.23 के स्तन पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाले नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.75 फीसदी तकरीबन 160.15 अंक बढ़कर 21,622.40 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं सेंसेक्स की कंपनियों में भारती एयरटेल के शेयर आज बीएसई में इंट्रा डे कारोबार में 5 फीसदी बढ़कर 1,136 रुपये तक पहुंच गये। इसके साथ ही टाइटन, एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, विप्रो, इंफोसिस और आईटीसी समेत एचसीएल टेक के शेयर भी बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर बैंकिंग शेयरों में आज भी गिरावट आई। आईसीआईसीआई और एक्सिस बैंक को छोड़कर बीएसई सेंसेक्स में शामिल इंडसइंड बैंक, स्टेट बैंक, एचडीएफसी बैंक, कोटक बैंक के शेयरों में गिरावट रही। एचडीएफसी बैंक शेयर 1.08 फीसदी करीब 16.10 रुपये नीचे आकर 1470.70 पर बंद हुए। दूसरी ओर अमेरिकी शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। नैस्डैक 1.35 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। डॉव और एसएंडपी 500 भी 0.54 और 0.88 फीसदी ऊपर आये। इसके अलावा यूरोपीय बाजार भी बढ़त रही। इससे पहले आज सुबह दुनिया भर

के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ खुले।

बीएसई सेंसेक्स 600 अंक ऊपर आकर 71,786 पर और एनएसई निफ्टी 148 अंक बढ़कर 21,600 पर पहुंच गया। वहीं टेक एम, विप्रो, ऐक्सिस बैंक, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस और अल्ट्राटेक के शेयरों में 1-2 फीसदी की बढ़त रही। इसके अलावा निफ्टी में कोल इंडिया के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त रही। वहीं दूसरी ओर, इंडसइंड बैंक और अपोलो अस्पताल के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इसके अलावा बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में भी मजबूती आई और इनमें 0.8 फीसदी और 0.9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। निफ्टी आईटी, फाइनेंशियल और मीडिया सूचकांकों में 1 फीसदी से अधिक की बढ़त रही।

जलवायु और गरीबी की समस्याओं से निपटने तुरंत कदम उठाना चाहिए: विश्व बैंक प्रमुख

दावोस । विश्व बैंक प्रमुख अजय बंगा ने कहा कि जलवायु और गरीबी सहित आपस में जुड़े संकट का सामना कर रही दुनिया के लिए इससे निपटने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के एक सत्र में विश्व बैंक के अध्यक्ष ने कहा कि हमारे सामने जलवायु संकट की समस्या है। यह हमारे अस्तित्व को लेकर संकट है। हम जलवायु की परवाह किये बिना गरीबी उन्मूलन के बारे में नहीं सोच सकते। हम स्वास्थ्य देखभाल की परवाह किये बिना गरीबी उन्मूलन के बारे में नहीं सोच सकते। हम खाद्य असुरक्षा की परवाह किये बिना गरीबी उन्मूलन के बारे में नहीं सोच सकते। यह वास्तविकता है और हमारे सामने कई तरह के संकट हैं, जो आपस में जुड़े हैं। इससे बचने का एकमात्र तरीका इसके समाधान के लिए तत्काल कदम उठाना है। उनके अनुसार विश्व बैंक के वित्तपोषण का 45 प्रतिशत जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने प्रयासों पर खर्च किया जाएगा। इसके अलावा बैंक ने 2030 तक अफ्रीका में 10 करोड़ लोगों को नवीकरणीय ऊर्जा से जोड़ने, छोटे देशों को जलवायु आपदाओं की लागत को उठाने में मदद करने और कार्बन बाजारों से लाभ सुनिश्चित करने का आदि वादा किया है। उसी सत्र में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा कि इस दिशा में तत्काल उठाने की इस भावना को सरकारों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय संस्थानों को समझना होगा और पहल करनी होगी।

शेयर बाजार में अवकाश के दिन भी ट्रेडिंग....जाने क्यों

स्टॉक एक्सचेंज-बीएसई और एनएसई ने जारी किया था सर्कुलर

मुंबई।

शेयर बाजार में शनिवार को भी स्पेशल ट्रेडिंग होगी। बता दें कि शेयर बाजार में शनिवार और रविवार को साप्ताहिक अवकाश होता है। लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा। बीते दिनों स्टॉक एक्सचेंज-बीएसई और एनएसई की ओर से एक सर्कुलर जारी किया गया था। सर्कुलर के मुताबिक डिजास्टर रिकवरी (डीआर) साइट पर स्विच करने के लिए 2 विशेष लाइव सेशन आयोजित होगा। पहला सेशन सुबह 9:15 बजे शुरू होगा और यह सुबह 10:00 बजे समाप्त होगा। वहीं, दूसरा सेशन सुबह 11:30 बजे शुरू होकर 12:30 बजे बंद होगा।

दरअसल, ट्रेडिंग सेशन के द्वारा देखा जाएगा कि इमरजेंसी के हालात में सर्वर की कैपिबिलिटी कितनी है। इसके तहत स्टॉक एक्सचेंज डिजास्टर रिकवरी (डीआर) साइट का ट्रायल होगा। स्टॉक एक्सचेंजों का मकसद है कि विषम परिस्थिति में बिना किसी बाधा के ट्रेडिंग को जारी रखी जा सके। मान लो किसी साइबर अटैक, सर्वर क्रैश या अन्य परिस्थितियों में ट्रेडिंग को डिजास्टर रिकवरी (डीआर) साइट पर शिफ्ट कर दिया जाएगा। इससे मार्केट और निवेशकों में स्थिरता बनी रहेगी और ट्रेडिंग भी सुचारू रूप से चलता रहेगा।

सर्कुलर के मुताबिक शनिवार को इक्विटी और इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में प्राइमरी साइट से डिजास्टर रिकवरी साइट पर इंट्रा-डे स्विच के साथ विशेष लाइव ट्रेडिंग सेशन आयोजित किया जाएगा। इसकी टाइमिंग कुछ ऐसी होगी-

सुबह 9:00 बजे से 9:08 बजे तक प्री-ओपन सत्र होगा।

इसके बाद सामान्य बाजार सुबह 9:15 बजे खुलेगा और 10:00 बजे बंद हो जाएगा। इस दौरान ट्रेडिंग प्राइमरी वेबसाइट पर होगी।

दूसरा सेशन डीआर साइट पर

- प्री-ओपन सेशन सुबह 11:15 बजे शुरू होगा और यह 11:30 बजे समाप्त होगा।
- सामान्य बाजार सुबह 11:30 बजे खुलेगा और दोपहर 12:30 बजे बंद होगा।
- क्लोजिंग सेशन दोपहर 12:40 बजे से 12:50 बजे तक होगा।
- बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज यानी बीएसई की भी ट्रेडिंग टाइमिंग यही होगी।

भारत में सौदों का मूल्य 2023 में घटकर 66 अरब डॉलर रहा

मुंबई ।उच्च वृद्धि के बावजूद भारत में सौदों का मूल्य 2023 में आधे से अधिक घटकर 66 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। रिपोर्ट के अनुसार 2023 में 1,641 सौदे हुए। यह 2022 की तुलना में 20 प्रतिशत से अधिक की गिरावट है। रिपोर्ट में कहा गया है` कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में तरलता की कमी, अस्थिर बाजार की स्थिति और निवेशकों के सतर्क रुख ने 2023 में सौदा गतिविधियों में बाधा उत्पन्न की। भारत का स्थिरता तथा पर्यावरणीय जिम्मेदारी पर जोर उसे वैश्विक अर्थव्यवस्था में अवसरों के लिए एक आकर्षक केंद्र के रूप में स्थापित करता है। इसलिए हमें सबसे पहले मुद्रा की ताकत और वैश्विक अस्थिरता जैसी चुनौतियों पर काबू पाना होगा। रिपोर्ट के अनुसार 494 लेनदेन में विलय तथा अधिग्रहण (एमएंडए) सौदे का मूल्य 72 प्रतिशत गिरकर 25.2 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। घरेलू कंपनियों का विदेश में विलय तथा अधिग्रहण 3.2 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि 2022 में समान अवधि में यह 17.9 अरब अमेरिकी डॉलर था। रिपोर्ट में कहा गया कि सबसे बड़ा लेन-देन रियल एस्टेट क्षेत्र में सुरक्षा समूह द्वारा 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर में जेपी का अधिग्रहण था। सबसे बड़ा सौदा टेमासेक होल्डिंग्स का मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज में दो अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश था।

महाराष्ट्र सरकार ने वेब वर्क्स के साथ किया समझौता

मुंबई । महाराष्ट्र सरकार ने अगले पांच वर्षों में प्रदेश में एक विशाल आईटी, आईटीईएस डेटा सेंटर में निवेश के लिए वेब वर्क्स के साथ 10,000 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर गुरुवार रात को जानकारी दी कि दावोस में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। सीएमओ के अनुसार निवेश प्रस्ताव में 1,500 लोगों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न होगा। इससे पहले मुख्यमंत्री शिंदे ने बताया था कि दावोस में विश्व आर्थिक मंच में राज्य ने 3,53,675 करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं।

जैव उर्वकों से बढ़ती है फसल की गुणवत्ता

फसल उत्पादन में उर्वरकों की भूमिका विशेष महत्वपूर्ण है। आधुनिक सघन खेती में रासायनिक उर्वरकों तथा अन्य कृषि रसायनों के दिन प्रतिदिन बढ़ते हुए असंतुलित प्रयोग से भूमि की संरचना तथा उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इस बात ने हमें यह सोचने के लिए विवश कर दिया है कि हम प्रकृति के इस महत्वपूर्ण संसाधन भूमि की उर्वरता संरचना तथा पर्यावरण को लम्बे समय तक कैसे बचाये रखें।

दूसरी ओर विश्व व्यापार संगठन में भारत का प्रवेश होने से हमारे आगे न केवल अधिक फसल उत्पादन करने की बल्कि उत्कृष्ट गुणवत्ता बनाए रखने की भी चुनौती है। जैव उर्वरकों को पूरक के रूप में प्रयोग करने से रासायनिक उर्वरकों की क्षमता बढ़ती है साथ-साथ फसलों की उत्पादकता एवं गुणवत्ता में भी वृद्धि होती है।

क्या हैं जैव उर्वरक?

पर्यावरण के संरक्षण, भूमि की संरचना तथा उर्वरता को बचाए रखते हुए अधिक उत्पादन के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने ऐसे जीवाणुओं के उर्वरक तैयार किये हैं जो वायुमण्डल में उपलब्ध नत्रजन को पौधो को उपलब्ध कराते है तथा भूमि में पहले से मौजूद फास्फोरस आदि पोषक तत्वों को घुलनशील बनाकर पौधों को उपलब्ध कराते हैं।

यह जीवाणु प्राकृतिक हैं, रासायनिक नहीं इसलिए इनके प्रयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ती है और पर्यावरण पर विपरीत असर नहीं पड़ता। जैव उर्वरक रासायनिक उर्वरक का विकल्प नहीं है। इन्हें रासायनिक उर्वरकों के पूरक के रूप में प्रयोग करने से हम बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकते है।

कृषक भारती कोआपरेटिव लिमिटेड (कृभकों) द्वारा उत्पादित राइजोबियम कल्चर, एजेटो वैक्टर, एसीटो वैक्टर और पी.एस.एम. उपयोगी जैव उर्वरक हैं।

राइजोबियम कल्चर

इसके जीवाणु पौधों की जड़ो में गांठ बनाकर रहते हैं तथा वायुमण्डल में उपस्थित नाइट्रोजन को शोषित कर भूमि में स्थिरीकरण कर पौधों को उपलब्ध कराते है। ये जैव उर्वरक दलहनी फसलों जैसे अरहर, मूंग, उर्द, चना, मटर, मसूर, सोयाबीन आदि फसलों में उपयोग में लाये जाते है। प्रयोग के लिए यह ध्यान रखना चाहिये कि ये फसल विशेष के लिए अलग-अलग होते हैं और फसल का नाम पैकेट पर अंकित होता है।

एजेटो बैक्टर

यह जैव उर्वरक सभी अनाज गेहूं, जौ, जई ज्वार, बाजरा, मक्का, धान, सब्जी की फसलों, फूलों तथ अन्य फसलों जैसे गन्ना, कपास, तम्बाकू एवं पटसन आदि में प्रयोग में लाया जाता है। इसके जीवाणु पौधों की जड़ क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से रहते हुए वायुमण्डल की नाइट्रोजन का स्थिरीकरण कर पौधो को उपलब्ध कराते हैं।

एसीटो बैक्टर

यह जैव उर्वरक गन्ने की फसल के लिए उपयुक्त पाया गया है। जो गन्ने की फसल के लिए नत्रजन वाले उर्वरकों की लगभग 25-30 प्रतिशत की बचत करने में सहायक होता है, इसके प्रयोग से गन्ने की फसल से प्राप्त होने वाली चीनी के परते में 1-2 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

पी.एस.एम.

भारत की 80 से 90 प्रतिशत भूमि में फास्फोरस की कमी पाई जाती है। भूमि में फास्फोरस तत्व की पूर्ति हेतु प्रयोग किये जाने वाले उर्वरकों की मात्रा का लगभग 35-40 प्रतिशत भाग ही फसल उपयोग में ला पाती है, शेष भाग अघुलनशील अवस्था में भूमि के अन्दर बेकार पड़ा रहता है। जबकि फास्फेटिक उर्वरकों पर कृषकों की सबसे ज्यादा लागत आती है। पी.एस.एम. भूमि में अघुलनशील अवस्था में उपस्थित फास्फोरस तत्व को घुलनशील अवस्था में परिवर्तित कर पौधों को उपलब्ध कराता है। यह सभी प्रकार की फसलों में उपयोग किया जा सकता है।

बीज उपचार

इस विधि द्वारा राइजोबियम, एजोटो बैक्टर एवं पीएसएम जैव उर्वरकों का प्रयोग दलहन की फसलों, गेहूं, जौं, मक्का, बाजरा, राई, सरसों, तिल, सूरजमुखी आदि फसलों में किया जाता है। इस विधि में एक पैकेट का घोल लगभग 200-500 मिली. पानी में बनाकर 10 किलो बीज के ऊपर एक साथ छिड़क कर हाथ से अच्छी तरह मिलायें ताकि जैव उर्वरक की एक पतली परत बीज के सभी दानों पर बन जायें। उपचार के तुरन्त बाद छाया में सुखाकर बीज की बुवाई कर दें।

भूमि उपचार

इस विधि द्वारा एजेटो बैक्टर, एसीटो बैक्टर एवं पीएसएम जैव उर्वरकों का प्रयोग सभी खाद्यान्नों की फसलों, गन्ना, तिलहन फसलों, सब्जी फसलों, फूलों आदि में किया जा सकता है। इस विधि में जैव उर्वरकों की लगभग 2-5 कि.ग्रा. मात्रा को 100 कि.ग्रा. अच्छी प्रकार सड़ी गोबर की खाद या कम्पोस्ट में मिलाकर खेत की तैयारी के समय अन्तिम जुताई से पूर्व खेत में एक साथ छिड़क कर मिट्टी में मिला दें।

कन्द उपचार

आलू की फसल में एजोटो बैक्टर व पीएसएम का उपयोग करने के लिये प्रति हे.2 कि.ग्रा. जैव उर्वरकों को 20-25 लीटर पानी में घोल बनाकर उसमें बीज को 5 मिनट के लिये डुबोकर बुवाई करें। गन्ने की फसल में एसीटो बैक्टर के प्रयोग में लगभग 5 किलो जैव उर्वरक प्रति.हे. की आवश्कता पड़ती है।

जड़ उपचार विधि

यह विधि रोपाई वाली फसलों में प्रयोग की जाती है। इस विधि में 1-2 किग्रा. जैव उर्वरकों को 10-20 लीटर पानी में घोल बनाकर उसमें एक हेक्टेयर क्षेत्रफल के लिये रोपाई हेतु पौधों को रोपाई से पूर्व 10 मिनट के लिये जड़ो को डुबोकर रोपाई की जाती है।

जैव उर्वरकों के प्रयोग में सावधानियाँ

यह जीवित जीवाणुओं का मिश्रण है, इसलिए इन्हें तेज धूप, उच्च तापक्रम से सदैव बचाये रखें, अन्यथा उनके जीवाणु मरने शुरू हो जाते है। गर्मियों में भण्डारण के लिये मकान के कोने में रेत के अन्दर घड़े मे रख दें। रेत पर पानी छिड़कर कर भिगोते रहें। इस प्रकार अधिक तापक्रम के प्रभाव से जैव उर्वरकों को बचाया जा सकता है। पैकेट खरीदते समय उनकी निर्माण तिथि अवश्य देख लें और उनका उपयोग अन्तिम तिथि से पूर्व कर लें। पैकेट उपयोग के समय ही खोलें।

सदैव ध्यान रखें कि ये रासायनिक उर्वरकों के विकल्प नहीं है। फसलों की पोषक तत्वों की मांग की पूर्ति इनका रासायनिक एवं कार्बनिक खादों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर करें। फसल के लिये निर्धारित जैव उर्वरक ही प्रयोग करें। बीज शोधन में यदि रसायन का प्रयोग करना हो तो इनकी प्रयोग की जानी वाली मात्रा को निर्धारित मात्रा से दोगुना कर देना चाहिये और पहले रसायनों को प्रयोग करें उसके उपरान्त ही जैव उर्वरकों का प्रयोग करें। रासायनिक खादों में मिलाकर इनका प्रयोग कभी नहीं करना चाहिये। जैव उर्वरकों को सड़ी नमी युक्त गोबर की खाद अथवा कम्पोस्ट खाद के साथ मिलाकर प्रयोग करने से ही बेहतर परिणाम प्राप्त होते है। कृभको द्वारा हजीरा संयंत्र (गुजरात) वाराणसी संयंत्र (उत्तर प्रदेश) लांचा संयंत्र (महाराष्ट्र) में कुल 650 मैट्रिक टन जैव उर्वरकों का उत्पादन किया जाता है। ये जैव उर्वरक कृषक भारती सेवा केन्द्रों एवं सहकारी समितियों से प्राप्त किये जा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए कृभकों के नजदीकी प्रतिनिधि से भी सम्पर्क किया जा सकता है।

पीएम आवास योजना की बुजुर्ग महिला लाभार्थी ने सांसद को बताया 30 हजार की घूस दी

-सांसद ने कहा फौरन मामले को दिखवाइए

बदायूं । यूपी के बदायूं में हुई विकसित भारत संकल्प यात्रा का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें बीजेपी सांसद धर्मेंद्र कश्यप एक महिला लाभार्थी को पीएम आवास योजना के तहत घर की चाबी सौंप रहे हैं। घर की चाबी देते हुए सांसद बुजुर्ग महिला से पूछते हैं कि किसी ने पैसे (घूस) नहीं लिए? इसपर महिला ने कह दिया, हां लिए हैं, 30 हजार रुपये। बता दें कि बुजुर्ग लाभार्थी महिला उसावां नगर पंचायत की शारदा देवी हैं, जिन्हें बीजेपी सांसद कश्यप पीएम आवास योजना की चाबी सौंप रहे थे और तमाम लाभार्थियों से उनका अनुभव और भावनाएं जान रहे थे। तभी शारदा देवी को चाबी सौंपकर पूछा कैसा लग रहा है, किसी ने पैसे तब नहीं लिए। इस सवाल के जवाब में शारदा देवी ने कहा कि हां, आवास दिलवाने के नाम पर 30 हजार रुपये दिए थे। शारदा ने ये बात माइक पर बोली थी। जिस पर पहले सभी लोग हंसने लगे लेकिन सांसद ने उन्हें तुरंत टोककर कहा कि ये बहुत गंभीर मामला है। इस दिखवाइए। बीजेपी के कार्यक्रम के दौरान मंच पर सांसद धर्मेंद्र कश्यप, बदायूं सांसद संघमित्रा मौर्य, जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, पूर्व मंत्री सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, दातागंज विधायक राजीव कुमार सिंह समेत कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान पीएम आवास योजना के लाभार्थियों को चाबी सौंपने का कार्यक्रम चला। इसी क्रम में बुजुर्ग महिला शारदा देवी को बुलाया गया।

सिसोदिया को फिर बड़ा झटका...न्यायिक हिरासत 5 फरवरी तक बढ़ी

नई दिल्ली । दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कथित शराब घोटाला मामले में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को फिर बड़ा झटका दिया है। उनकी न्यायिक हिरासत 5 फरवरी तक बढ़ा दी गई है। साथ ही कोर्ट ने सीबीआई से जांच की स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने सिसोदिया के साथ-साथ अन्य आरोपियों की हिरासत भी 5 फरवरी तक बढ़ा दी है। शुक्रवार को उनकी न्यायिक हिरासत खत्म हुई थी, जिसके बाद उन्हें पेश किया गया था। कोर्ट ने मामले की सुनवाई कर सीबीआई से पूछा है कि मामले की जांच कहां तक पहुंची है। वहीं सुनवाई के दौरान कोर्ट ने जेल अधिकारियों को फटकार भी लगाई। दरअसल सिसोदिया को शुक्रवार को वर्चुअल तरीके से पेश किया गया था। इसकारण कोर्ट ने तिहाड़ जेल अधिकारियों को फटकार लगाकर पूछा कि सिसोदिया को व्यक्तिगत रूप से पेश क्यों नहीं किया गया। कोर्ट ने मामले में तिहाड़ जेल अधिकारियों से जवाब मांगा है और 5 फरवरी को सिसोदिया को कोर्ट में पेश फिजिकली पेश करने का आदेश दिया है। बता दें, मंगलवार को ही सिसोदियो एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती हुए थे। उन्हें आर्थोपेडिक परेशानियों के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इससे पहले सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट से भी झटका लग चुका है, जिसमें उनकी जमानत याचिका और फिर समीक्षा याचिका को भी खारिज किया जा चुका है।

सपा और रालोद के बीच हुआ गठबंधन, सात सीटों पर लड़ेगा रालोद

लखनऊ । उप्र विधानसभा चुनाव-2022 में गठबंधन कर चुनाव लड़ने वाली समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के बीच अब लोकसभा चुनाव को लेकर भी सहमति बन गयी है। साथ ही आगामी लोकसभा चुनावों से पहले समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल के बीच सीटों को लेकर तालमेल हो गया है। शुक्रवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और आरएलडी अध्यक्ष जयंत चौधरी ने राजधानी में मुलाकात की है। सपा की तरफ से राष्ट्रीय लोकदल को यूपी में 7 सीटें दी गई हैं। सपा ने आरएलडी को मेरठ, अमरोहा, कैराना, बागपत, मथुरा, मुजफ्फरनगर और बिजनौर सीट दी हैं। माना जा रहा है कि इन सीटों पर आरएलडी के वोटों का समीकरण काफी आसान है और इन पर जीत दर्ज की जा सकती है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) के जरिये गठबंधन की घोषणा की। अखिलेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राष्ट्रीय लोक दल और सपा के गठबंधन की सभी को बधाई। जीत के लिए सभी एकजुट हो जाएं, जुट जाएं।'' 'एक्स' पर सपा मुखिया अखिलेश यादव के ट्वीट को दोबारा पोस्ट करते हुए जयंत चौधरी ने 'एक्स' पर लिखा, ''राष्ट्रीय, संवैधानिक मूल्यों के रक्षा के लिए सदैव तत्पर, हमारे गठबंधन के सभी कार्यकर्ताओं से उम्मीद है, अपने क्षेत्र के विकास और खुशहाली के लिए कदम मिलाकर आगे बढ़ें।'' वहीं, यहां यह भी उल्लेखनीय है कि फिलहाल अभी तक इंडिया गठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर सपा और कांग्रेस के बीच स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। पिछले चुनावों में आरएलडी ने तीन सीटों पर चुनाव लड़ा था। जबकि इस बार सपा की तरफ से उसे सात सीटें दी गई हैं।

देश में अमीर और गरीब सभी बच्चों को समान शिक्षा मिले : केजरीवाल

नई दिल्ली । दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि देश के अंदर अमीर और गरीब सभी बच्चों को एक समान शिक्षा मिलनी चाहिए। केजरीवाल ने एक्सीलेंस इन एजुकेशन अवार्ड 2023 समारोह में 10वीं और 12वीं परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 218 बच्चों और स्कूलों को पुरस्कृत करने के दौरान यह बातें कहीं। उन्होंने कहा, देश के हर बच्चे को अगर अच्छी शिक्षा दे दी जाए, तब यह बच्चे ही देश को विकसित बना देने वाले हैं। दिल्ली में हमने सभी बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर यह दिखा दिया है। देश के अंदर अमीर और गरीब सभी बच्चों को एक समान शिक्षा मिलनी चाहिए। हमारी सरकार ने दिल्ली के अंदर सभी बच्चों को एक जैसी शिक्षा उपलब्ध कराने की उपलब्धि हासिल कर लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के अंदर आई शिक्षा क्रांति का श्रेय सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को जाता है। दिल्ली सरकार के स्कूलों में 60-70 हजार शिक्षक काम करते हैं हमारी सरकार ने सरकारी स्कूलों में अच्छा माहौल दिया। वर्तमान में दिल्ली के सरकारी स्कूलों के अंदर सर्वश्रेष्ठ सुविधाएं हैं। शिक्षकों को सम्मान मिलता है। इतना ही नहीं शिक्षकों को प्रशिक्षण के लिए आईआईएम और विदेशों में भेजा जाता है। इस मौके पर शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा, हम अपने स्कूलों में जो देख रहे हैं, वह सिर्फ आज की तस्वीर नहीं है, बल्कि आने वाले सालों में हमारे देश की क्या तस्वीर होने वाली है, वह दिखाती है। आज हमारे स्कूलों में पढ़ाई का जो माहौल है। बच्चों में जिस एक्सीलेंस को देख रहे है। शिक्षकों के टीचिंग-लर्निंग के तरीकों में जो बदलाव देख रहे हैं, इन सब पर बहुत गर्व होता है।

सोनोग्राफी की गलत रिपोर्ट देने पर जुर्माना 15 लाख रुपये का

नई दिल्ली। मेडिकल रिपोर्ट गलत देने वाले पर उपभोक्ता फोरम ने सख्ती दिखाते हुए लाखों का जुर्माना भरने को कहा है। दरअसल गर्भवती महिला की अल्ट्रा सोनोग्राफी टेस्ट रिपोर्ट गलत देने को लेकर राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग ने डॉक्टर और अस्पताल पर साढ़े सात-साढ़े सात लाख यानी कुल 15 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। यह राशि पीड़ित महिला को मुआवजे के तौर पर देने को कहा गया है। जानकारी अनुसार राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग के एपी शाही की अध्यक्षता वाली पीठ का कहना है कि अल्ट्रा सोनोग्राफी इसलिए कराई जाती है, ताकि गर्भ में पल रहे शिशु के शारीरिक विकास में विकार संबंधी जानकारी से अवगत हुआ जा सके। ऐसे में डॉक्टर व संबंधित अस्पताल की रिपोर्ट में बच्चे के लिंब को नार्मल बताना, जबकि ऐसा नहीं था। पीठ ने माना कि सोनोग्राफी टेस्ट करते समय घोर लापरवाही बरती गई थी, जिसकी वजह से बच्चा अपंग पैदा हुआ। उस बच्चे के घुटनों के नीचे से दोनों पैर नहीं थे और एक हाथ भी कुहनी के नीचे से गायब था। इस हालत में बच्चा जीवनभर स्पेशल नर्स केयर में रहेगा। इसकी वजह से उसके माता-पिता को भी जीवन भर मानसिक प्रताड़ना सहने को मजबूर होना पड़ा। इस लापरवाही को गंभीर मानते हुए पीठ ने कहा कि इसे नकारा नहीं जा सकता। अंत-राष्ट्रीय आयोग ने इस मामले में राज्य उपभोक्ता आयोग द्वारा डॉक्टर व अस्पताल पर लगाए गए 75-75 हजार रुपए के जुर्माने को नाकाफी बताया और उसे कुल 15 लाख रुपये बतौर जर्माना भरने को कहा है।

दिल्ली के पीतमपुरा इलाके में घर में आग, 5 लोंगों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के पीतमपुरा इलाके में गुरुवार को एक घर में आग लगने से 3 महिलाओं और दो पुरुषों की मौत हो गई। अग्निशमन सेवा के निदेशक अतुल गर्ग के अनुसार रात 8.07 बजे जेडपी ब्लॉक से एक घर में आग लगने की सूचना मिली थी। आग 4 मंजिली इमारत की ऊपरी मंजिल और पहली मंजिल पर लगी थी। गर्ग ने बताया कि हमने 7 लोगों को घर से निकालकर अस्पताल पहुंचाया जिनमें से 4 लोगों के मरने की आशंका है। आग बुझ गई है।

सीएम हिमंत बिस्वा शरमा और राहुल गांधी के बीच जुबानी जंग, दोनों ने एक दूसरे को बताया भ्रष्ट

गुवाहाटी (एजेंसी)। सियासी जंग में एक दूसरे को भ्रष्ट बताना सबसे आसान है। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने गांधी परिवार को देश का सबसे भ्रष्ट परिवार है बताया है। साथ ही कहा है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा नहीं है वो मियां यात्रा है। राहुल वहीं जा रहे हैं जहां सबसे ज्यादा मुसलमान रह रहे हैं। इधर राहुल गांधी ने असम की हेमंत बिस्वा शरमा सरकार पर हमला बोलते कहा है कि देश की सबसे भ्रष्ट असम सरकार है।

मियां असम में बांग्ला भाषी मुसलमानों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द है। इससे पहले गुरुवार को राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा नगालैंड से असम में प्रवेश कर गई।दिन की शुरुआत में यात्रा को औपचारिक रूप देते हुए, असम के शिवसागर जिले में ध्वज सौंपने का समारोह हुआ। नगालैंड कांग्रेस के अध्यक्ष ने असम कांग्रेस अध्यक्ष को ध्वज सौंपा। यात्रा के दौरान राज्य बदलते ही ध्वज सौंपने की रस्म चलती रहेगी।राहुल गांधी ने कहा, भाजपा-आरएसएस देश और हर राज्य में अन्याय कर रहे हैं। चाहे वह राजनीतिक, सामाजिक या आर्थिक अन्याय हो। मणिपुर नागरिकों के बीच खूनी संघर्ष नौ महीनों से झेल रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अभी तक इस क्षेत्र का दौरा नहीं किया है, जैसे यह राज्य देश का हिस्सा ही न हो। नगालैंड में पीएम मोदी ने महत्वपूर्ण वादे किए थे। नौ साल पहले उन्होंने रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। आज, नगालैंड में कई लोग यह जानने को उत्सुक हैं कि उस समझौते का क्या हुआ।उन्होंने कहा, असम भी इसी तरह हालात का सामना कर रहा है। असम में यकीनन, भारत की सबसे भ्रष्ट सरकार है। नगालैंड में हमें बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और मैं असम में भी ऐसी ही उम्मीद कर रहा हूं।राहुल गांधी ने कहा कि श्रीमंत शंकरदेव ने सभी को एक साथ लाने की कोशिश की थी और भारत जोड़ो न्याय यात्रा भी वही काम कर रही है।

पीएम मोदी की लोगों से अपील, 22 जनवरी को घरों में राम ज्योति जलाएं

सोलापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के सोलापुर में अमृत 2.0 योजना का उद्घाटन किया। अमृत 2.0 योजना के तहत देश के सभी वैधानिक कस्बों में सभी घरों में कार्यात्मक नल के माध्यम से जल आपूर्ति की सार्वभौमिक कवरेज और सीवरेज/सेप्टेज प्रबंधन की कवरेज प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। वहीं इस मौके पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया, राज्यपाल रमेश बैस और उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस और अजित पवार भी मौजूद रहे। सोलापुर में पीएम मोदी ने कहा कि मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर के उद्घाटन का जश्न मनाने के लिए अपने मोबाइल फोन की फ्लैश लाइट जलाएं और अपने घरों में दीप जलाएं। मैं भगवान राम से प्रार्थना करता हूं कि वह आप सभी को खुश रखें। हम सत्ता में आने के बाद पहले दिन से ही देश में सुशासन और रामराज लाने की कोशिश कर रहे हैं। हम गरीबों के कल्याण, श्रमिकों के सम्मान में विश्वास करते हैं; मैं आपसे कहना चाहता हूं कि हमेशा बड़े सपने देखें। ये मेरी गारंटी है, आपके सभी सपने पूरे होंगे।

खड़गे ने कहा, एक राष्ट्र, एक चुनाव विचार का हम विरोध करते हैं

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हम 'एक राष्ट्र, एक चुनाव विचार का विरोध करते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि इस विचार को दरकिनार कर हाई पावर कमेटी को तत्काल भंग करे। कांग्रेस प्रमुख खड़गे ने इस बाबत 'वन नेशन वन इलेक्शन' के लिए उच्च स्तरीय समिति के सचिव को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र में कहा है कि कांग्रेस 'वन नेशन वन इलेक्शन' के विचार का कड़ा विरोध करती है।

दरअसल, खड़गे का यह पत्र उस वक्त में आया है, जब बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर उच्च स्तरीय समिति के प्रमुख रामनाथ कोविंद ने एक साथ चुनाव कराने के मुद्दे पर पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्तों (सीईसी) और सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के साथ विचार-विमर्श शुरू किया। उनकी बैठकें समिति द्वारा इस मुद्दे पर जनता की राय मांगने के कुछ दिनों बाद हुई हैं।

उच्च स्तरीय समिति प्रमुख पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने दिल्ली में मद्रास उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मुनीश्वर नाथ भंडारी से मुलाकात की। बयान में कहा गया कि एक राष्ट्र एक चुनाव पर विचार-विमर्श जारी रख उच्चस्तरीय समिति के अध्यक्ष कोविंद ने दिल्ली उच्च न्यायालय की पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गोरला रोहिणी और पूर्व सीईसी सुशील चंद्रा के साथ चर्चा की।

जब चंद्रा और न्यायमूर्ति रोहिणी ने कोविंद से मुलाकात की तब विधि सचिव नितेन चंद्रा भी मौजूद थे। चंद्रा उच्च स्तरीय समिति के सचिव भी हैं। बयान में कहा गया है कि परामर्श प्रक्रिया आने वाले दिनों में भी जारी रहेगी। सूत्रों ने कहा कि चंद्रा ने एक साथ चुनाव कराने के विचार का समर्थन कर कहा कि इससे शासन को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी क्योंकि सरकारों को नीतियां बनाने और लागू करने के लिए अधिक समय मिलेगा।

उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से जनता की असुविधा कम होगी, मानव संसाधनों के उपयोग में सुधार होगा और बार-बार चुनाव कराने पर होने वाले खर्च में कमी आएगी। समिति पहले ही इस मुद्दे पर जनता और राजनीतिक दलों से सुझाव मांग चुकी है और उनपर विचार कर चुकी है। सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालयों के पूर्व मुख्य न्यायाधीशों, संवैधानिक विशेषज्ञों और पूर्व सीईसी सहित प्रख्यात न्यायविदों से भी उनके विचार जानने के लिए संपर्क किया गया है। पिछले साल सितंबर 2023 में गठन के बाद से समिति की अब तक दो बैठकें हो चुकी हैं। समिति ने हाल में राजनीतिक दलों को पत्र लिखकर एक साथ चुनाव कराने के विचार पर उनकी राय मांगी थी और 'परस्पर सहमत तिथि' पर बातचीत के किए कहा था। बाद में समिति ने पार्टियों को एक अनुस्मारक भेजा था।

महुआ मोइत्रा को नहीं मिली राहत... खुद खाली किया सरकारी बंगला

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीएमसी नेता और पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा ने नई दिल्ली में 9बी टेलीग्राफ लेन स्थित सरकारी बंगले को शुक्रवार सुबह 10 बजे तक खाली कर दिया। गुरुवार को उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट से उस समय झटका लगा, जब कोर्ट ने खाली करने के आदेश के खिलाफ दायर याचिका को खारिज किया था। शुक्रवार को बेदखली की कार्रवाई होनी थी, लेकिन उसके पहले ही उन्होंने उस बंगले को खाली कर दिया। महुआ के वकील शादान फरासत ने इसकी जानकारी दी है।

बता दें कि दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को टीएमसी नेता महुआ की सरकारी आवास खाली कराने की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी। इसके पहले मोइत्रा को नई दिल्ली में सरकार द्वारा आवंटित आवास खाली करने के लिए नया नोटिस मिला था।

आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत संपत्ति निदेशालय ने महुआ मोइत्रा को तीन-तीन नोटिस भेजा था। उन्हें अपना आधिकारिक बंगला खाली करने को कहा गया था। यह नोटिस उन्हें लोकसभा से निष्काषित किए जाने के बाद भेजा गया था। शहरी विकास मंत्रालय ने इस साल 11 जनवरी को महुआ को दूसरा नोटिस दिया था। टीएमसी नेता ने दिल्ली में उनके सरकारी आवास रद्द करने वाले संपत्ति निदेशालय द्वारा जारी नोटिस रद्द करने की मांग करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

चिकित्सा कारणों का हवाला देकर निष्कासित लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने दिल्ली हाईकोर्ट से आग्रह किया था कि उनके निष्कासन के बाद आवंटन रद्द होने पर अधिकारियों को उन्हें सरकारी बंगले से बेदखल करने से रोका जाए। टीएमसी नेता ने अनुरोध किया था कि फिलहाल उन्हें सरकारी आवास से बाहर न निकले क्योंकि वह अकेली महिला हैं। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। मोइत्रा के वकील ने कहा कि उनकी सर्जरी हुई है। वह एक निजी अस्पताल में भर्ती हैं। डॉक्टरों ने उन्हें आराम की सलाह दी है।

गुजरात कांग्रेस को एक और झटका, सीजे चावडा ने विधानसभा की सदस्यसता दिया इस्तीफा

अहमदाबाद (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव से पहले गुजरात कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा है। मेहसाणा की विजापुर क्षेत्र से विधायक सीजे चावडा ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है और उनके जल्द ही भाजपा जॉइन करने की चर्चा है7 2022 में विधानसभा चुनाव जीतने वाले कांग्रेस के 17 विधायकों में सीजे चावडा की गिनती दिग्गज नेताओं में होती थी। बतौर विपक्ष सीजे चावडा सरकार के खिलाफ मजबूती के साथ अपनी बात रखते थे। लेकिन अब सीजे चावडा का इस्तीफा कांग्रेस के लिए बड़ी चिंता का विषय है और वह भी ऐसे समय जब लोकसभा चुनाव के आडे गिनती के दिन रह गए हैं।

बता दें कि इससे पहले आणंद जिले की खंभात निर्वाचन क्षेत्र के विधायक चिराग पटेल भी विधानसभा की सदस्यता समेत कांग्रेस से इस्तीफा दे चुके हैं। कांग्रेस ही नहीं आम आदमी पार्टी (आप) के भी एक विधायक ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। इतना ही नहीं आप के एक अन्य विधायक के भी जल्द ही इस्तीफा देने की संभावना है। इसी सप्ताह तीन निर्दलीय विधायक बी इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल होने वाले हैं। संभावना है कि अगले सप्ताह कांग्रेस और आप में इस्तीफों का दौर जारी रह सकता है। गुजरात भाजपा राज्य की सभी 26 सीटें और वह भी 5 लाख की लीड से जीतना चाहती है और इसके लिए उसने पूरी ताकत झोंक दी है। भाजपा लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को ज्यादा से ज्यादा कमजोर करना चाहती है।

भाजपा ने पिछले काफी समय से अपने नेताओं को कांग्रेस और आप के विधायकों को तोड़ने का टास्क दिया है। भाजपा ने पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष भरत बोधरा समेत 6 नेताओं को यह टास्क सौंपा है। लोकसभा चुनाव निकट हैं और गुजरात में दल बदल के मौसम की शुरुआत हो चुकी है। कांग्रेस और आप के एक के बाद एक विधायकों के इस्तीफे स्पष्ट हो जाता है कि भाजपा अपना लक्ष्य पाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। आज सीजे चावड़ा के इस्तीफे से 182 सीटों गुजरात विधानसभा कांग्रेस विधायकों की संख्या घटकर 15 रह गई है। जबकि आप के 4 विधायक रह गए हैं7 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 156, कांग्रेस ने 17 और आप ने 5 सीटों पर जीत दर्ज की थी।

लाल सागर में व्यापारिक समूहों पर हमला, चिंतित भारत ने कहा, हम स्थिति पर बनाए हुए हैं नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमन के विद्रोही समूह हूती ने लाल सागर में व्यापारिक समूहों पर हमला किया है, जिससे तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बीच यमन में राष्ट्रपति परिषद के उप नेता ने विदेशी मदद भी मांगी है। उन्होंने कहा कि सैन्य बलों के अभियान के खिलाफ वे जमीनी अभियान शुरू करना चाहते है। बता दें कि हूती ने 19 जनवरी की सुबह दावा किया है कि अदन की खाड़ी में एक अमेरिकी जहाज पर उनकी नौसेना ने हमला किया है।

दावे के बाद अमेरिका भी चुप नहीं रहा और हूती ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि जिस मिसाइल से हमला हुआ वहां अमेरिकी जहाज को छूने से चूक गई।

बता दें कि ये एक सप्ताह में दूसरा मौका है, जब अमेरिका द्वारा हूती एंटी शिप मिसाइलों के खिलाफ ताजा हमले शुरू होने के एक दिन बाद ही हूतियों ने उसके जहाज पर हमला किया है। भारत ने लाल सागर में उभरती सुरक्षा स्थिति को ''गंभीर चिंता का विषय बताकर कहा कि वह क्षेत्र में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के घटनाक्रम पर पैनी नजर रख रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल की यह टिप्पणी उस वक्त आई है, जब अदन की खाड़ी में मार्शल द्वीप के ध्वज वाले एक वाणिज्यिक जहाज पर ड्रोन हमला होने के बाद भारतीय नौसेना का मिसाइल विध्वंसक पोत आईएनएस विशाखापत्तनम' तुरंत मदद के लिए आगे आया, जहाज पर नौ भारतीयों सहित चालक दल के 22 सदस्य सवार थे। जायसवाल ने कहा, ''हम पूरी स्थिति को लेकर बेहद चिंतित हैं। यह न केवल भारत के लिए बल्कि दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है। वह लाल सागर की स्थिति पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे। लाल सागर का रणनीतिक महत्व है क्योंकि वैश्विक व्यापार का लगभग 15 प्रतिशत बाब अल-मंडब जलडमरूमध्य के माध्यम से गुजरता है।

बिहार के बाद इस राज्य ने भी शुरू किया जाति सर्वेक्षण, 10 दिनों में 16 मिलियन से अधिक को किया जाएगा कवर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को लोगों का एक व्यापक जाति-आधारित डेटाबेस बनाने के उद्देश्य से 'जाति सर्वेक्षण' की 10-दिवसीय लंबी कवायद शुरू की, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि इसके द्वारा शुरू की गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लक्षित लाभार्थियों तक पहुंचे। जाति सर्वेक्षण की शुरुआत वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी द्वारा विजयवाड़ा में डॉ. बी आर अंबेडकर की 125 फुट ऊंची प्रतिमा के अनावरण के साथ हुई, जिसे दलित समुदाय पर प्रभाव डालने के लिए 'सामाजिक न्याय की प्रतिमा' नाम दिया गया है।

राज्य के पिछड़ा वर्ग कल्याण और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री सीएच श्रीनिवास वेणुगोपाल कृष्णा ने गुरुवार शाम राजमुंदरी में संवाददाताओं से कहा कि बिहार के बाद व्यापक जाति सर्वेक्षण करने वाला आंध्र प्रदेश देश का दूसरा राज्य होगा। कृष्णा ने कहा कि इससे राज्य सरकार को सबसे पिछड़े वर्गों की पहचान करने में मदद मिलेगी ताकि कल्याणकारी योजनाओं को लक्षित लाभार्थियों तक पहुंचाया जा सके। मंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित करने की व्यवस्था की गई है कि तीन लाख से अधिक गांव और वार्ड सचिवालय कर्मचारियों और स्वयंसेवकों की मदद से घर-घर सर्वेक्षण के माध्यम से डेटा सटीक रूप से एकत्र किया जाए। राज्य के प्रमुख सचिव (योजना) एम गिरिजा शंकर ने कहा कि ये गांव और वार्ड सचिवालय कर्मचारी और स्वयंसेवक 19 जनवरी के बीच कुल मिलाकर 12.30 मिलियन परिवारों को कवर करेंगे, जिनमें ग्रामीण क्षेत्रों में 3.56 करोड़ आबादी और शहरी क्षेत्रों में लगभग 1.3 करोड़ आबादी वाले 4.44 मिलियन परिवार शामिल हैं।

मौसम विभाग ने बताए कारण.... जिसके चलाते उत्तर भारत में पड़ रही भीषण सर्दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में साल 2024 में ठंड का रूप कुछ बदला-बदला दिख रहा है। इस बार पहाड़ पर बर्फ नहीं है, मैदानी इलाकों में बारिश नहीं है, लेकिन ठंड ने फिर भी आफत मचा रखी है। इस बार उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में भीषण शीतलहर का सितम है। यहां 29 दिसंबर से अधिकतम तापमान सामान्य से 5-8 डिग्री सेल्सियस नीचे गिर गया, जिससे कंपकंपा देने वाली ठंड पड़ी।

29 दिसंबर से लगातार सूरज गायब रहा और शीतलहर और कोहरा अपने शबाब पर रहे। 7-8 जनवरी के दौरान थोड़ी राहत महसूस की गई, जो कि पश्चिमी विक्षोभ से प्रभावित थी, लेकिन 8 जनवरी के बाद फिर ठंड की वहीं स्थिति लौट आई। इसके साथ ही 12 से 17 जनवरी के बीच उत्तर पश्चिम भारत के कई इलाकों में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया।

14 जनवरी को कोहरे की चादर अपने चरम पर पहुंच गई, जिससे उत्तर भारत के मैदानी इलाके अमृतसर से डिब्रूगढ़ और पूरे हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार में विजिबिलिटी जीरो हो गई। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर पश्चिम भारत पर किसी भी सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ की कमी, प्रचलित अल-नीनो की स्थिति और एक मजबूत जेट स्ट्रीम शामिल है। आमतौर पर दिसंबर से जनवरी तक उत्तर पश्चिम भारत में 5-7 वेस्टर्न डिस्टर्बेंस होते हैं। जो जमा देने वाली ठंड को कम करते हैं। हालांकि, इस सर्दी में इसबार वेस्टर्न डिस्टर्बेंस अनुपस्थित रहे। इस बार केवल दो वेस्टर्न डिस्टर्बेंस दिखाई दिए। एक दिसंबर में और दूसरा जनवरी में जिनका प्रभाव गुजरात, उत्तरी महाराष्ट्र, पूर्वी राजस्थान और मध्य प्रदेश तक सीमित रहा। इसके अलावा पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में सामान्य से कम बारिश होने से कड़ाके की ठंड और बढ़ गई है। इस क्षेत्र में बारिश और बर्फबारी में भारी कमी देखी गई, जो औसत से लगभग 80 प्रतिशत कम थी, जिससे शीतलहर की तीव्रता बढ़ गई। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस में कमी को भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर के ऊपर प्रचलित अल-नीनो स्थितियों के लिए भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। यह घटना उत्तर भारत में कम शीतलहर के दिनों को दर्शाती है, यह प्रवृत्ति वर्तमान मौसम में भी ध्यान देने योग्य है।

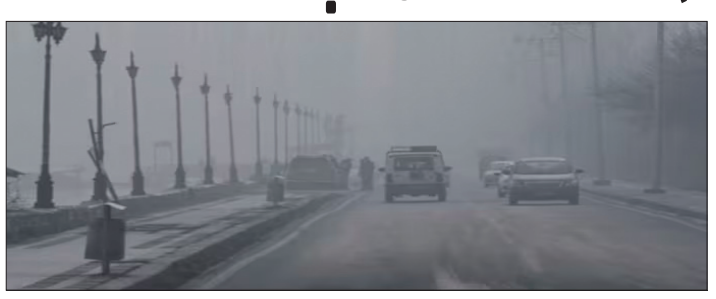

इसके अलावा उत्तर भारत में समुद्र तल से 12 किमी ऊपर, लगभग 250-320 किमी प्रति घंटे की गति से चलने वाली तेज जेट स्ट्रीम हवाओं ने ठंड के मौसम को बढ़ा दिया है। मजबूत जेट स्ट्रीम पैटर्न जारी रहने की संभावना है, जिससे अगले कुछ दिनों तक उत्तर भारत में लगातार ठंड पड़ने का अनुमान है।

अमेरिका से जापान खरीदेगा 400 टॉमहॉक मिसाइल

टोक्यो। चीन और उत्तर कोरिया की तरफ से मिल रही चुनौतियों के बीच जापान ने अमेरिका से 4 सौ टॉमहॉक मिसाइल खरीदने का निर्णय लिया है। इसके लिए जापान ने गुरुवार को अमेरिका के साथ 400 लैंड बेस्ड टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों को खरीदने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसका मकसद चीन और उत्तर कोरिया को ध्यान में रखते हुए अपने डिफेंस को और मजबूत बनाने की ओर बड़ा कदम उठाया है। अमेरिकी विदेशी सैन्य बिक्री कार्यक्रम के माध्यम से हुए सौदे के अनुसार, जापान उपकरण खरीदने के लिए लगभग 1.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान करेगा। जापानी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक जापान अगले साल अप्रैल से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष 2025 से तीन साल में भुगतान करेगा। जापान वित्तीय वर्ष 2026 और 2027 में नई टॉमहॉक ब्लॉक-5 मिसाइलें प्राप्त करने और उन्हें अपने समुद्री आत्मरक्षा बल एजिस विध्वंसक पर तैनात करने की योजना है। हालांकि, जापान ने अक्टूबर में, पिछले एडिशन, पुराने ब्लॉक-4 मॉडल की 200 तक खरीद करके एक साल पहले खरीदारी शुरू करने का फैसला किया था। जापान में अमेरिकी राजदूत रहम इमानुएल ने कहा कि अमेरिकी सेनाएं मार्च की शुरुआत में जापान के आत्मरक्षा बलों को टॉमहॉक्स का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षण देना शुरू कर देंगी। टोक्यो में जापानी रक्षा मंत्री मिनोरू किहारा के साथ अधिग्रहण के संबंध में दस्तावेजों का आदान-प्रदान करते समय उन्होंने यह बयान दिया।रिपोर्ट के अनुसार, किहारा ने कहा कि जापानी सरकार ने टॉमहॉक्स की खरीद को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है, जिसकी मारक क्षमता लगभग 1,600 किलोमीटर है, यह बढ़ते गंभीर सुरक्षा माहौल के जवाब में लिया गया था।

अमेरिकी सिंगर ने फिर की पीएम मोदी की तारीफ, कहा-अमेरिका चाहता है कि फिर पीएम बनें मोदी

नई दिल्ली। अमेरिकी सिंगर मैरी मिलबेन ने एक बार फिर मोदी की तारीफ की है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा है कि भारत ही नहीं बल्कि अमेरिका में भी बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फिर पीएम बनना देखना चाहते हैं। उन्होंने भारत में होने वाले आम चुनाव 2024 में पीएम मोदी की जीत की भविष्यवाणी तक कर दी है। साथ ही उन्होंने भारत की नीतियों को भी सराहा है।

खास बात है कि बीते साल जून में पीएम मोदी के अमेरिका दौरे पर उन्होंने राष्ट्रगान जन गण मन भी गाया था। भारत में भी उनके प्रशंसक बड़ी संख्या में हैं। मिलबेन ने कहा, मैं यह निश्चित रूप से कह सकती हूं कि अमेरिका में प्रधानमंत्री के लिए काफी समर्थन है। मेरा मानना है कि कई लोग चाहते हैं कि वह दोबारा प्रधानमंत्री चुने जाएं, क्योंकि वह भारत के लिए सबसे अच्छे नेता हैं।उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि यह चुनावी मौसम अमेरिका, भारत और पूरी दुनिया के लिए सबसे जरूरी चुनावी मौसम में से एक होने वाला है। ऐसे में नागरिक होने के तौर पर हमारे ऊपर भी बड़ी जिम्मेदारी है। भारत में मेरे प्यारे परिवारों को प्रोत्साहित करती हूं कि इस बार चुनाव में सुनिश्चित करें कि आपका वोट और आवाज सुनी जाए। उन्होंने कहा, यह कोई राज नहीं है... पूरा भारत जानता है कि मैं प्रधानमंत्री की बड़ी समर्थक हूं और मानती हूं कि वह भारत के लिए सबसे अच्छे नेता हैं और भारत-अमेरिका रिश्तों के लिए अच्छे नेता हैं। यही समय है जब हम नागरिक होने के तौर पर मुखर रहे, अपनी बातें साझा करें, उन नीतियों को साझा करें जो हमारे देश और हमारे नेताओं के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा, हम सभी जानते हैं कि कैसे प्रधानमंत्री की नीतियों ने नक्शे पर भारत को असली आर्थिक खिलाड़ी के तौर पर स्थापित किया है।जहां तक इसके अमेरिका से संबंधित होने की बात है, वह सबसे अच्छे नेता हैं। कोई कॉम्पिटीशन है ही नहीं। मैं उम्मीद करती हूं कि उन्हें दोबारा चुना जाएगा, ताकि भारत और अमेरिका के रिश्ते आगे और भी मजबूत होते जाएं।हमारे पास हमारे देश में बदलाव लाने की शक्ति है।उन्होंने भारत की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू का भी जिक्र किया। साथ ही कैबिनेट में महिला नेताओं को शामिल करने को लेकर भी पीएम की जमकर तारीफ की।

पाकिस्तान में निष्पक्ष मतदान कराने सात सदस्यीय समिति गठित

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकड़ ने देश में आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव में निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए सात सदस्यीय समिति गठित की है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि संचार, रेलवे तथा समुद्री मामलों के अंतरिम मंत्री शाहिद अशरफ तरार को समिति का प्रमुख बनाया गया है। समिति के अन्य सदस्यों में गृह सचिव, चार प्रांतीय मुख्य सचिव शामिल हैं। अधिसूचना के अनुसार समिति को चुनाव में सुरक्षा इंतजाम की निगरानी, चुनावों के सुचारू संचालन के लिए प्रशासनिक व्यवस्था और समन्वय से संबंधित मामलों की समीक्षा और समाधान करना जैसी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना है। काकड़ पर देश में निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कराने की जिम्मेदारी है लेकिन उनपर सेना समर्थित राजनीतिक दलों के पक्ष में काम करने के लगातार आरोप लगते रहे हैं।

मालवाहक विमान में लगी आग, हुई आपातकालीन लैंडिंग

वाशिंगटन । एटलस एयर के मालवाहक विमान को अमेरिका के मियामी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी, क्योंकि प्रस्थान के तुरंत बाद इंजन में हवा में आग लग गई। एटलस एयर के हवाले से कहा गया कि चालक दल ने सभी मानक प्रक्रियाओं का पालन कर सुरक्षित रूप से एमआईए लौट आए। कार्गो कंपनी ने कहा कि वह गुरुवार देर रात हुई घटना का कारण निर्धारित करने के लिए निरीक्षण करेगी। एक्स पर असत्यापित वीडियो में उड़ान के दौरान विमान के बाएं पंख से आग की लपटें निकलती दिख रही हैं। इसमें शामिल विमान बोइंग था जो चार जनरल इलेक्ट्रिक जीईएनएक्स इंजनों द्वारा संचालित था। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि घटना के बाद, आपातकालीन वाहनों ने प्रतिक्रिया दी और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। कुछ दिन पहले, कैलिफोर्निया जाने वाली जेटब्लू की उड़ान में आग लगने की सूचना के बाद न्यूयॉर्क के जॉन एफ कैनेडी हवाई अड्डे के रनवे से उड़ान रद्द करनी पड़ी थी।

स्वीडन, इटली और तुर्किये के अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना

तुर्किये (ईएमएस)। स्वीडन और इटली के अंतरिक्ष यात्री एक चार्टर्ड स्पेसएक्स उड़ान से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना हुए। फाल्कन रॉकेट ने तीनों व्यक्तियों को लेकर नासा के केनेडी अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरी। इन तीनों के पास सेना में पायलट का अनुभव है और वे अपने-अपने देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उनके कैप्सूल के शनिवार को अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचने की उम्मीद है। वे वहां दो सप्ताह का वक्त बिताएंगे। इस अभियान पर प्रत्येक देश का 5.5 करोड़ डॉलर या उससे अधिक का खर्च आया है। यह ह्यूस्टन की कंपनी एक्सियोम स्पेस की नासा और स्पेसएक्स के साथ ऐसी तीसरी यात्रा है। रूस दो दशक से अधिक समय से शुल्क लेकर लोगों को अंतरिक्ष स्टेशन पर ले जाता रहा है। नासा ने दो साल पहले इसकी शुरुआत की है। पूर्व लड़ाकू पायलट और तुर्किये एयरलाइन के कैप्टन अल्पर गेजेराव्सी अंतरिक्ष में जाने वाले अपने देश के पहले व्यक्ति हैं। साथ ही कैप्सूल में सवार अन्य लोगों में स्वीडन के पूर्व लड़ाकू पायलट मार्कस वान्डेट और इतालवी वायु सेना के कर्नल वाल्टर विलादेइ शामिल हैं। वे अपने साथ जिन प्रतीकात्मक वस्तुओं को ले जा रहे हैं उनमें स्वीडन का एक नोबेल पुरस्कार, इटली का फुसिली पास्ता और तुर्किये की खानाबदोश संस्कृति के प्रतीक शामिल हैं।

डेटा के भूखे है फेसबुक, इंस्टाग्राम

लंदन। फोन से डेटा लेने के मामले में फेसबुक और इंस्टाग्राम सबसे आक्रामक एप हैं। नई रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। साइबर सुरक्षा कंपनी सर्फशार्क ने 100 लोकप्रिय एप का विश्लेषण कर पाया कि फेसबुक और इंस्टाग्राम सबसे अधिक डेटा के भूखे हैं। शोधकर्ताओं ने कहा, चूंकि इंस्टाग्राम और फेसबुक मेटा प्लेटफॉर्म के उत्पाद हैं, इसलिए इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि ये दोनों एप एक ही तरह से डेटा एकत्र करते हैं। उन्होंने कहा, दोनों एप एप्पल द्वारा परिभाषित सभी 32 डेटा पॉइंट एकत्र करते हैं और ऐसा करने वाले केवल वहीं दो एप हैं।

स्विजजरलैंड में सेंट मोरिटज से डेवोस आते समय ट्रेन से ली तस्वीर में चारों ओर बर्फ ही बर्फ नजर आयी।

उत्तर कोरिया ने पानी में परमाणु हमला करने वाले ड्रोन का परीक्षण किया

सियोल । उत्तर कोरिया ने बताया कि सेना ने इस सप्ताह दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के संयुक्त नौसैन्य अभ्यास के जवाब में पानी में परमाणु हमले करने वाले ड्रोन का परीक्षण किया है। उत्तर कोरिया ने अपने दुश्मन देशों पर क्षेत्र में तनाव बढ़ाने का आरोप भी लगाया है। यह कथित ड्रोन परीक्षण उस वक्त किया गया है, जब कुछ ही दिन पहले देश के नेता किम जोंग उन ने कहा था कि उनका देश द.कोरिया के साथ सुलह का प्रयास नहीं करेगा। साथ ही उन्होंने युद्ध में विभाजित देशों के बीच साझा राष्ट्र के विचार को खत्म करने के लिए उत्तर कोरिया के संविधान को फिर से लिखने का आह्वान किया। उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा, हमारी सेना की जल के भीतर परमाणु-आधारित जवाबी कार्रवाई को और अधिक मजबूत किया जा रहा है और इसकी जल के भीतर तथा समुद्री कार्रवाइयां अमेरिका और उसके सहयोगियों की नौसेनाओं के शत्रुतापूर्ण सैन्य युद्धाभ्यास को रोकना जारी रखेंगी।

आतंकवादियों पर इस्लामाबाद की निष्क्रियता, घरेलू दबाव ने ईरान को पाकिस्तान पर हमला करने के लिए किया मजबूर

तेहरान (एजेंसी)। पाकिस्तान और ईरान ने संकेत दिए हैं कि वे नहीं चाहते कि स्थिति और बिगड़े। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज ज़हरा बलूच ने ब्लूमबर्ग से कहा कि वे तनाव नहीं बढ़ाना चाहते। उन्होंने कहा कि हमें भी उनकी ओर से इसी तरह की भावनाएं मिलीं। इसलिए हम इसे आगे बढ़ा रहे हैं। दोनों मुस्लिम देशों ने एक-दूसरे के क्षेत्र में %उग्रवादी% ठिकानों पर बमबारी की, जिससे संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन को शांतिदूतों की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित होना पड़ा। यहां उन अंतर्निहित कारणों पर एक नजर डाली गई है जिनके कारण संघर्ष शुरू हुआ।

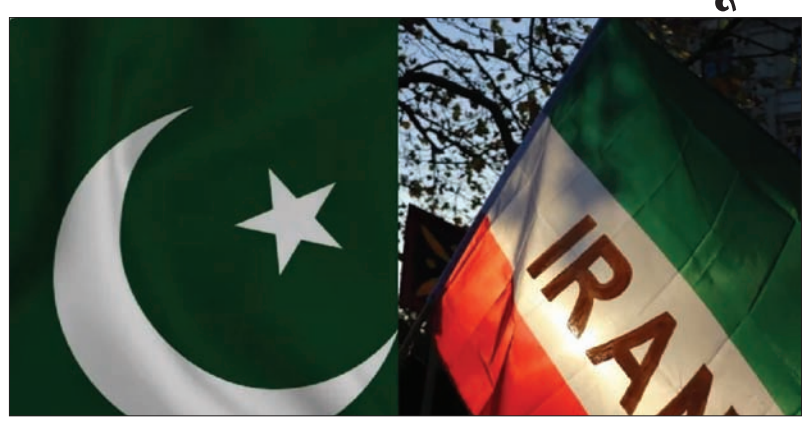

रॉयटर्स ने तीन स्रोतों का हवाला देते हुए बताया कि पाकिस्तान पर ईरानी हमला देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने के प्रयासों से प्रेरित था, न कि उसकी मध्य पूर्व महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए। ईरान ने मंगलवार को सुन्नी आतंकवादी समूह जैश अल-अदल को निशाना बनाया। शिया बहुल देश का दावा है कि समूह का इस्लामिक स्टेट से संबंध है क्योंकि इसके कई आतंकवादी अब ख़त्म हो चुके, आईएसआईएस से जुड़े जुनदुल्लाह का हिस्सा थे। यह भड़कना ईरान और पाकिस्तान के बीच अलगाववादी समूहों और दूरदराज के सीमावर्ती क्षेत्रों से सक्रिय इस्लामी आतंकवादियों को लेकर लंबे संघर्ष का परिणाम था। वे अक्सर सरकारी ठिकानों पर हमला करते हैं और दोनों देश एक-दूसरे पर रक्तपात में शामिल होने का आरोप लगाते हैं। यूरेशिया ग्रुप के एक विश्लेषक ग्रेगरी ब्रू ने रॉयटर्स को बताया कि ईरान के हमले आतंकवादियों द्वारा की जाने वाली घरेलू हिंसा पर उसकी चिंताओं के कारण शुरू हुए थे। इस्लामिक स्टेट द्वारा ईरान में 3 जनवरी को किए गए हमले के कुछ दिनों बाद यह भड़क उठी है। उन्होंने कहा कि ईरानी नेतृत्व कुछ करने के घरेलू दबाव का जवाब दे रहा है। ईरान ने कहा कि वह अपने लोगों की सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता को लाल रेखा मानता है। इसने पाकिस्तान से यह भी कहा कि वह अपनी धरती पर हथियारबंद आतंकवादियों को ठिकाना बनाने से रोके।

मिस्र मालदीव, अंगोला और बेलारूस के अपने समकक्षों जयशंकर ने की मुलाकात

कंपाला (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को मिस्र मालदीव, अंगोला और बेलारूस के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें की, जिस दौरान उन्होंने उनके साथ आपसी हितों और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग बढ़ाने के मुद्दों पर चर्चा की। जयशंकर गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) के दो-दिवसीय शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए कंपाला में हैं। उन्होंने मालदीव के विदेश मंत्री मूसा ज़मीर के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर 'स्पष्ट बातचीत' की।

जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग के बारे में भी बात की। भारतीय नागरिकों के लिए वीजा-मुक्त व्यवस्था बढ़ाने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।' जयशंकर ने बेलारूस के विदेश मंत्री सर्गेई एलेनिक से भी मुलाकात की और विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'बेलारूस के विदेश मंत्री सर्गेई एलेनिक के साथ एक सार्थक बैठक। विभिन्न क्षेत्रों में भारत-बेलारूस सहयोग पर विचारों का आदान-प्रदान किया। साथ ही यूक्रेन संघर्ष से संबंधित घटनाक्रम पर भी चर्चा की।'

इससे पहले उन्होंने अपनी यात्रा की कुछ तस्वीरें भी साझा कीं और लिखा, 'उन्नीसवें एनएएम शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए कंपाला पहुंचा हूं।' भारत ने एनएएम और जी-77 समूह के शिखर सम्मेलन की मेजबानी में युगांडा के सहयोग के लिए देश को मदद स्वरूप 10 बसें, पांच एम्बुलेंस, 10 ट्रैक्टर और कुछ ध्वज स्तंभ प्रदान किए हैं। जयशंकर की कंपाला यात्रा युगांडा और नाइजीरिया के उनके दो देशों के दौरे का हिस्सा है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने उनकी यात्रा से पहले नयी दिल्ली में एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि कंपाला के बाद विदेश मंत्री 21 जनवरी से नाइजीरिया की तीन दिवसीय यात्रा करेंगे।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि युगांडा के नेतृत्व में एनएएम शिखर सम्मेलन 120 से अधिक विकासशील देशों को ऐतिहासिक महत्व के अहम मंच पर एक साथ लाता है। शिखर सम्मेलन का विषय 'साझा वैश्विक समृद्धि के लिए गहन सहयोग' है और इससे पहले मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर विचार-विमर्श किया जाएगा। विदेश राज्य मंत्री राजकुमार रंजन सिंह एनएएम विदेश मंत्रियों की बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

ब्रिटेन के 3 सांसदों ने कश्मीरी पंडितों को न्याय देने की मांग की

लंदन। ब्रिटेन के 3 सांसदों ने एक प्रस्ताव में भारत सरकार से कश्मीरी पंडितों को न्याय देने की मांग की है। ब्रिटेन सरकार से इस नरसंहार के पीड़ितों के पक्ष में अपनी प्रतिबद्धता जताने का आग्रह किया है। प्रस्ताव 19 जनवरी से पहले आया जिसे कश्मीरी पंडित 1990 में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों की धमकियों और हत्याओं के कारण कश्मीर से पलायन की याद में निर्वासन दिवस के रूप में मनाते हैं। ब्रिटेन की संसद की वेबसाइट पर उपलब्ध अर्ली डे मोशन के अनुसार कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद बॉब ब्लैकमैन, डेमोक्रेटिक यूनियनिस्ट पार्टी के नेता जिम शैनन और लेबर पार्टी के नेता वीरेंद्र शर्मा ने 15 जनवरी को 2023-24 सत्र के लिए भारत में जम्मू-कश्मीर के कश्मीरी पंडितों के नरसंहार की 34वीं बरसी विषय पर प्रस्ताव पेश किया है।

इजरायली सैनिक के बेटे का सिर काटकर हमास ने नीलाम कर दिया

- इजरायली सैनिक के पिता का दावा

तेल अवीव (एजेंसी)। एक शहीद इजरायली सैनिक के पिता ने दावा किया कि हमास के आतंकियों ने उनके 19 वर्षीय बेटे का गला काटकर हत्या की और सिर काटकर गाजा ले गए। फिर कटे हुए सिर को इजरायली सैनिक का सिर बताकर लाखों में नीलाम कर दिया। इजरायल के स्थानीय चैनल 14 को दिए इंटरव्यू में डेविड ताहर ने हमास आतंकियों को लेकर सनसनीखेज खुलासे किए हैं। वह बताते हैं कि उनका बेटा अदीर ताहर इजरायली सेना का सदस्य था। जब सात अक्टूबर को इजरायल पर हमास आतंकियों ने अचानक हमला किया तो कई सैकड़ों लोगों की जान ले ली। इस हमले के दौरान हमास के आतंकियों ने उनके 19 वर्षीय बेटे अदीर को भी मार डाला। इतना ही नहीं, उनके बेटे के शव के साथ दरिंदगी भी की गई। दुखी पिता ने कहा कि उनके बेटे का शव इज़राइल के राष्ट्रीय कब्रिस्तान माउंट हर्ज़ल में पहुंचने के बाद मिला, जब उन्होंने ताबूत खोलकर बेटे की पहचान की। बेटे का शव डीएनए टेस्ट के बाद पहचाना गया। शव पहचानने योग्य नहीं था। डेविड ने कहा, मैंने डीएनए परीक्षण और उसकी पैंट में मौजूद चीजों से उसकी पहचान की। वह बताते हैं कि उसके बाद दो महीनों तक मैं बेटे के सिर के लिए भटकता रहा। इंटरनेट पर मुझे कई डरावने वीडियो और तस्वीरें मिली, जिससे पता लगा कि आतंकी उनके बेटे का सिर गाजा ले गए हैं। बाद में, आधिकारिक सूचना मिली कि हमास आतंकियों ने उसके बेटे के सिर को एक सैनिक के सिर के रूप में प्रचारित करके 10,000 डॉलर (करीब आठ लाख रुपए) में बेचने की कोशिश की थी।

फिर भड़के ट्रम्प- जज की तरफ उठा दिया हाथ

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प तमाम विवादों से घिरे न्यायालय के चक्कर लगा रहे हैं,लेकिन उनका गुस्सा कम नहीं हो रहा है। एक विवाद सुलझता नहीं और दूसरा खड़ा हो जाता है। अब एक नया बखेड़ा हो गया है। ट्रम्प इस बार तो वह जज की टिप्पणियों पर ऐसे आग बबूला हुए कि उनकी तरफ हाथ ही उठा दिया। दरअसल,नागरिक धोखाधड़ी मामले में मैनहटन कोर्ट में सुनवाई हो रही थी। जब उनके वकील मामले की पैरवी कर रहे थे, तब ट्रम्प बार-बार पीछे से बोलते जा रहे थे। इससे मामले की सुनवाई कर रहे जज लुईस ए कपलान ने पूर्व राष्ट्रपति को टोका और चुप रहने को कहा।

क्रॉली ने फिर शिकायत की, जिसमें ट्रम्प द्वारा कहा जा रहा था कि यह एक जादू टोना है और यह वास्तव में एक धोखाधड़ी है। इस पर जज ने कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा कि आपको अदालत से बाहर कर दिया जाएगा। जज की तरफ हाथ उठाने के थोड़ी देर बाद ट्रम्प ने कहा, मुझे अच्छा लगेगा। इस पर जज कपलान ने ट्रंप से कहा कि आप जाहिर तौर पर इन परिस्थितियों में खुद को नियंत्रित नहीं कर

सकते।हालांकि, ट्रम्प को अंततः अदालत से बाहर नहीं निकाला गया, लेकिन बुधवार शाम को एक राजनीतिक रैली के लिए न्यू हैम्पशायर वापस जाने से पहले, उन्होंने मामले में जज पर हमला करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। ट्रम्प ने जज पर हमला बोलते हुए कहा कि मुझे पता है कि बिल क्लिंटन द्वारा बहाल लोग ऐसा ही करेंगे। ट्रम्प ने जज कपलान को बुरा और नफरती जज करार दिया।

रिपोर्ट के मुताबिक, जब ट्रम्प फिर भी चुप नहीं हुए और बार-बार बीच में बोलते रहे तो जज ने उन्हें अदालत से बाहर करने की धमकी दे डाली। जज ने कहा कि अगर वह बार-बार अदालती सुनवाई में बाधा डालेंगे तो उनके अधिकार जब्त कर लिए जाएंगे। इस पर डोनाल्ड ट्रम्प जज पर भड़क गए और विरोध में जज की तरफ गुस्से में अपने हाथ उठा दिए। जज ने ट्रम्प के वकील को भी लताड़ लगाई। ट्रम्प के खिलाफ यौन उत्पीड़न केस में गवाह रहीं ई.जीन कैरोल द्वारा दायर एक मानहानि केस में पूर्व राष्ट्रपति लंबे समय से अदालत में पेश नहीं हो रहे थे। बुधवार को आखिरकार वह इस मामले में ट्रायल कोर्ट के सामने पेश हुए थे। कोर्ट में जब गवाह के रूप में, ई. जीन कैरोल ने जूरी को बताया कि कैसे ट्रम्प के कथित यौन उत्पीड़न के बारे में सार्वजनिक होने के बाद उनके बयानों ने उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया और उन पर धमकी भरे संदेशों से हमला हुआ। पिछले साल एक सिविल जूरी ने कैरोल के आरोपों को विश्वसनीय पाया था। ट्रम्प पिछले साल कैरोल के मानहानि मुकदमे में पेश नहीं हुए थे, लेकिन इस सप्ताह अदालत कक्ष में उनकी उपस्थिति हुई। जूरी द्वारा माफी दिए जाने के बाद, कैरोल के वकील शॉन क्रॉली ने ब्रेक से पहले ट्रम्प की टिप्पणी के बारे में शिकायत की। जब जज कपलान ब्रेक से लौटे तो उन्होंने ट्रम्प से कहा कि वह अपने वकीलों से बात करते समय अपनी आवाज़ कम रखें ताकि जूरी उनकी बात सुन सके।

चीन ने पाकिस्तान को थमाए घटिया रडार, हमला करने आए ईरानी ड्रोन को नहीं पकड़ पाए

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने चीन को अपना जिगरी दोस्त माना था। उसे लगता था कि चीन हर संकट में उसका साथ देगा। यही समझकर पाकिस्तान ने चीन से रडार खरीद लिए। उसे लगा कि इससे पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा सकता है, लेकिन चीन ने अपने दोस्त पाकिस्तान को घटिया रडार थमा दिए।

चीन के घटिया रडार की पोल उस वक्त खुली जब ईरान ने रातों रात पाकिस्तान में एयरस्ट्राइक करके आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। तब पता चला की चीन से लाए गए रडार ड्रोन को कैप्चर ही नहीं कर पाए। अब लुटा पिटा पाकिस्तान चीन पर घटिया रडार देने के आरोप लगा रहा है और कह रहा है कि पाकिस्तान में हुई एयर स्ट्राइक पर अमेरिका ने ईरान की निंदा की है लेकिन चीन के मुंह से एक भी शब्द नहीं निकला है।

दरअसल, ईरान ने मंगलवार को पाकिस्तान में स्थित आतंकी संगठनों पर ड्रोन अटैक किया था। इसके बाद अमेरिका समेत कई देशों ने ईरान के हमले की निंदा की लेकिन चीन ने इस मामले पर चुप्पी साध ली है। इतना ही नहीं चीन द्वारा पाकिस्तान को दिए गए इंटरसेप्ट रडार भी ईरान के ड्रोन को कैप्चर नहीं कर पाए। घटिया क्वालिटी के रडार सिस्टम से भी पाकिस्तान नाराज बताया जा रहा है। ऐसा पहली बार नहीं है कि चीन द्वारा पाकिस्तान को दिए गए रडार फेल हुए हैं। पहले भी कई मौकों पर चीन के रडार धोखा दे चुके हैं। साल 2022 में राजस्थान बॉर्डर पर गलती से पाकिस्तान में ब्रह्मोस मिसाइल फायर हुई थी। लेकिन चीन के रडार उसे भी इंटरसेप्ट करने में विफल रहे थे।

चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने प्रेस वार्ता में कहा, ''क्या आप कह रहे हैं पाकिस्तान ने ईरान पर हमले किए? मैं इससे अवगत नहीं हूं। उनसे यह पूछा गया था कि क्या चीन, ईरान के अंदर पाकिस्तान के हवाई हमलों से वाकिफ है। माओ ने कहा, ''लेकिन हम इस पर गौर कर रहे हैं और चीन का हमेशा से मानना रहा है कि देशों के बीच संबंधों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के उद्देश्यों एवं सिद्धांतों के आधार पर संभाला जाना चाहिए।

माओ निंग ने कहा कि सभी देशों की संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान और सुरक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, ''ईरान और पाकिस्तान करीबी पड़ोसी और प्रभाव रखने वाले देश हैं। हमें उम्मीद है कि दोनों पक्ष संयम और शांति बरतेंगे तथा तनाव बढ़ाने से दूर रहेंगे। अगर जरूरत पड़ी तो हम स्थिति को सामान्य करने में रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।पाकिस्तान के एक पत्रकार द्वारा यह पूछे जाने पर कि क्या चीन, सुन्नी चरमपंथी समूह जैश-अल-अदल के एक शिविर पर ईरान के हवाई हमले को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों एवं अंतराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन मानता है, माओ ने कहा, ''मैंने अभी-अभी चीन का रुख जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि दोनों पक्ष अपने विवादों का हल परामर्श और वार्ता के जरिये करेंगे। चीन की मध्यस्थता की पेशकश एक कठिन राह हो सकती है क्योंकि सुन्नी बहुल देश पाकिस्तान और मुख्य रूप से शिया बहुल ईरान के बीच अच्छे संबंध नहीं हैं।

वहीं अब चीन ने बीते दो दिनों में पाकिस्तान और ईरान द्वारा एक-दूसरे के

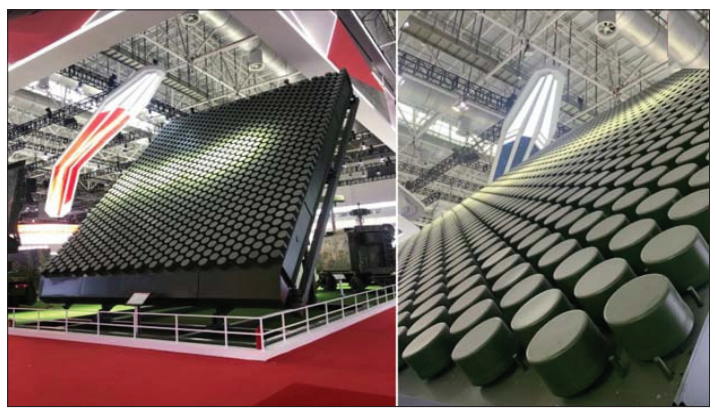

खिलाफ मिसाइल हमले किये जाने के बाद दोनों देशों के बीच उपजे तनाव को घटाने में रचनात्मक भूमिका निभाने की पेशकश की है। चीन ने दोनों देशों से ''संयम बरतने और टकराव टालने को कहा है। पाकिस्तान ने ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में, कथित आतंकी ठिकानों पर गुरूवार तड़के हमले किये, जिनमें नौ लोग मारे गए। ये हमले, पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में मंगलवार को सुन्नी बलूच चरमपंथी समूह 'जैश-अल-अदल के दो ठिकानों को निशाना बना कर किये गये। ईरान के मिसाइल एवं ड्रोन हमलों के बाद किये गए। इस घटनाक्रम ने चीन को असमंजस की स्थिति में डाल दिया है क्योंकि पाकिस्तान उसका करीबी मित्र है जबकि ईरान ने हाल के वर्षों में पश्चिम एशिया क्षेत्र में चीन को अपना प्रभाव बढ़ाने में मदद की है। चीन, ईरान से काफी मात्रा में तेल का भी आयात करता है।

अंडर 19 विश्व कप के पहले मुकाबले में आज बांग्लादेश पर जीत दर्ज करने उतरेगी भारतीय टीम

ब्लोमफोंटेन (एजेंसी)। भारतीय जूनियर क्रिकेट टीम शनिवार को आईसीसी अंडर 19 विश्व कप के पहले मुकाबले में बांग्लादेश से खेलेगी। भारतीय टीम की कप्तानी उदय सहारन करेंगे। अंडर 19 विश्व कप में भारतीय टीम को ग्रुप ए में यूएई, बांग्लादेश और आयरलैंड के साथ रखा गया है। भारतीय टीम को 2020 में आयोजित अंडर 19 टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की टीम ने ही फाइनल में 3 विकेट से हराकर खिताब जीता था। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य इस बार उससे हिसाब बराबर करना रहेगा।

भारतीय टीम बांग्लादेश के बाद 25 जनवरी को आयरलैंड का सामना करेगी। वहीं अंतिम लीग मैच में भारतीय टीम 28 जनवरी को यूएई से खेलेगी।

भारतीय टीम ने सबसे अधिक अंडर-19 खिताब जीते हैं और इस बार भी उसका लक्ष्य ये सिलसिला आगे बढ़ाना रहेगा।

ग्रुप ए में पांच बार की चैम्पियन भारतीय टीम बांग्लादेश के बाद आयरलैंड और अमेरिका से खेलेगी। भारतीय टीम ने साल 2002 में मोहम्मद कैफ की कप्तानी में पहला खिताब जीता था। उसके बाद से 2008, 2012, 2018 और 2022 में भारत चैम्पियन रहा। इसमें चार समूहों में चार चार टीमें रखी गई है। हर समूह से शीर्ष तीन टीमें सुपर सिक्स में पहुंचेंगी। इसका सेमीफाइनल आठ और छह फरवरी को जबकि फाइनल 11 फरवरी को बेनोनी में खेला जाएगा।

भारतीय टीम में अर्शिन कुलकर्णी भी हैं जो आईपीएल में अनुबंध पाने वाले इस टीम

के दो खिलाड़ियों में से एक हैं। अर्शिन ने टूर्नामेंट में नौ छक्के लगाए थे। इसके अलावा टीम में मुशीर खान और राज लिम्बानी जैसे अच्छे खिलाड़ी हैं।

टीम

भारत - उदय सहारन (कप्तान), अर्शिन कुलकर्णी, आदर्श सिंह, रूद्र मयूर पटेल, सचिन दास, प्रियांशु मोलिया, मुशीर खान, अरावेली अवनीश राव, स्वामी कुमार पांडे, मुरूगन अभिषेक, इनेश महाजन, धनुष गौड़ा, आराध्य शुक्ला, राज लिम्बानी, नमन तिवारी।

बांग्लादेश - महफुजूर रहमान रब्बी (कप्तान), आशिकुर रहमान शिबली, जिशान आलम, आरिफुल इस्लाम, मोहम्मद शिहाब जेम्स, अहरार अमीन, शेख परवेज जिबोन, वासी सिद्दीकी, मारूफ एम, चौधरी मोहम्मद रिजवान, आदिल बिन सिद्दीक, मोहम्मद अशरफुज्जामन, मोहम्मद रफी उज्जामन रफी, रहनत दौला बोरसन, इकबाल हुसैन एमन।

बोपन्ना-इबडेन की जोड़ी ऑस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर में पहुंची

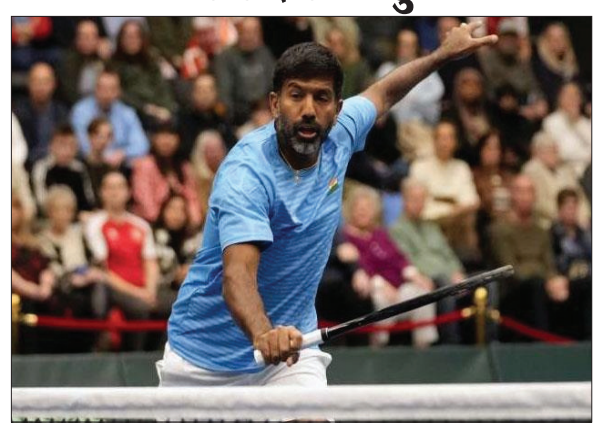

मेलबर्न (एजेंसी)। भारत के रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू इबडेन की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को शुक्रवार को यहां आस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष युगल के तीसरे दौर में पहुंचने के लिए जरा भी पसीना नहीं बहाना पड़ा। बोपन्ना और इबडेन की जोड़ी ने जॉन मिलमैन और एडवर्ड विंटर की स्थानीय वाइल्डकार्ड जोड़ी को एक घंटे से जरा ज्यादा समय तक चले दूसरे दौर के मैच में 6-2, 6-4 से पराजित किया।

अब तीसरे दौर में इस जोड़ी की भिड़ंत नीदरलैंड के वेस्ले कूलहोफ और क्रोएशिया के निकोला मेकटिच की 14वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से होगी। भारत के 43 वर्षीय बोपन्ना और इबडेन ने अपने प्रतिद्वंद्वियों पर हर तरफ से दबदबा बनाया। उन्होंने पहली सर्विस में 80 प्रतिशत अंक जुटाये जबकि मिलमैन और विंटर की जोड़ी 68 प्रतिशत ही ऐसा कर पायी। बोपन्ना-इबडेन ने इस दौरान मैच की सबसे तेज सर्विस भी लगायी जो 203 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली रही।

भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने प्रतिद्वंद्वी के 11 विनर की तुलना में 17 विनर जमाये। गुरुवार को पहले दौर के मैच में बोपन्ना-इबडेन ने आस्ट्रेलिया के जेम्स डकवर्थ और मार्क पोलमैंस की जोड़ी को 7-6 (7), 6-4, 7-6 (10) से मात दी थी। इससे पहले एक अन्य भारतीय श्रीराम बालाजी ने रोमानियाई जोड़ीदार विक्टर व्लाड कोर्निया के साथ मिलकर पुरुष युगल के दूसरे दौर में जगह बनायी।

उन्होंने इटली के मात्तेओ अर्नाल्डी और आंद्रिया पेलेग्रिनो को 6.3, 6.4 से हराया। अगले दौर में उनका सामना दसवीं वरीयता प्राप्त अल सल्वाडोर के मार्सेलो अरेवालो और क्रोएशिया के मेट पाविच से होगा। सत्र के पहले ग्रैंडस्लैम में भारत की एकल चुनौती गुरुवार को सुमित नागल की दूसरे दौर में चीन के जुनचेंग शांग से मिली हार से खत्म हो गई थी।

फैंस का टूटा दिल! पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी भारतीय महिला हॉकी टीम

रांची (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने से चूक गई जिसे एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर में तीसरे चौथे स्थान के मुकाबले में जापान ने 1-0 से हराया।

तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रही भारतीय महिला हॉकी टीम की इस हार ने प्रशंसकों के दिल तोड़ दिए जो पेरिस में पदक की उम्मीद कर रहे थे। जापान के लिए काना उराता ने छठे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया।

यह बढ़त आखिरी मिनट तक बनी रही जबकि भारतीय टीम एक भी गोल नहीं कर सकी। भारत को मैच में नौ पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन एक पर भी गोल नहीं हो सका। अमेरिका और जर्मनी फाइनल में पहुंचकर पहले ही क्वालीफाई कर चुके हैं।

मिचेल और फिलिप्स की शानदार बल्लेबाजी से न्यूजीलैंड ने चौथा टी20 भी जीता

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। डैरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स की शानदार बल्लेबाजी से न्यूजीलैंड ने चौथे टी20 क्रिकेट मुकाबले में भी पाकिस्तान को सात विकेट से हरा दिया। मिचेल ने नाबाद 72 और ग्लेन फिलिप्स ने नाबाद 70 रन बनाकर पाक गेंदबाजों के हाथों से ये मुकाबला छीन लिया। इस मैच में 159 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम ने 20 रनों पर ही तीन विकेट खो दिये थे पर इसके बाद कीवी टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स और डेरिल मिचेल ने चौथे विकेट लिए नाबाद 139 रन बनाकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। कीवी टीम ने ये लक्ष्य 18.1 ओवर में ही तीन विकेट पर 159 रन बनाकर हासिल कर लिया। इसी के साथ न्यूजीलैंड की टीम ने सीरीज में 4-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

वहीं पाकिस्तान की ओर से तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने तीन विकेट लिये। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसके सलामी बल्लेबाज सैम अयूब एक रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये।

इसके बाद बाबर आजम 19 रन और फखर जमान भी नौ रनों पर ही आउट हो गये। मोहम्द रिजवान ने सबसे अधिक 90 रन बनाए। उन्होंने आजम के साथ दूसरे विकेट के लिए 51 रन बनाये। उन्होंने पांचवें विकेट के लिए इफ्तिखार अहमद 10 रन के साथ 40 रन जोडे। पाक टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 158 बनाये।

अब शनिवार को हैदराबाद में अभ्यास शिविर में भाग लेगी भारतीय क्रिकेट टीम

मुम्बई। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में क्लीन स्वीप से उत्साहित भारतीय क्रिकेट टीम अब इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज को देखते हुए 20 जनवरी को हैदराबाद में एकत्र होगी। भारतीय टीम को अब इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू धरती पर 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इस सीरीज के लिए शामिल खिलाड़ियों को अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के बाद 2 दिन का ब्रेक मिला है। अब सभी खिलाड़ी 20 जनवरी को हैदराबाद में एकत्र होकर इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी करेंगे। भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज का पहला टेस्ट मैच 25 जनवरी से हैदराबाद में खेला जाएगा। अफगानिस्तान के खिलाफ अंतिम टी20 मैच खेलने के बाद कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अपने-अपने घरों की ओर चले गये हैं। वहीं अन्य खिलाड़ी शनिवार को हैदराबाद में नेट अभ्यास करेंगे। रोहित और विराट के अलावा मुख्य कोच राहुल द्रविड़ भी अभी ब्रेक पर हैं। द्रविड़ और कोचिंग स्टाफ में शामिल सदस्य शनिवार को ही हैदराबाद पहुंचेंगे।

पाक क्रिकेट टीम के तीनों ही विदेशी कोचों आर्थर, ब्राडबर्न और पुटिक ने दिया इस्तीफा

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के तीनों ही विदेशी कोचों ने इस्तीफा दे दिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि विदेशी कोच मिकी आर्थर, ग्रांट ब्राडबर्न और एंड्रयू पुटिक ने राष्ट्रीय टीम और बोर्ड के साथ अपने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इन तीनों से बातचीत कर उन्हें खुद ही इस्तीफा देने के लिए कहा गया था क्योंकि अगर पीसीबी उन्हें बर्खास्त करता तो अनुबंध के तहत छह महीने का वेतन देना पड़ता। गौरतलब है कि आईसीसी एकदिवसीय विश्वपक के बाद से ही टीम में आए बड़े बदलाव से विदेशी कोच नाराज चल रहे थे और उनके इस्तीफे के पीछे एक कारण ये भी था। पीसीबी ने विश्वकप के बाद कप्तान, चयनसमिति और कोच के साथ ही टीम डायरेक्टर में भी बदलाव किया था। भारत में एकदिवसीय विश्व कप के बाद पोर्टफोलियो में बदलाव करके कोचों को उन्हें राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इसी के तहत गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल को भी एनसीए भेज दिया गया था। इसके बाद मोर्कल ने भी अपना पद छोड़ दिया था।

टी20 में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में गेल पहले नंबर पर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ अंतिम टी20 मैच में शतक लगाने के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल की। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे अधिक शतक लगाने वाले बन गये हैं। वहीं अगर देखा जाये तो सबसे अधिक टी20 शतक का रिकार्ड वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल के नाम है। गेल ने टी20 में सबसे ज्यादा शतक लगाये हैं। उनके नाम टी20 प्रारुप में 22 शतक हैं और कोई भी उनके करीब नहीं है। वहीं पाकिस्तान के बाबर आजम 10 शतक के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं1 वहीं तीसरे नंबर पर भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और तीन अन्य खिलाड़ी हैं। विराट कोहली ने टी20 में कुल 8 शतक लगाये हैं। ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर, एरोन फिंच और माइकल कलिंगर के नाम भी इतने ही शतक हैं. ये चारों ही टी20 शतक के मामले में संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर आते हैं। वहीं रोहित के नाम टी20 प्रारुप में कुल 7 शतक हैं। उनके अलावा न्यूजीलैंड के के ब्रैंडन मैक्कुलम और इंग्लैंड के ल्यूक राइट के नाम भी सात-सात शतक हैं।

हसरंगा की शानदार गेंदबाजी से श्रीलंका ने जिम्बाब्वे को तीसरे टी-20 में हराकर सीरीज जीती

कोलंबो (एजेंसी)। स्पिनर वानिंदु हसरंगा की घातक गेंदबाजी से श्रीलंका ने यहां खेले गए तीसरे और अंतिम टी-20 मुकाबले में जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम को 9 विकेट से हराकर सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है। इस मैच में श्रीलंकाई टीम को जीत के लिए 83 रनों का आसान सा लक्ष्य मिला जो उसने पथुम निसंका के नाबाद 39 रनों और कुसल मेंडिस के 33 रनों की सहायता से 10.5 ओवर में भी एक विकेट के नुकसान पर 88 रन बनाकर हासिल कर लिया। धनंजय डीसिल्वा 15 रन बनाकर आउट नहीं हुए।

इस मैच में टॉस जीतकर श्रीलंकाई टीम ने जिम्बाब्वे को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। जिम्बाब्वे की टीम श्रीलंकाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और 14.1 ओवर में ही 82 रनों पर सिमट गयी। ब्रायन बेनेट ने सबसे अधिक 29 रन बनाए। वहीं शॉन विलियम्स ने 15 रन जबकि कप्तान सिकंदर रजा ने 10 और तिनाशे कामुनहुकांवे ने 12 रन बनाये। जिम्बाब्वे के छह खिलाड़ी दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। वहीं श्रीलंका की ओर से वानिंदु हसरंगा ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए जबकि महीश तीक्षणा और एंजलो मैथ्यूज ने भी दो-दो खिलाड़ियों को आउट किया। धनंजय डीसिल्वा और दिलशान मदुशंका को एक-एक विकेट मिला।

तीसरे मैच में जीत के बाद श्रीलंकाई कप्तान वानिंदु हसरंगा ने अपनी टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि गेंदबाजों और क्षेत्ररक्षकों ने अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं, जिमबाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने अपनी गलती मानते हुए कहा कि हमारी बल्लेबाजी कमजोर रही और हम 82 रन ही बनाये पाये। इसी कारण टीम को हार का सामना करना पड़ा है।

सबालेंका और गॉफ़ ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के अंतिम 16 में पहुंची

मेलबर्न। बेलारुस की गत चैंपियन आर्यना सबालेंका ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के अंतिम 16 में पहुंच गयी हैं। सबालेंका ने अपनी विरोधी लेसिया सुरेंको को 6-0, 6-0 से हराया। सबालेंका ने इसी के साथ ही यहां अपना दसवां मैच 52 मिनट में ही जीत लिया। इसी के साथ ही सबालेंका साल 2017 से 2019 तक यहां लगातार 10 जीत दर्ज करने वाली पहली खिलाड़ी बन गयी हैं। इससे पहले ये उपलब्धि अमेरिका की सेरेना विलियम्स के नाम थी। सबालेंका अब अपने अंतिम मुकाबले में संयुक्त राज्य अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा से खेलेंगी। अनिसिमोवा ने अपने करियर के पांच मुकाबलों में से चार में सबालेंका को हराया है। उनका पहला मुकाबला 2019 ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हुआ, जिसे अनिसिमोवा ने 6-3, 6-2 से जीता था। इसी के साथ ही वह 16वें दौर में पहुंच गई। वहीं अन्य मैच में अमेरिका की कोको गॉफ़ ने अपने ही देश की ट्रेनिंग पार्टनर एलिसिया पार्क्स को 6-0 6-2 से हराकर चौथे दौर में जगह बनायी। गॉफ अब क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए मैग्डेलेना फ्रेच या क्वालीफायर अनस्तासिया ज़खारोवा का सामना करेगी।

मुंबई इंडियंस एमिरेट्स आईएलटी20 टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी : पूरन

-मुंबई फ्रेंचाइजी का हिस्सा होने को शानदार अनुभव बताया

दुबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस एमिरेट्स के कप्तान निकोलस पूरन ने कहा है कि उनकी टीम लीग आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार है। छह टीमों के आईएलटी20 टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वार्नर सहित कई दिग्गज खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। पूरन ने कहा कि मुंबई फ्रेंचाइजी का हिस्सा होना शानदार अनुभव है पर इससे बेहतर प्रदर्शन का दबाव भी पड़ता है। यह फ्रेंचाइजी करीब एक दशक से टी20 क्रिकेट से जुड़ी हुई है

और हर कोई जानता है कि मुंबई सबसे अच्छी फ्रेंचाइजी में से एक है। उन्होंने कहा कि एक ग्रुप के तौर पर हम जहां तक संभव हो बेहतर प्रदर्शन कर जीत हासिल करने का प्रयास करेंगे।

पूरन ने कहा कि मुंबई का प्रतिनिधित्व करना और खेलना बहुत दबाव भरा है पर यही इसका सकारात्मक पक्ष भी है। हम इस चुनौती को स्वीकार करते हैं। हम बतौर ग्रुप इस टूर्नामेंट के लिए तैयार हैं। हम उत्साहित हैं और हम सफल होना चाहते हैं हालांकि हम जानते हैं कि यह आसान नहीं रहेगा।

इस टूर्नामेंट में मुंबई अमीरात के अलावा अबुधाबी नाइट राइडर्स, डेजर्ट वाइपर्स, दुबई कैपिटल्स, गल्फ जाइंट्स और शारजाह वारियर्स जैसी टीमें शामिल है। वॉर्नर, बोल्ट और ब्रावो के साथ इसमें सुनील नारायण, आंद्रे रसेल, कोरी एंडरसन, दासुन शनाका, रहमानुल्लाह गुरबाज, सैम बिलिंग्स, क्रिस वोक्स और मार्टिन गुप्टिल भी खेलेंगे।

सुनील गावस्कर ने इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के लिए भारत की तैयारियों पर सवाल उठाए

स्पोर्ट्स डेस्क। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने रणजी ट्रॉफी में भाग लेने के बजाय अफगानिस्तान के खिलाफ टी20आई श्रृंखला में भाग लेने वाले कुछ भारतीय बल्लेबाजों की पसंद पर अपना दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने विचार व्यक्त किया कि रोहित शर्मा, विराट कोहली, यशस्वी जयसवाल और शुबमन गिल जैसे खिलाड़ियों के लिए घरेलू प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट का चयन करना अधिक विवेकपूर्ण निर्णय होता खासकर जनवरी में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला को देखते हुए। गावस्कर ने कहा, 'क्या कुछ भारतीय बल्लेबाजों के लिए इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए खुद को तैयार करने के लिए कुछ रणजी ट्रॉफी खेल खेलना बेहतर नहीं होता? केएल राहुल के अलावा, जिन्होंने सेंचुरियन में पहले टेस्ट मैच में सबसे बेहतरीन टेस्ट शतकों में से एक बनाया और विराट कोहली, जिन्होंने बिना शतक लगाए अच्छी बल्लेबाजी की, अन्य भारतीय बल्लेबाजों ने दक्षिण अफ्रीका में भूलने योग्य चार पारियां खेलीं। हम निश्चित रूप से आने वाले हफ्तों में देखेंगे कि क्या उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना चाहिए था या रणजी ट्रॉफी मैच।' भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने पुष्टि की है कि टीम 20 जनवरी से हैदराबाद में एक प्रशिक्षण शिविर के साथ इंग्लैंड के खिलाफ महत्वपूर्ण टेस्ट श्रृंखला के लिए अपनी तैयारी शुरू करेगी। यह घोषणा तब हुई जब 17 जनवरी को बेंगलुरु में सनसनीखेज डबल सुपर ओवर मुकाबले में भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में रोमांचक क्लीन स्वीप हासिल की। टी20आई श्रृंखला में भाग लेने वाले नियमित टेस्ट खिलाड़ियों जिसमें कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, यशस्वी जयसवाल, शुबमन गिल, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, मुकेश कुमार और अवेश खान शामिल थे, उन्हें फिर से संगठित होने से पहले दो दिन के संक्षिप्त ब्रेक का इंतजार है।

रणजी ट्रॉफी में रनों के लिए तरसते दिखे अजिंक्य रहाणे, लगातार दो पारियों में हुए 'गोल्डन डक'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे पिछले कुछ महीनों से टेस्ट टीम से बाहर चल रहे हैं। रहाणे को इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के शुरुआती दो मुकाबले में नहीं चुना गया है। उन्होंने हाल ही में कहा था कि वह भारत के लिए 100 टेस्ट मैच खेलना चाहते हैं। रणजी ट्रॉफी में उनके प्रदर्शन को देखकर ऐसा लग रहा है कि उन्हें वापसी के लिए लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। रहाणे मुंबई के लिए लगातार दो पारियों में खाता नहीं खोल पाए।

रहाणे रणजी सीजन के पहले मैच में बिहार के खिलाफ नहीं खेल पाए थे। उसके बाद दूसरे मुकाबले में आंध्र प्रदेश के खिलाफ उन्हें एक पारी में बल्लेबाजी का मौका मिला था। ये पहली पारी में खाता खोले बगैर पवेलियन लौट गए थे। नीतीश रेड्डी ने उन्हें पहली ही गेंद पर आउट कर दिया था। मुंबई ने मैच को 10 विकेट से जीत लिया। ऐसे में उन्हें दूसरी पारी में बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला।

इस बात की उम्मीद जताई जा रही थी कि रहाणे आंध्र के खिलाफ अपने प्रदर्शन को भुलाकर तीसरे मुकाबले में बड़ी पारी खेल पाएंगे। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ, वह सीजन के तीसरे मुकाबले में केरल के खिलाफ पहली पारी में शून्य पर पवेलियन लौट गए। इस बार बासिल थम्पी ने उन्हें पहली ही गेंद पर पवेलियन भेज दिया। लगातार दो गोल्डन डक के बाद उनकी वापसी की उम्मीदें भी धूमिल हो गई हैं।

बॉबी देओल नहीं बनेंगे रामायण में कुंभकरण! नहीं मिला है कोई ऑफर

बॉबी देओल की इन दिनों खूब चर्चा है। संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल में अपने छोटे से कैमियो में उन्होंने गजब धमाल मचाया। इस बीच खबर आई कि दंगल फेम डायरेक्टर नितेश तिवारी की रामायण में बॉबी को रावण के भाई कुंभकरण का रोल ऑफर किया गया है। लेकिन अब नई रिपोर्ट यह बताती है कि एक्टर को ऐसा कोई रोल ऑफर नहीं हुआ है। रणबीर कपूर इस रामायण में भगवान राम का किरदार निभा रहे हैं, जबकि साईं पल्लवी पर्दे पर मां सीता बनेंगी। यश इसमें रावण बनेंगे। फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है। बॉबी देओल की टीम से इस बारे में बात की। उनकी टीम ने इस तरह की अटकलों का खंडन किया है। टीम का कहना है कि बॉबी को नितेश तिवारी की रामायण में ऐसा कोई रोल ऑफर नहीं किया गया है।

कैकेयी के रोल में दिखेंगी लारा दत्ता!

इससे पहले पिंकविला की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि रामायण की कास्ट में नए नाम जुड़े हैं। इनमें राजा दशरथ की तीसरी पत्नी और मां राजकुमारी कैकेयी के रूप में लारा दत्ता को कास्ट किया गया है। जबकि रावण के छोटे भाई कुंभकरण की भूमिका के लिए बॉबी देओल को लगभग फाइनल कर लिया गया है। रामायण की कहानी में कुंभकरण वह किरदार है, जो खूब खाता और सोता था। वह छह महीने सोता रहता था और छह महीने जगता था। रिपोर्ट में कहा गया गया लारा दत्ता से कैकेयी के रोल के लिए बातचीत आखिरी चरण में है। जबकि बॉबी देओल एनिमल की सफलता के बाद कई ऑफर्स पर विचार कर रहे हैं, इनमें रामायण भी है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मेकर्स फिल्म में भगवान हनुमान के किरदार के लिए सनी देओल के नाम पर विचार कर रहे हैं। मेकर्स को उम्मीद है कि दिवंगत एक्टर दारा सिंह ने जिस तरह टीवी पर हनुमान के किरदार को अमर कर दिया, उसी तरह का जादू सनी देओल भी चला सकते हैं।

पर्दे पर हनुमान जी का लंगोट धारण करते ही मेरे अंदर पॉजिटिविटी आ जाती है

छोटे पर्दे पर संकट मोचन महाबली हनुमान, कर्मफल दाता शनि जैसे शोज में बजरंग बली की भूमिका निभा चुके ऐक्टर निर्भय वाधवा एक बार फिर सीरियल श्रीमद् रामायण में हनुमान जी के रोल में नजर आ रहे हैं। ऐसे में, हमने निर्भय से जाना कि आखिर क्या है उनका इस रोल से खास कनेक्शन?

सबको नहीं मिलता ऐसा मौका

बतौर कलाकार निर्भय को बार-बार एक ही रोल करना दोहराव भरा नहीं लगता? यह पूछने पर वह कहते हैं, बिल्कुल नहीं, बल्कि मुझे तो गर्व होता है कि मेरी एक छाप बन गई है हनुमान जी के रोल में। बड़े से बड़े कलाकारों को भी कई बार जिंदगी में ऐसा लार्जर दैन लाइफ किरदार निभाने का मौका नहीं मिलता, जिसे लोग उसके जाने के बाद भी याद करें। मुझसे पहले बस दारा सिंह जी ने हनुमान जी का रोल कई बार किया है। मैं उनसे तुलना नहीं कर सकता, वो लेजेंड हैं। मैं कोशिश करता हूं कि मैं भी उनके जैसा थोड़ा बहुत अच्छा काम कर जाऊं और ये भगवान की कृपा है कि मैं बार बार ये रोल कर रहा हूं।

लंगोट पहनते ही आ जाती है पॉजिटिविटी

बजरंग बली के गेटअप और मेकअप में लगातार शूटिंग करना कितना चैलेंजिंग होता है? इस सवाल पर निर्भय बताते हैं, जब मैं पहली बार ये रोल कर रहा था तब चैलेंजिंग होता था क्योंकि मेरे डेंचर (नकली दांत) लगते हैं। उससे मेरा चेहरा खिंचा हुआ रहता है, इसलिए मैं ज्यादातर अपने भाव आंखों से दिखाने की कोशिश करता हूं कि मैं गुस्से में हूं या दुखी हूं। बाकी, मेकअप तो अब आधे से एक घंटे में हो जाता है जिसमें मुझे बिल्कुल भी दिक्कत नहीं होती। मेरा मानना है कि हनुमान जी का परिधान या लंगोट धारण करते ही आपके अंदर बहुत ज्यादा पॉजिटिविटी आ जाती है और बड़ी से बड़ी मुश्किल आसान हो जाती है।

हनुमान जी ने दौलत-शोहरत सब दिया

निर्भय अपनी जिंदगी में आए सकारात्मक बदलावों का श्रेय भी हनुमान जी को देते हैं। बकौल निर्भय, हनुमान जी ने मुझे बहुत कुछ दिया है। जैसे, मैं हमेशा से चाहता था कि मेरे पास बड़ी गाड़ी हो पर लगा नहीं था कि ऐसा हो पाएगा लेकिन हनुमान जी का रोल करने लगा तो वो हो गया। महंगी मोटरसाइकिल आ गईं। जबकि, पहले तो हमारे परिवार के आर्थिक हालात ही ऐसे नहीं थे कि हम वो खरीद पाते। मेरे घरवाले सामान्य सी बाइक दिला देते वही बड़ी बात थी। फिर, मैंने सोचा भी नहीं था कि मुझे 30-40 लाख का लोन मिल पाएगा, लेकिन ऐसी सारी चीजें हुई हैं। मेरे लोन पास होने लगे, जो लोग पहले लोन के लिए मना कर देते थे, वो अब आगे बढ़-बढ़कर आते हैं। मेरा पासपोर्ट जल्दी बन गया जो काफी टाइम से अटका हुआ था। मतलब, ऐसे ऐसे काम हुए हैं जिसकी उम्मीद छोड़ दी थी।

26 साल बाद रवीना ने खोला राज, क्यों नहीं की करण जौहर की कुछ-कुछ होता है

रवीना टंडन इन दिनों अपनी आने वाली वेब सीरीज कर्मा कॉलिंग को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। ये सीरीज जल्द ही स्ट्रीम होने वाली है। रवीना टंडन इन दिनों अपनी वेब सीरीज का जमकर प्रमोशन कर रही हैं। इसी बीच रवीना ने अपने दिए एक साक्षात्कार में अपने पिछले प्रोजेक्ट्स से जुड़े कई मजेदार खुलासे भी किये। रवीना टंडन ने बताया की उन्होंने करण जौहर की पहली फिल्म कुछ-कुछ होता है को रिजेक्ट कर दिया था। एक इंटरव्यू में कुछ-कुछ होता है को रिजेक्ट करने के पीछे का कारण बताते हुए एक्ट्रेस ने बताया - उस वक्त मुझे समझ नहीं आया। काजोल और मैं उस वक्त एक दूसरे के कॉम्पिटीटर थे। फिल्म में हम दोनों ही लीड रोल में थे लेकिन मेरा रोल काजोल से नीचे था और छोटा था इसलिए मैं इसी नहीं करना चाहती थी।

करण जौहर का ऐसा था रिएक्शन

रवीना टंडन अपनी अपकमिंग वेब सीरीज कर्मा कॉलिंग को प्रमोट करने में लगी हुई हैं। इस दौरान एक्ट्रेस कई इंटरव्यू दे रहे हैं जहां एक इंटरव्यू के दौरान कुछ-कुछ होता है को रिजेक्ट करने पर करण जौहर के रिएक्शन के बारे में बात करते हुए कहा -करण आज भी मुझसे उस रोल को ना करने के लिए जवाब मांगता रहता है। मैं उससे कहती हूं कि यार तू मुझसे और कुछ भी करा ले। यही नहीं धर्मा प्रोडक्शन की एक और कोई फिल्म थई जिसे मैं और वरुण सूद साथ में करने वाले थे लेकिन अफसोस ऐसा हो नहीं सका

चार्ली पुथ, जस्टिन बीबर को प्रेरणा मानने वाले अरमान की तमन्ना अब ब्रूनो मार्स के साथ काम करने की है। अरमान ने कहा हिट गानों की ना कोई रेसिपी होती और ना उसे कोई बता सकता है।

हिट गाने की कोई रेसिपी नहीं होती है

कच्ची उम्र में संगीत को ही अपनी जिंदगी बनाकर आगे बढ़ने वाले अरमान मलिक ने प्लेबैक सिंगिंग के बाद अब पॉप म्यूजिक में इंटरनेशनल पहचान बनाने के लिए कदम बढ़ा दिए हैं। अब तक उनके करीब 6-7 इंग्लिश सॉन्ग आ चुके हैं। इनमें से 'यू' और 'कंट्रोल' के लिए उन्हें ईएमए अवॉर्ड भी मिला। चार्ली पुथ, जस्टिन बीबर को प्रेरणा मानने वाले अरमान की तमन्ना अब ब्रूनो मार्स के साथ काम करने की है। अरमान ने कहा हिट गानों की ना कोई रेसिपी होती और ना उसे कोई बता सकता है। बस, जो होता है, वो ऐसे ही हो जाता है। आप ईमानदारी से अपना काम करते रहो और वो लोगों तक पहुंचता जाता है। उससे लोगों के दिलों में जगह बनती है। अगर आपके गाने ने लोगों के दिलों में जगह बना ली तो वह हिट हो गया। अच्छा या हिट गाना बनाने के लिए अलग-अलग साल का पीछे का ट्रैक रिकॉर्ड देखना पड़ता है कि कौन से गाने हिट हुए। उनमें क्या चीज समान थी। उनको कॉमन रखते हुए नया गाना बनाओ तो कहीं ना कहीं एक प्रतिशत समझ में आ जाता कि यह जोन है। अगर उस एरिया या इमोशन से हम कोई गाना बनाएं तो वो लोगों से कनेक्ट करेगा क्योंकि पहले ऐसे ही गाने हुए हैं। हालांकि, यह बस शुरुआती तौर पर हो सकता है, लेकिन हिट गानों की पूरी रेसिपी आप ना किसी को बता पाओगे और ना खुद जान पाओगे।

द साबरमती रिपोर्ट में नजर आएंगे विक्रांत मैसी

एक्टर विक्रांत मैसी अपनी फिल्म '12वीं फेल' के चलते खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। पिछले साल रिलीज हुई विधु विनोद चोपड़ा की इस फिल्म को क्रिटिक्स और फैंस ने खूब प्यार दिया। विक्रांत इसके लीड एक्टर थे और फिल्म की सफलता में उनकी एक्टिंग का बड़ा योगदान रहा। विक्रांत ने छोटे पर्दे से बड़े पर्दे का सफर तय किया है। उनकी प्रतिभा उनके लिए लगातार आगे बढ़ने के रास्ते बना रही है। अब विक्रांत एकता कपूर की मूवी द साबरमती रिपोर्ट में लीड रोल में नजर आएंगे। उनके अपोजिट राशि खन्ना हैं। फिल्म का डायरेक्शन रंजन चंदेल करेंगे, जो 3 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मेकर्स ने वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा- एक अनकही कहानी के साथ इतिहास को उजागर करने के लिए तैयार हो जाइए, साबरमती रिपोर्ट - 2002 की घटना की एक दिलचस्प यात्रा, जिसने पूरे देश पर एक अमिट छाप छोड़ी! 3 मई 2024 को सिनेमाघरों में। फिल्म में 'जवान' फेम एक्ट्रेस रिद्धि डोगरा का भी अहम रोल रहेगा।

ऋतिक की फाइटर में विलेन बने ऋषभ साहनी

सिद्धार्थ आनंद की फिल्म फाइटर का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। फिल्म में ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर जैसे अहम कलाकार हैं। इन सभी के अलावा ट्रेलर में एक और एक्टर ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है जो फिल्म में विलेन का रोल प्ले कर रहा है। यह हैं एक्टर ऋषभ साहनी, जो 'फाइटर' में विलेन के रोल में नजर आएंगे। ऋषभ ने बतौर मॉडल अपने करियर की शुरुआत की थी। वो शातनु और निखिल समेत कई बड़े फैशन डिजाइनर्स के लिए रैंप वॉक कर चुके हैं। भले ही 'फाइटर' से ऋषभ अपना बॉलीवुड डेब्यू करेंगे पर इससे पहले वो डिनो मोरिया स्टारर 'द एम्पायर' में बाबर के भाई महमूद का रोल प्ले कर चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने 'कौन बनेगी शिखरवती' और 'बेस्टसेलर' जैसे शोज भी किए हैं। सोशल मीडिया पर भी ऋषभ काफी पॉपुलर हैं। वे वहां आए दिन अपने फोटोशूट और बॉडी बिल्डिंग फोटोज शेयर करते हैं।

करण जौहर ने किया कॉफी विद करण 8 की समाप्ति का एलान

करण जौहर का सेलिब्रिटी चैट कॉफी विद करण 8 दर्शकों के बीच सबसे लोकप्रिय शो में से एक है। कॉफी विद करण के आठवें सीजन में करण ने सितारों की प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ से जुड़े किस्सों का खुलासा कर दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। कॉफी विद करण- 8 के ओपनिंग एपिसोड में दीपिका और रणवीर ने करण के शो की शोभा बढ़ाई थी। वहीं, इसके बाद सनी देओल, बॉबी देओल, आदित्य रॉय कपूर, अर्जुन कपूर समेत कई सितारे दिलचस्प खुलासे करते नजर आएं। शो के होस्ट ने हाल ही में घोषणा की है कि उनका आठवां सीजन खत्म होने जा रहा है।

अंतिम एपिसोड होगा कॉफी अवार्ड्स

करण जौहर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम स्टोरी कॉफी विद करण के आठवें सीजन खत्म होने की घोषणा की है। उन्होंने लिखा, सेलिब्रिटी चैट अब खत्म होने जा रहा है, हमारे सभी 12 एपिसोड टॉप पर रहे। अब हमारा अगला और अंतिम एपिसोड कॉफी अवार्ड्स होगा।

ये सितारे आए नजर

उन्होंने आगे कहा, कॉफी विद करण के आठवें सीजन में हमने दीपिका पादुकोण-रणवीर सिंह, आलिया भट्ट, करीना कपूर खान, सैफ अली खान, शर्मिला टैगोर, जान्हवी कपूर, खुशी कपूर, सिद्धार्थ मल्होत्रा, कियारा आडवाणी, आदित्य रॉय कपूर, अर्जुन कपूर समेत कई सितारो से बातचीत की। वहीं, हालिया एपिसोड में बॉलीवुड इंडस्ट्री की दो दिग्गज अभिनेत्रियां जीनत अमान और नीतू कपूर नजर आई थीं।

12वीं फेल स्टार मेधा शंकर ने दर्शकों का जताया आभार

विक्रांत मैसी और मेधा शंकर स्टारर 12वीं फेल साल 2023 की सुपरहिट फिल्मों में शुमार रही। बेहतरीन कहानी और कलाकारों के शानदार अभिनय से इस फिल्म ने धमाल मचा दिया। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा और अपनी रिलीज के 12 हफ्ते बाद भी 12वीं फेल थिएटर में जमी हुई है।

मेधा शंकर ने इस फिल्म में अपने किरदार को मिल रही जबर्दस्त प्रतिक्रिया पर दर्शकों का आभार व्यक्त किया। मेधा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर फैंस को धन्यवाद कहा। वीडियो शेयर करते हुए मेधा ने लिखा, यह अब हमारी फिल्म नहीं आपकी फिल्म है, आपने इस फिल्म को ढेर सारा प्यार दिया, उसके लिए धन्यवाद। 12वीं फेल 12 हफ्तों से लगातार सिनेमाघरों में चल रही है! कृपया इसे अपने नजदीकी थिएटर में जाकर देखें। अपने दोस्तों और परिवार के साथ बड़े पर्दे पर इस जादुई फिल्म को एन्जॉय करे। आप सभी को ढेर सारा प्यार, हर चीज के लिए धन्यवाद। विधु विनोद चोपड़ा द्वारा निर्देशित यह फिल्म आईपीएस मनोज शर्मा की सच्ची कहानी पर आधारित है। जिसमें मेधा शंकर ने मनोज शर्मा की पत्नी और आईआरएस श्रद्धा जोशी की भूमिका निभाई है। फिल्म की कहानी आईपीएस मनोज कुमार शर्मा के जीवन और यूपीएससी उम्मीदवारों के इर्द-गिर्द घूमती है। गौरतलब है कि12वीं फेल को स्वतंत्र नामांकन के तौर पर ऑस्कर 2024 में भेजा गया है।